

महानगरपालिका औरंगाबाद

सर्वसाधारण सभेचे इतिवृत्तांत

दिनांक २०-०१-१९९७ ते दिनांक २६-०३-१९९७

रजिष्टर क्र.०३

औरंगाबाद महानगरपालिका, औरंगाबाद

दिनांक २० जानेवारी १९९७ रोजी भरलेल्या औरंगाबाद महानगरपालिकेच्या सर्वसाधारण सभेचा वृत्तांत,

सोमवार दिनांक २० जानेवारी १९९७ रोजी सकाळी ११.०० वाजता मा. महापौर गजानन बारवाल यांच्या अध्यक्षतेखाली कै. केशव सिताराम ठाकरे सभागृहात औरंगाबाद महानगरपालिकेच्या सर्वसाधारण सभेस "वंदे मातरम्" या गिताने सुरुवात झाली. ह्या सभेस कार्यालयीन अधिकाऱ्यांसह खालील सन्माननीय सभासद उपस्थित होते. स. सभासदांची उपस्थिती रजिष्टरप्रमाणे.

| | | |
|-----|-------------------------------------|----------|
| १) | श्री. डॉ. विजयकुमार मेहेर | उपमहापौर |
| २) | श्री. जयवंत केशवराव ओक | स. सभासद |
| ३) | श्री. प्रभाकर सिताराम विधाते | --/-- |
| ४) | श्री. गौतम भागाजी खरात | --/-- |
| ५) | सौ. उषाबाई दिलिप गायकवाड | --/-- |
| ६) | सौ. विमलबाई मुंडलिक | --/-- |
| ७) | श्री. लांडगे गौतम लिंबाजी | --/-- |
| ८) | श्री. महादेव पुंडलिक सुर्यवंशी | --/-- |
| ९) | श्री. नरेंद्र यादवराव पाटील | --/-- |
| १०) | श्री. काशिनाथ कोकाटे | --/-- |
| ११) | श्री. सुभाष भिकाजी टाकळकर | --/-- |
| १२) | श्री. प्रफुल्ल लालचंद मालानी | --/-- |
| १३) | श्रीमती चंपाबाई विश्वनाथ पांचाळ | --/-- |
| १४) | श्री. फजल उल्लाखान अजमत उल्लाखान | |
| १५) | श्रीमती आबेदा बेगम मो. मुस्तफा | --/-- |
| १६) | श्री. मोहम्मद मुश्ताफ अहेमद | --/-- |
| १७) | श्री. वसंत विनायक देशमुख | --/-- |
| १८) | श्री. हाजी मोहसिन अहेमद हाजी बशीर | --/-- |
| १९) | श्री. अ. जावेद रज्जाक | --/-- |
| २०) | सौ. मोहसिना बिल्कीस विखारोद्दिन | --/-- |
| २१) | श्रीमती जाहेदा म. जमीर | --/-- |
| २२) | श्रीमती पुष्पाबाई सुरेशचंद्र गंगवाल | --/-- |
| २३) | श्री. म. अ. रऊफ म.अ. माबुद | --/-- |
| २४) | श्री. धिरज शांतीलाल खरवोरडिया | --/-- |
| २५) | श्री. प्रदिप शिवनारायण जैस्वाल | --/-- |
| २६) | श्री. रमेश दिपचंद लाहोट | --/-- |
| २७) | श्री. संजय किसनराव केनेकर | --/-- |
| २८) | सौ. मुक्ताबाई सुदाम वाघमारे | --/-- |
| २९) | सौ. लता श्रीनिवास दलाल | --/-- |
| ३०) | सौ. अलका रमेश पाटील | --/-- |
| ३१) | सौ. शकुंतला धांडे | --/-- |
| ३२) | श्री. सुभाष कच्छवाह | --/-- |

| | | |
|-----|---------------------------------|-------|
| ३३) | सौ. सविता आव्हाड | --/-- |
| ३४) | सौ. निर्मला विठ्ठल कांबळे | --/-- |
| ३५) | श्री. विखारोद्दिन पी. खदबोद्दिन | --/-- |
| ३६) | श्री. विकास जैन | --/-- |
| ३७) | श्री. ओबेरॉय मनमोहनसिंग करमसिंग | --/-- |
| ३८) | श्री. संजय जोशी | --/-- |
| ३९) | श्री. अविनाश लक्ष्मण कुमावत | --/-- |
| ४०) | श्री. राजकुमार बचाटे | --/-- |
| ४१) | सौ. राधाबाई तळेकर | --/-- |
| ४२) | श्री. गांगवे बंशी तुळशीराम | --/-- |
| ४३) | श्री. भगवान घडामोडे | --/-- |
| ४४) | श्री. कचरू नवपुते | --/-- |

जेष्ठ कामगार नेते डॉ. दत्ता सामंत आणि वृत्तपत्राशी जवळचा संबंध असलेले अब्दुल अलाम बहासवास यांचे दुखःद निधनानिमित्त सभागृहाने ००.०२ मिनिटे स्तब्ध उभे राहून श्रध्दांजली अर्पण केली.

"जन-गण-मन" ह्या राष्ट्रगीतानंतर सभेचे कामकाज संपल्याचे मा. महापौर यांनी घोषित केले.

स्वाक्षरीत/-
नगर सचिव
महानगरपालिका, औरंगाबाद.

स्वाक्षरीत/-
महापौर
महानगरपालिका, औरंगाबाद.

औरंगाबाद महानगरपालिका, औरंगाबाद

दिनांक १९-०२-१९९७ रोजी संपन्न झालेल्या सर्वसाधारण सभेचे इतिवृत्त.

बुधवार दिनांक १९-०२-१९९७ रोजी सकाळी ११.०० वाजता मा. महापौर गजानन बारवाल यांच्या अध्यक्षतेखाली कै. केशव सिताराम ठाकरे सभागृहात "वंदे मातरम्" या राष्ट्रगीताने औरंगाबाद

महानगरपालिकेच्या सर्वसाधारण सभेस सुरुवात झाली.

ह्या सभेस महानगरपालिका अधिकाऱ्यांसह खालील स. सभासद उपस्थित होते.

| | | |
|-----|-----------------------------------|----------|
| १) | श्री. डॉ. विजयकुमार मेहेर | स. सभासद |
| २) | श्री. गिरजाराम हाळनोर | --/-- |
| ३) | श्री. जयवंत केशवराव ओक | --/-- |
| ४) | सौ. रुखमनबाई खंडेराव लोखंडे | --/-- |
| ५) | श्री. प्रभाकर सिताराम विधाते | --/-- |
| ६) | श्री. गणेश किशनराव वानखेडे | --/-- |
| ७) | सौ. रजनी रमेश जोशी | --/-- |
| ८) | सौ. उषाबाई दिलिप गायकवाड | --/-- |
| ९) | श्री. लांडगे गौतम लिंबाजी | --/-- |
| १०) | श्री. महादेव पुंडलिक सुर्यवंशी | --/-- |
| ११) | श्री. अभिमन्यु भालेराव | --/-- |
| १२) | श्री. नरेंद्र यादवराव पाटील | --/-- |
| १३) | श्री. काशिनाथ कोकाटे | --/-- |
| १४) | श्री. सुदाम रामदास सोनवणे | --/-- |
| १५) | श्री. रविंद्र बाबुराव इंगळे | --/-- |
| १६) | सौ. पदमा बाबुराव शिंदे | --/-- |
| १७) | श्री. सुभाष भिकाजी टाकळकर | --/-- |
| १८) | श्री. प्रफुल्ल लालचंद मालानी | --/-- |
| १९) | श्रीमती चंपाबाई विश्वनाथ पांचाळ | --/-- |
| २०) | सौ. धनश्री अशोक विसपुते | --/-- |
| २१) | सौ. फरहद बानो भ्र. मो. नवाज | --/-- |
| २२) | श्री. फजल उल्लाखान अजमत उल्लाखान | --/-- |
| २३) | श्री. अजिज खाँ गणी खाँ | --/-- |
| २४) | श्रीमती आबेदा बेगम मो. मुस्तफा | --/-- |
| २५) | श्री. मुश्ताफ अहेमद | --/-- |
| २६) | सौ. नुरजहाँ बेगम अ. रहेमानखान | --/-- |
| २७) | श्री. वसंत विनायक देशमुख | --/-- |
| २८) | श्री. हाजी मोहसिन अहेमद हाजी बशीर | --/-- |
| २९) | सौ. मोहसिना बिल्कीस विखारोदिन | --/-- |
| ३०) | श्री. अ. जोवद रज्जाक | --/-- |
| ३१) | श्रीमती जाहेदा म. जमीर | --/-- |
| ३२) | श्री. त्र्यंबक गणपत तुपे | --/-- |

| | | |
|-----|--|-------|
| ३३) | सौ. यशोदा धनंजय वाडेकर | --/-- |
| ३४) | श्री. किशोर बाबुलाल तुळशीबागवाले | --/-- |
| ३५) | श्री. हमीदउद्दिन ताबा | --/-- |
| ३६) | श्री. म. अ. रऊफ म. अ. माबुद | --/-- |
| ३७) | श्री. स.अ. एकबालोद्दिन स.मो. कुतुबउद्दिन | --/-- |
| ३८) | श्री. प्रदिप शिवनारायण जैस्वाल | --/-- |
| ३९) | श्री. सैय्यद अली मिरा सलामी | --/-- |
| ४०) | सौ. लता श्रीनिवास दलाल | --/-- |
| ४१) | सौ. अलका रमेश पाटील | --/-- |
| ४२) | सौ. शकुंतला धांडे | --/-- |
| ४३) | श्री. अब्दुल रशीदखान (मामू) | --/-- |
| ४४) | कु. माया लिंबाजी लाडवाणी | --/-- |
| ४५) | डॉ. भागवत कराड | --/-- |
| ४६) | सौ. सविता आव्हाड | --/-- |
| ४७) | श्री. अ. रशीद अ. सत्तार | --/-- |
| ४८) | श्री. धिल्लन तरवेंद्रसिंग महेंद्रसिंग | --/-- |
| ४९) | श्री. प्रकाश भाऊराव निकाळजे | --/-- |
| ५०) | श्री. संजय रामदास जोशी | --/-- |
| ५१) | सौ. जोत्सना हिवराळे | --/-- |
| ५२) | श्री. राजकुमार बचाटे | --/-- |
| ५३) | सौ. राधाबाई तळेकर | --/-- |
| ५४) | श्री. नरसिंग ढगे | --/-- |
| ५५) | श्री. विड्डल किसन जाधव | --/-- |
| ५६) | श्री. बन्सी तुळशीराम गांगवे | --/-- |

संवाद - हृदय विकाराच्या झटक्याने दुःखद निधन झालेल्या महापालिका आयुक्तांच्या वहिनी सौ. सुशिला वसंतराव वैद्य आणि खुनी हल्ल्यात निधन पावलेले श्री. अविनाश साळवे यांना सभागृहातर्फे ००.०२ मिनिटे श्रध्दांजली अर्पण करण्यात आली.

सध्या जिल्हा परिषद आणि पंचायत समितीच्या निवडणूकीची आचारसंहिता लागू असल्यामुळे आजची बैठक पुढे ढकलण्यात यावी अशी सूचना स. सभासद श्री. गंगाधर गाडे यांनी मांडली. त्यास मा. सभागृह नेता श्री. जयवंत ओक यांनी अनुमोदन दिले.

सभागृहाच्या मागणीनुसार जिल्हा परिषद व पंचायत समिती आचारसंहिता लागू असल्याने आजची सभा पुढे ढकलण्यात येते. असे मा. महापौर यांनी सूचित केले.

यानंतर रमझान ईद निमित्त सर्व मुस्लिम बांधवांना हार्दिक शुभेच्छा व्यक्त करून "जन-गण-मन" ह्या राष्ट्रगीतानंतर आजची सभा संपल्याचे मा. महापौर यांनी जाहिर केले.

स्वाक्षरीत/-
नगर सचिव
महानगरपालिका, औरंगाबाद.

स्वाक्षरीत/-
महापौर
महानगरपालिका, औरंगाबाद.

औरंगाबाद महानगरपालिका, औरंगाबाद

दिनांक १० मार्च १९९७ रोजी झालेल्या औरंगाबाद महानगरपालिकेच्या सर्वसाधारण सभेचा वृत्तांत,

सोमवार दिनांक १०-०३-१९९७ रोजी सकाळी ११.०० वाजता मा. महापौर श्री. गजानन बारवाल यांचे अध्यक्षतेखाली औरंगाबाद महानगरपालिकेच्या सर्वसाधारण सभेस प्रबोधनकार कै. केशव सिताराम ठाकरे

सभागृहात "वंदे मातरम्" या गिताने सुरुवात झाली.

उक्त सभेस कार्यालयीन अधिकाऱ्यांसह खालील स. सभासद उपस्थित होते.

| | | |
|-----|-----------------------------------|----------|
| १) | श्री. डॉ. विजयकुमार मेहेर | स. सभासद |
| २) | श्री. गिरजाराम नानाराव हाळनोर | --/-- |
| ३) | श्री. जयवंत केशवराव ओक | --/-- |
| ४) | श्री. मुजीब आलमशाह खान मीर आलमशाह | --/-- |
| ५) | सौ. लोखंडे रुखमनबाई खंडेराव | --/-- |
| ६) | श्री. प्रभाकर सिताराम विधाते | --/-- |
| ७) | सौ. साजेदा बेगम | --/-- |
| ८) | श्री. गौतम भागाजी खरात | --/-- |
| ९) | अॅड. गणेश किशनराव वानखेडे | --/-- |
| १०) | सौ. रजनी रमेश जोशी | --/-- |
| ११) | सौ. उषाबाई दिलिप गायकवाड | --/-- |
| १२) | सौ. विमलबाई नंदकुमार मुंडलिक | --/-- |
| १३) | सौ. शिलाबाई सिताराम गुंजाळ | --/-- |
| १४) | श्री. लांडगे गौतम लिंबाजी | --/-- |
| १५) | श्री. महादेव पुंडलिक सुर्यवंशी | --/-- |
| १६) | श्री. अभिमन्यु भालेराव | --/-- |
| १७) | श्री. नरेंद्र यादवराव पाटील | --/-- |
| १८) | श्री. काशिनाथ कोकाटे | --/-- |
| १९) | श्री. सुदाम रामदास सोनवणे | --/-- |
| २०) | श्री. रविंद्र बाबुराव इंगळे | --/-- |
| २१) | श्री. कंवरसिंग किसनसिंग बैनाडे | --/-- |
| २२) | सौ. पदमा बाबुराव शिंदे | --/-- |
| २३) | श्री. सुभाष भिकाजी टाकळकर | --/-- |
| २४) | श्री. प्रफुल्ल लालचंद मालानी | --/-- |
| २५) | श्रीमती चंपाबाई विश्वनाथ पांचाळ | --/-- |
| २६) | सौ. धनश्री अशोक विसपुते | --/-- |
| २७) | श्री. फजल उल्लाखान अजमत उल्लाखान | --/-- |
| २८) | श्री. अजिज खाँ गणी खाँ | --/-- |
| २९) | श्रीमती आबेदा बेगम मो. मुस्तफा | --/-- |
| ३०) | श्री. मोहम्मद मुश्ताफ अहेमद | --/-- |
| ३१) | श्री. वसंत विनायक देशमुख | --/-- |
| ३२) | श्री. हाजी मोहसिन अहेमद हाजी बशीर | --/-- |
| ३३) | सौ. मोहसिना बिल्कीस विखारोदिन | --/-- |

| | | |
|-----|---------------------------------------|-------|
| ३४) | श्री. अ. जोवद रज्जाक | --/-- |
| ३५) | श्रीमती जाहेदा बेगम | --/-- |
| ३६) | सौ. यशोदा धनंजय वाडेकर | --/-- |
| ३७) | श्री. किशोर बाबुलाल तुळशीबागवाले | --/-- |
| ३८) | श्रीमती पुष्पाताई सुरेशचंद्र गंगवाल | --/-- |
| ३९) | श्री. हमीदउद्दिन ताबा | --/-- |
| ४०) | श्री. म. अ. रऊफ म. अ. माबुद | --/-- |
| ४१) | श्री. स.अ. एकबालोद्दिन | --/-- |
| ४२) | श्री. सैय्यद अली मिरा सलामी | --/-- |
| ४३) | श्री. संजय किसन केनेकर | --/-- |
| ४४) | श्री. फैय्याज अहेमद मो. हाजी कुरेशी | --/-- |
| ४५) | सौ. मुक्ताबाई वाघमारे | --/-- |
| ४६) | सौ. लता श्रीनिवास दलाल | --/-- |
| ४७) | सौ. शकुंतला धांडे | --/-- |
| ४८) | श्री. अब्दुल रशीदखान (मामू) | --/-- |
| ४९) | श्री. सुभाष लक्ष्मीनारायण कच्छवाह | --/-- |
| ५०) | कु. माया लिंबाजी लाडवाणी | --/-- |
| ५१) | डॉ. भागवत कराड | --/-- |
| ५२) | सौ. सविता आव्हाड | --/-- |
| ५३) | सौ. निर्मला विठ्ठल कांबळे | --/-- |
| ५४) | श्री. अ. रशीद अ. सत्तार | --/-- |
| ५५) | श्री. धिल्लन तरवेंद्रसिंग महेंद्रसिंग | --/-- |
| ५६) | श्री. विखारोद्दिन पि. खुदबोद्दिन | --/-- |
| ५७) | श्री. गंगाधर गाडे | --/-- |
| ५८) | श्री. निकाळजे प्रकाश भाऊराव | --/-- |
| ५९) | श्री. संजय जोशी | --/-- |
| ६०) | श्री. अविनाश लक्ष्मण कुमावत | --/-- |
| ६१) | सौ. जोत्सना हिवराळे | --/-- |
| ६२) | श्री. राजकुमार बचाटे | --/-- |
| ६३) | सौ. राधाबाई तळेकर | --/-- |
| ६४) | श्री. नरसिंग ढगे | --/-- |
| ६५) | श्री. विठ्ठल किसन जाधव | --/-- |
| ६६) | सौ. मंदा काळुसे | --/-- |
| ६७) | सौ. सुनंदा उत्तम कोल्हे | --/-- |
| ६८) | श्री. गांगवे बन्शी तुळशीराम | --/-- |
| ६९) | श्री. भगवान घडमोडे | --/-- |
| ७०) | श्री. कचरू नवपुते | --/-- |

संवाद -

सौ. शकुंतला धांडे : जागतिक महिला दिन नुकताच साजरा करण्यात आला आहे. या

- दिनानिमित्त सभागृहात थोर महिलां नेत्याचे फोटो लावण्यास मंजूरी मिळली आहे. तथापि आतापर्यंत थोर महिला नेत्याचे फोटो सभागृहात लावण्यात आले नाहीत.
- सौ. लता दलाल : सत्तावीस महिला नगरसेविकांच्या स्वाक्षरीने ८ तारखेपर्यंत सभागृहात थोर महिला नेत्याचे तैलचित्र लावण्याबाबतचे निवेदन देण्यात आले आहे. यावेळी ही तैलचित्र लावण्यास लागणारा कालावधी कमी असल्याचा खुलासा मा. उपआयुक्त यांनी केला आहे.
- मा. महापौर : थोर महिला नेत्याचे तैलचित्र मनपाने वेगवेगळ्या सभागृहात लावण्यात मान्यता देण्यात येते. महिला नगरसेवकांनी याबाबत सहकार्य करावे.
- श्री. मोहसीन अहेमद : औरंगाबाद शहरात आयोजित करण्यात आलेल्या मंत्रीमंडळाच्या बैठकीचे निमित्त पुढे करून गेल्या ८/९ दिवसापासून साफसफाईचे काम झालेले नाही त्यामुळे नुकतीचे औरंगाबाद वॉर्डात घाण साचलेली आहे. अशा ज्यादा कामासाठी विशेष कामगार लावून काम करून घेण्यात यावे. जेणे करून वॉर्डातील साफसफाईचे काम थांबणार नाही व शहरात घाण होणार नाही.
- श्री. मुजीब अलमशाँ खान : साफसफाई बाबत ही सत्य परिस्थिती आहे. फक्त मुख्य रस्ते साफ होतात. आणि वॉर्डात मात्र घाण साचलेली असते. वॉर्ड क्र. ३३ मध्ये साफसफाईच्या कामासाठी सात सफाई कामगार आहेत. प्रत्यक्षात मात्र एकच सफाई कामगार काम करतांना दिसून येतो. कचऱ्याचे ढिग वॉर्डात पडून आहेत. नाल्या भरल्या आहेत. याबाबत ३/३ पत्र दिले आहेत. कार्यवाही होत नाही.
- श्री. मुश्ताक अहेमद : शहरात डास कचरा यांचे प्रमाण वाढले आहे. तेव्हा शहरातील साफ सफाई बाबत स्वतंत्र मिटींग घेण्यात यावी.
- श्री. संजय केनेकर : यापूर्वी साफ सफाईच्या कामासाठी झोन कार्यालयात त्या त्या झोनमधील नगरसेवकांची बैठक घेण्यात येत आहे. त्या बैठकी पध्दत झाल्या आहेत त्या पुन्हा चालू कराव्यात म्हणजे साफसफाई प्रश्न सुटेल.
- मा. महापौर : विशेष साफसफाईच्या कामाचे वेळी प्रशासनाने सफाई कामगारांकडून साफसफाईचे काम करून घ्यावे व त्या बाबतची दखल घ्यावी. तसेच मा. विरोधी पक्षनेता यांनी सभागृहात खुलासा केल्याप्रमाणे मा. उपआयुक्त-२ व आरोग्य अधिकारी यांनी दखल घेवून त्या बाबतचा अहवाल दि. ११/०३/१९९७ रोजी घ्यावा. नुकताचा सुरत शहराचा दौरा करण्यात आला आहे. त्यानुसार औरंगाबाद शहर स्वच्छ व सुंदर कसे राहिल यासाठी स्वतंत्र बैठक घेतली जाईल.
- श्री. मोहसीन अहेमद : झोन नंबर तीनचे क्षेत्र मोठे आहे. त्या झोनमध्ये अनेक वॉर्डाचा समावेश आहे. त्या ठिकाणी नेमण्यात आलेले विभागीय अधिकारी यांच्या नुकतीच पदोन्नतीद्वारे नियुक्ती झाली आहे. त्या ऐवजी झोन नं. ३ करिता वरिष्ठ अनुभवी झोन ऑफिसरची नेमणूक करण्यात यावी.

- श्री. मो. विखारोदिन : शहरात सध्या डासाचे प्रमाणे वाढले आहेत. नागरिकांना घरात बसणे जिकारीचे झाले आहे. औषध फवारणी बरोबर होत नाही. ह्यापूर्वी मलेरिया निरिक्षक म्हणून श्री. सुभेदार काम करत होते. त्यांना पुन्हा मनपासेवेवर घेण्यात यावे.
- श्री. मोहसीन अहेमद : नोव्हॉन फवारणीच्या कामासाठी लागणारे रक्कम रुपये पाच हजाराच्या पेट्रोल खरेदीच्या मंजूरीसाठी संचिका १५/१५ दिवस फिरते. हे त्याचे कारण आहे.
- सौ. मोहसीना बिल्कीस : डास निर्मूलणासाठी जे औषध फवारले जाते त्यात औषधा ऐवजी पाण्याचे प्रमाण जास्त असते.
- मा. महापौर : प्रशासनाने याची दखल घ्यावी.
- श्री. नरेंद्र पाटील : शहरात नव्याने उभारण्यात आलेल्या गरवारे संकुलाचे उद्घाटन लवकर करण्यात येईल असे देण्यात आले आहे. परंतु अद्याप त्या संकुलाचे उद्घाटन न झाल्याने जनतेसाठी खुले होवू शकले नाही. ह्याबाबत आपण कुठेतरी कमी पडलोत नुकतीच औरंगाबाद शहरात मंत्री मंडळाची बैठक झाली. उद्घाटन होवू नये ही खेदाची बाब आहे. तेंव्हा याबाबत खुलासा व्हावा.
- मा. महापौर : गरवारे संकुलाचे उद्घाटन मा. मुख्यमंत्री यांचे हस्ते व्हावे अशी मागणी श्री. गरवारे यांनी केली आहे. त्याप्रमाणे मा. मुख्यमंत्री यांची भेट घेतली असता मा. मुख्यमंत्री यांनी मंत्रीमंडळ बैठकीचे वेळी गरवारे संकुलाचे उद्घाटन करण्याचे मान्य केले होते. तसा फॅक्सही आला होता. परंतु मा. राष्ट्रपती यांचा मुंबई दौरा आयोजित झाल्याने मा. मुख्यमंत्री यांना तातडीचे मंत्रीमंडळाच्या बैठकीनंतर मुंबई येथे जाणे आवश्यक असल्याने ऐन वेळी कार्यक्रम रद्द झाला आहे. गरवारे संकुलाचे उद्घाटन बाबत जरूर प्रयत्न केले जातील. व ह्या महिण्यातच उद्घाटन करण्यात येईल.
- श्री. नरेंद्र पाटील : औरंगाबाद महानगरपालिकेतर्फे अनेक महापौर चषक आयोजित करण्यात आले. त्या महापौर चषकाच्या खर्चाची मंजूरी सभागृहात घेण्याची गरज नाही. कारण या स्पर्धा घेण्याची गरज नव्हती. विशेष बाब म्हणजे महापौर चषक स्पर्धांचे उद्घाटन झाल्यानंतर महापालिकेचा कोणताही अधिकारी त्या ठिकाणी थांबत नाही.
- श्री. अँड गणेश वानखेडे : महापौर चषक स्पर्धा म्हणजेच सर्व नगरसेवकांनी आयोजित केलेल्या स्पर्धा होय. हा मुद्दा सर्व सन्माननिय नगरसेवकांनी लक्षात घेतला पाहिजे.
- श्री. गौतम खरात : औरंगाबाद शहरात नुकतीच मंत्रीमंडळ बैठक पार पडली. ह्या बैठकीच्या वेळी मंत्रीमंडळाचे औरंगाबाद शहरासाठी फक्त पाच कोटी रुपयाचे अनुदान मंजूर केले आहे. अशी बातमी आहे हे खरे आहे काय? नागपूर शहरात मंत्रीमंडळाच्या बैठकीचे वेळी त्या शहराचे पालकमंत्री मा. श्री. नितीन गडकर यांनी मंत्री मंडळाकडून नागपूर शहरासाठी वीस कोटी रुपयाचे अनुदान मंजूर करून घेतले आहे. ह्यावेळी नागपूरच्या नागरिकांना स्वतंत्र विदर्भाची मागणी केली होती. म्हणून महाराष्ट्र शासन घाबरले आणि नागपूर शहरासाठी वीस कोटी रुपयाचे अनुदान मंजूर केले.

औरंगाबाद शहर हे मराठवाड्याची राजधानी असून अंतरराष्ट्रीय ख्यातीचे शहर आहे. म्हणून औरंगाबाद शहराच्या विकासासाठी सुध्दा शासनाने २० कोटी रुपये मंजूर करावयास पाहिजे होते. त्याऐवजी फक्त पाच कोटी रुपये मंजूर केल्यामुळे मराठवाड्याच्या अस्मितेला तडा गेला आहे.

मा. महापौर : औरंगाबाद शहरातील मंत्रीमंडळाच्या बैठकीचे वेळी शासनाने औरंगाबाद महापालिकेसाठी मंजूर केलेले पाच कोटी रुपये हे सन १९९६-९७ ह्या वर्षासाठी मंजूर केले आहेत ही रक्कम महापालिकेस याच वर्षात खर्च करावयाची आहे. ह्यापूर्वीही शासनाने महापालिकेस मोठ्या प्रमाणावर अनुदान मंजूर केले आहे. यापुढे जास्त प्रमाणात अनुदान मिळेल यात शंका नाही. स. सभासदांनी हा विषय वादाचा करू नये ह्या उलट आतापर्यंत शासनाकडून महापालिकेस वेळोवेळी मिळालेल्या अनुदानाबाबत शासनाचे अभिनंदन करावे. (एकाच वेळी दोन्ही बाजूचे सभासद आपआपसात जोराने बोलतात)

श्री. मुश्ताक अहेमद : मा. महापौर सभागृहाची दिशाभूल करत आहेत. मी शासनाचा निषेध करतो.

प्रस्ताव : युती शासनाच्या दोन वर्षांच्या काळात शासनाने औरंगाबाद शहराच्या विकासासाठी महापालिकेस रु. १५/- कोटीचे अनुदान देवून भरघोस अशी मदत केली आहे. ह्या उलट पूर्वीच्या शासनाने यापेक्षा कमीच अशी आर्थिक मदत दिली होती. म्हणून युती शासनाच्या अभिनंदनाचा ठराव मांडत आहे.

सुचक : श्री. गिरजाराम हाळनोरद (सभापती स्थायी समिती)
अनुमोदक : श्री. संजय जोशी

संवाद :
श्री. संजय जोशी : शासनाकडून अनुदानाची रक्कम मागताना प्रत्येक सन्माननीय सभासदांनी ही आपली जबाबदारी आहे ह्याची जाणीव ठेवावी. याशिवाय सन्माननीय सभासदांनी त्यांच्या प्रभागातील मनपा कराची किती रक्कम महापालिका फंडात जमा करून देतात याचाही विचार केला पाहिजे.

मा. महापौर : सन्माननीय सभासद श्री. संजय जोशी यांनी योग्य बाबीची आठवण सभागृहास करून दिली याबाबत धन्यवाद.

श्री. गंगाधर गाडे : सन्माननीय सभासद यांचा मुद्दा महत्वाचा आहे. ७० कोटी अनुदानाची मागणी महापालिकेने केली होती. फक्त ५ कोटी रुपये शासनाने दिले आहेत. याउलट शासन नागपूर शहरासाठी ७०/८० कोटी रुपये देते तेव्हा याची माहिती द्या.?

मा. महापौर : शासनाने औरंगाबाद महानगरपालिकेला दिलेले ५ कोटी रुपये हे सन ९६-९७ ह्या वर्षासाठी दिलेले आहेत. पुढील वर्षासाठी शासनाकडून अनुदान मिळेलच सन्माननीय सभासदांनी गैरसमज करून घेवू नये.

श्री. गिरजाराम हाळनोरद : युती शासनाच्या अभिनंदनाचा ठराव मांडला आहे त्यावर निर्णय

- घेण्यात यावा.
- मा. महापौर : युती शासनाच्या अभिनंदनाबाबत सभागृहापुढे ठेवण्यात आलेल्या ठरावाबाबत सन्माननीय सभासदांनी हात करावे.
यावेळी सत्ताधारी पक्षाच्या सर्व सभासदांनी हात वर करून संमती दिली. यावेळी विरोधी पक्षाच्या सर्व सभासदांनी घोषणा देत सभात्याग केला. वेळ १२.१५.
- श्री. संजय जोशी : युती शासनाच्या धिक्कार करणाऱ्या नगरसेवकांच्या प्रभागात शासनाकडून मिळणाऱ्या अनुदानाच्या रकमेतून कोणतीही कामे करून घेण्यात येवू नयेत. असा ठराव मंजूर करण्यात यावा.
१२.१५ वाजता सभात्याग केलेल्या विरोधी पक्षाच्या सर्व सभासदांनी सभागृहात प्रवेश केला.
- ठराव** : महाराष्ट्र शासनाच्या दोन वर्षांच्या काळात शहराच्या विकासासाठी महापालिकेस २१.१५ कोटीचे अनुदान देवून भरघोस अशी मदत दिली आहे. ह्या आर्थिक मदतीने औरंगाबाद शहराच्या विकास कामास व शहर सौंदर्यीकरणाऱ्या कामास चालना मिळाली आहे. करिता हे सभागृह शासनाच्या अभिनंदन करत आहे.
ठराव बहुमताने मंजूर.
- श्री. हमीदोद्दिन ताबा, सौ. मोहसिना बिल्कीस : सभागृहाने शिक्षक भरती आणि टपरी वाटप ह्या प्रकरणी उपसमितीची स्थापना केली आहे. ह्या उपसमितीची कार्यवाही अद्यापपर्यंत पूर्ण झाली नाही. तयावर केव्हा निर्णय घेतला जाणार याचा खुलासा करण्यात यावा.
- मा. महापौर : शिक्षक भरती प्रकरणाबाबत गहन करण्यात आलेल्या उपसमितीच्या बैठका झाल्या आहेत. याबाबतची माहिती स. सभासद यांनाही आहे. लवकरच शिक्षक भरती प्रकरणात निर्णय घेवून पुढील सभेत अहवाल दिला जाईल. याबाबतचा अहवाल याच महिन्यात देण्यात येईल. तरी समितीचा अहवाल तयार झाला आहे. तथापि काही नगरसेवकांनी या बाबत आक्षेप घेतले आहेत. त्या आक्षेपानुसार कार्यवाही करण्यात येईल काय ते पाहिले जात आहे. नवीन टपऱ्याबाबत असा आमचा प्रश्न आहे. आक्षेपामुळे काम करण्यास अडथळा झाला आहे.
- श्री. म. मुश्ताक अहेमद : सर्व सदस्यीय सभासदांची समिती नेमून अहवाल दीड वर्षांपासून अहवाल तयार करण्यात आला आहे. पण त्यांची अंमलबजावणी झाली नाही याचे कारण काय? टपरी समितीचा अहवाल सभागृहात मंजुरीसाठी आला तेव्हाच आक्षेप दाखल करणे आवश्यक होते.
- मा. महापौर : येत्या पंधरा दिवसात टपरी समितीची बैठक घेवून आलेल्या आक्षेपाप्रमाणे सुधारणा करण्यात येईल.

विषय क्र. १८४/१: दि. १९/१२/९६ रोजी संपन्न झालेल्या सर्वसाधारण सभेचे तसेच दि. २३/१०/ व ३१/१२/९६ रोजी संपन्न झालेल्या सर्वसाधारण सभेचे इतिवृत्त आणि दिनांक २०/०१/९७ रोजी संपन्न झालेल्या सर्वसाधारण सभेचे इतिवृत्त कायम करणे.

ठराव : दि. १९/१२/९६ रोजी संपन्न झालेल्या सर्वसाधारण सभेचे तसेच दि. २३/१०/९७ व ३१/१२/९६ रोजी संपन्न झालेल्या विशेष सर्वसाधारण सभेचे इतिवृत्त. २०/०१/९७ रोजी संपन्न झालेल्या सर्वसाधारण सभेचे इतिवृत्त कायम करण्यास सर्वानुमते मंजूरी देण्यात येते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

विषय क्र. १८५/२ :

स्थायी समिती सभा विषय क्र. ४५२/२७ दि. २९/११/९६ नुसार सहाय्यक आयुक्त-२ यांनी प्रस्ताव सादर केला आहे की, महानगरपालिकेत मालमत्ता विभागाच्या अधिपत्या खालील असलेले शहरातील विविध विभागात अस्तित्वात ३० स्मशान भूमीच्या देखभाली (संरक्षण) करिता ३० पदे स्मशानजोगी / वॉचमन वेतनश्रेणी ७५०-१२-८७० ईबी-१४-९४० मध्ये पदे निर्माण करण्याकरिता प्रस्ताव विचारार्थ मंजूरीस्तव सादर.

संवाद :

नरेंद्र पाटील : शहरातील स्मशानभूमीमध्ये / वॉचमन / मशान जोगी त्यापूर्वी नव्हते का? तसेच कैलास नगर येथील स्मशानभूमी विद्युत दाहीनी बसविण्याचे काम पूर्ण झाले असून त्याचे उद्घाटन अद्याप झाले नाही ते केव्हा होणार याचा खुलासा करण्यात यावा.

उपआयुक्त-२ : शहरात एकूण ३० स्मशानभूमी पैकी पाच ठिकाणी दैनिक वेतनावर स्मशानजोगी नेमण्यात आले आहेत. उर्वरित २५ स्मशान भूमीच्या जागेवर अद्याप कोणताही कर्मचारी दिलेला नाही. मा. सभागृहाच्या सुचनेनुसार स्मशानभूमीमध्ये वॉचमन / स्मशानजोगी जागा निर्माण करण्याचा प्रस्ताव दाखल केला आहे. त्यानुसार ३० जागा निर्माण कराव्या लागतील.

श्री. संजय जोशी : सभागृहात खुलासा केल्याप्रमाणे शहरातील ३० स्मशानभूमी कोणकोणत्या ठिकाणी आहेत.

श्री. कोकाटे : ज्या पाच स्मशानभूमीत स्मशानजोगी नेमण्यात आलेले आहे, त्यांची नांवे काय? उर्वरित २५ ठिकाणी स्मशानभूमीतील नोंदीचे काम कोण करते. त्याचा खुलासा व्हावा.

श्री. हमीउद्दिन ताबा : स्मशान भूमीप्रमाणे कब्रस्तानातील व्यवस्थेसाठी कर्मचारी नेमण्यात यावे.

श्री. प्रभाकर विधाते : बेगमपुरा येथील स्मशानभूमी जागा ताब्यात घेण्यात आली आहे. आज प्रत्यक्षात त्या ठिकाणी ताबा कोणाचा आहे. स्मशानभूमीत चालू असलेल्या विटभट्टी मालकांना का हटविण्यात आले नाही याचा खुलासा व्हावा.

आजही बेगमपुरा स्मशानभूमीच्या हद्दित चार विटभट्ट्या

- चालू आहेत त्या कशा?
- श्री. मोहसिन अहेमद : मागील सभेत स्मशानजोगी पदावर काम करणाऱ्याचे माधन वाढविणे असा प्रस्ताव देण्यात आला होता. स्मशाजोगी पदासाठी जे नेमणूकीचे आदेश काढण्यात आले ते कार्यालयात उपलब्ध असलेल्या यादीतून काढण्यात आले का? ह्या यादी व्यतिरिक्त नेमणूक आदेश काढले याचा खुलासा व्हावा. यात कब्रस्तानाचा समावेश आहे काय?
- उपआयुक्त-२ : स. सभासदाच्या सुचनेनुसार ज्या तीस स्मशानभूमी आहेत त्या खालीलप्रमाणे :-
 (१) मिटमिटा (नदी जवळ) (२) पडेगांव (नदीजवळ) (३) भावसिंगपुरा स. नं. ९ (४) भीमपूरा (नाल्याजवळ) (५) बेगमपुरा (६) हर्सूल (नदी जवळ) (७) सिडको र.नं. ६ हिन्दु (८) सिडको एन-६ मुस्लिम (९) सिडको एन-६ बौध्द (१०) चिकलठाणा नदीजवळ (११) चिकलठाणा (१२) मसनतपुर (१३) ब्रीजवाडी (१४) मुकुंदवाडी (१५) आंबेडकरनगर (१६) कैलासनगर (१७) रमानगर बौध्द समाज (१८) रमानगर हिंदु समाज (१९) रमानगर लिंगायत समाज (२०) शहानुरवाडी (उस्मानपुरा) (२१) प्रियदर्शनी नगर, गारखेडा (२२) राहुलनगर (२३) बनेवाडी (२४) विटखेडा (२५) कांचनवाडी (२९) पुष्पनगरी (३०) सिडको एन-६ ख्रिश्चन
- उक्त स्मशानभूमीपैकी खालील पाच ठिकाणी दैनिक वेतनावर स्मशाजोगी काम करतात.
 (१) कैलासनगर (२) सिडको एन-६ (३) बनेवाडी (४) चिकलठाणा (५) बेगमपुरा.
- मोहसीन अहेमद : शहरात कब्रस्तानाची संख्या किती आहे. यापैकी किती ठिकाणी चौकीदार ठेवण्यात आले आहेत याचा खुलासा व्हावा.
- श्री. गंगाधर गाढे : स्मशान भूमीची माहिती तयार करताना कब्रस्तान वगळण्याचा जाणिवपूर्वक प्रयत्न झाला आहे. असे दिसते ह्या शहरात शहाबाजार किलेअर्क अशा १०/१२ ठिकाणी कब्रस्थान आहेत त्याची नोंद का घेण्यात आली नाही याचा खुलासा व्हावा.
- मा. महापौर : सन्माननीय सभासदांचा मुद्दा योग्य आहे. तथापि ज्या ठिकाणी शहरात कब्रस्थान आहेत त्या जागी खाजगी मालकीच्या आहेत त्या विषयी सभागृहाने माहिती द्यावी. खाजगी कब्रस्थान महापालिकेकडे हस्तांतर करावी लागतील किंवा संबंधीत संस्थेची नाहरकत प्रमाणपत्र घ्यावे लागेल त्यानंतर अशा कब्रस्थानात सुविधा देण्याची दखल घेता येईल.
- श्री. : चिकलठाणा भागातील दलित स्मशान भूमीची जागा संपादन करण्यात आल्यामुळे तेथील नागरिकांनी महापालिका कार्यालयासमोर उपोषण केले असता उपोषण सोडण्यात आले होते तथापि ह्या स्मशान भूमीसाठी पर्यायी जागा देण्यात आलेली नाही तेंव्हा त्वरित पर्यायी जागा देण्यात यावी.

- मा. महापौर : स. सभासदांनी केलेल्या सुचनेबाबत प्रशासनाने दखल घ्यावी व कार्यवाही करावी.
- श्री. गंगाधर गाडे : शहरातील कब्रस्थानासाठी महापालिकेने संरक्षित भिंत पाणी अशा सुविधा ह्यापूर्वी दिल्या आहेत. त्यावेळी नाहरकत प्रमाणपत्र का मागविण्यात आले नाही. आताच नाहरकत प्रमाणपत्र का मागविण्यात येते आहे. हे योग्य नाही कब्रस्थानसाठी चौकीदार देण्याची मागणी आहे. पावरलूम येथील स्मशानभूमीवर अतिक्रमण झाले आहे. सभागृहात जी यादी वाचून दाखविण्यात आली त्या स्मशानभूमीवर सर्व सुखसोई देण्यात याव्यात जातीयवाद नष्ट करण्याचा प्रयत्न होत असतांना फक्त स्मशानजोगी द्यावयाचे असा निर्णय घेवून योग्य होणार नाही. तेंव्हा भेदभाव न करता स्मशान भूमीत जो नागरिक काम करील अशा नागरिकांना काम देण्यात यावे.
- श्री. नरेंद्र पाटील : वक्फ बोर्ड ही एक संस्था आहे. शहरातील कब्रस्थान महापालिकेने लवकरात लवकर हस्तांतर कसे होतील याचा प्रयत्न करावा व त्याप्रमाणे सुविधा उपलब्ध करून द्याव्यात.
- मा. महापौर : प्रशासनाने दखल घ्यावी व माहिती द्यावी
- मा. उपआयुक्त-२ : महापालिकेच्या ताब्यातील स्मशान भूमीत स्मशानजोगी द्यावेत असा स्पष्ट उल्लेख असल्याने महापालिका ताब्यात असलेल्या ३० स्मशानभूमीची यादी वाचून दाखविण्यात आली आहे. सभागृचा आदेश आल्यास कब्रस्थानावर ही वॉचमन ठेवण्याचा प्रस्ताव ठेवला जाईल.
- मुजीब आलमशा खॉन : माजी महापालिका आयुक्ताचे काळात कब्रस्थानावर वॉचमन देण्याचा ठराव मंजूर झाला आहे. संबंधित अधिकारी सभागृहाची दिशाभूल करीत आहे.
- श्री. गिरजाराम हाळनोर : कब्रस्थानाची जागा महापालिका मालकीची असेल तर अशा ठिकाणी वॉचमन नेमण्यास हरकत नाही.
- मा. महापौर : सभागृहाच्या भावना लक्षात घेता कब्रस्थान आणि स्मशानभूमी ह्या ठिकाणी वॉचमन नेमण्यास मंजूरी देण्यात येते. कब्रस्थानाचा वॉचमन देताना वक्फ बोर्डाकडून नाहरकत प्रमाणपत्र घेण्यात यावे.
- डॉ. विजयकुमार उपमहापौर : महापालिका हद्दित असलेल्या सर्व समाजाच्या स्मशानभूमीत ज्या-ज्या सुविधा देणे आवश्यक आहेत. त्या-त्या सुविधा आणि ज्या स्मशानभूमीवर अतिक्रमण झाले आहेत ते अतिक्रमण काढण्यास सर्व सन्माननीय सभासदांनी मदत करावी अशी माझी सूचना आहे.

- श्री. मुश्ताक अहेमद : कब्रस्थान सुविधा देण्याबाबत वक्फ बोर्डाकडून नाहरकत प्रमाणपत्र घेण्याची अट घातली आहे. ती अट काढून टाकण्यात यावी. कब्रस्थानात सुविधा देण्यास कोणासही आक्षेप राहणार नाही.
- श्री. अब्दुल रशीद खाँ (मामू) : शहरातील सर्व स्मशानभूमी/कब्रस्थान यांना सुविधा देणे हे महापालिकेचे कर्तव्य आहे.
- श्री.महादेव सुर्यवंशी : स्मशानभूमी येथे स्मशानजोगी किंवा कब्रस्थाना येथे वॉचमन देणे हा प्रश्न महत्वाचा नाही. शहरात ज्या ठिकाणी स्मशानभूमी / कब्रस्थान / चर्च असेल अशा सर्व जागा ताब्यात घेऊन त्या ठिकाणी वॉचमन नेमणे आवश्यक आहे. अनेक ठिकाणी (स्मशानभूमी / कब्रस्थान / चर्च) अतिक्रमण होत आहे. तेंव्हा अशा प्रत्येक ठिकाणी सुविधा देणे आवश्यक आहे त्याच बरोबर त्याचा ताबा असणे आवश्यक आहे. सभागृहात माहिती दिलेल्या स्मशानभूमीच्या यादीत नारेगांव स्मशानभूमीचा समावेश करण्यात यावा.
- अॅड. गणेश वानखेडे : वॉर्ड क्र. ७. स.न. १४३ येथील स्मशानभूमीची जागा वक्फ बोर्डाकडे विकली आहे. तेंव्हा ज्या कब्रस्थानात सुविधा देण्यात येणार आहेत. त्या कब्रस्थानाच्या जागा वक्फ बोर्डाकडून हस्तांतर करून घेतल्या. नंतर त्या ठिकाणी सुविधा देण्यात याव्यात.
- डॉ. भागवत कराड, डॉ. काशिनाथ कोकाटे : स्मशानभूमी / कब्रस्थान ह्या ठिकाणी वॉचमन ठेवणे जरूरी आहे. प्रशासनातर्फे स्मशानभूमीची जी यादी सभागृहात वाचून दाखविण्यात आली आहे. त्या यादीत मुकुंदवाडी येथील एच-१० येथील स्मशानभूमीचा समावेश नाही तो करण्यात यावा
- श्री. भगवान घडामोडे : स्मशानभूमी / कब्रस्थानासाठी वॉचमन देण्यास हरकत नाही. पण बेकायदेशीर काम करता येत नाही याचाही विचार करावा.
- मा. आयुक्त : विषय क्र.२ वर गेले अर्धातास चर्चा झाली आहे. सभागृहाच्या भावना तीव्र आहेत. यात प्रशासनावर आरोप केले गेले. चूक झाली असेल ही गोष्ट मान्य नाही असे नाही. काही स्मशानभूमीत स्मशानजोगी आहेत. ते रात्री अपरात्री सरण रचण्याचे काम करतात. हिंदू धर्माप्रमाणे तिसऱ्या दिवशी राख सावडण्याचे काम करतो. मुस्लीम स्मशानभूमीत वॉचमन असणे आवश्यक आहे. पण खाजगी स्मशानभूमीत वॉचमन नेमवयाचे काही सभागृहाने निर्णय घ्यावयाचा आहे.
- श्री. मुजीब आलमशाह : प्रशासनातर्फे सभागृहात स्मशानभूमीची जी यादी वाचून दाखविण्यात आली आहे. त्या यादीत ३/४ मुस्लिम समाजाच्या कब्रस्थानाचा समावेश असता तर हा प्रश्न उद्भवला नसता.
- श्री. अ. रशिदखाँ मामू : स. सभासदांनी बेगमपुरा विटभट्टी येथील अतिक्रमण बाबत सूचना केली आहे. ह्या ठिकाणाच्या विटभट्टी अतिक्रमण काढून टाकण्यात यावे. तसे बेवारशी प्रेतांची विल्हावाट लावतांना त्या-

त्या समाजाच्या पध्दतीने लावण्याची मनपातर्फे व्यवस्था करण्यात यावी.

मा. महापौर : विषय क्र. २ बाबत सभागृहाने ज्या सूचना दिल्या आहेत त्याची प्रशासनाने दखल घ्यावी. आणि ज्या ज्या ठिकाणी कब्रस्थान / स्मशानभूमी आहेत अशा ठिकाणी वॉचमन / स्मशानजोगी नेमण्याची व्यवस्था करण्यात यावी. याशिवाय ज्या स्मशानभूमीचा जागेवर अतिक्रमण झाले आहेत. त्या बाबत अतिक्रमण विभागाने कार्यवाही करावी.

ठराव : प्रस्तावात दर्शविल्याप्रमाणे महानगरपालिकेत मालमत्ता विभागाच्या अधिपत्याखाली असलेले शहरातील विविध विभागात अस्तित्वात ३० समशानभूमिच्या देखभाली (संरक्षण)करिता ३० पदे स्मशान जोगी / वॉचमन वेतन ७५०-१२८७० ईबी-१४-९४० मध्ये पदे निर्माण करण्याची मंजूरी देण्यात येते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

तसेच मुस्लिम समाजाच्या कब्रस्थानामध्ये वॉचमन व्यवस्था करण्यासाठी संबंधित विभागाकडून नाहरकत प्रमाणपत्र घेण्यात यावे व त्यानुसार नियमाप्रमाणे कार्यवाही करावी. तसेच इतर समाजाच्या स्मशानभूमीत वॉचमन देण्याबाबत नियमाप्रमाणे कार्यवाही करण्यात यावी असे सर्वानुमते ठरले.

विषय क्र. : स्थायी समिती विषय क्र. ४९४/२४ दि. २९/११/९६ नुसार औरंगाबाद मनपा हद्दित झोपडपट्टी श्रेणीवाढ योजना आणि पुर्ननिर्माण योजना राबविण्याचा प्रयत्न करणे आवश्यक आहे. या क्षेत्रात हैद्राबाद आणि विशाखापट्टणम येथे चांगले काम झाल्याचे समजते. ह्या द्वारे प्रस्ताव सादर करण्यात येतो की, मनपातर्फे स. नगरसेवक सर्वश्री. गौतम खरात, गौतम लांडगे, प्रकाश निकाळजे, अधिकारी श्री. आय. टी. गायकवाड, शहर अभियंता, उप अभियंता श्री. ए. आर. शिंदे प्रकल्प संचालक श्री. वि.वा. जावरे यांना वरील शहरात झोपडपट्टी श्रेणीवाढ योजनेचा अभ्यासाठी पाठविण्यात यावे. प्रस्ताव मान्यतेस्तव सादर.

संवाद : श्री. जयवंत ओक : औरंगाबाद शहरात ज्या ज्या प्रभागात झोपडपट्टी आहे त्या त्या प्रभागात नगरसेवकांना झोपडपट्टी श्रेणीवाढ योजना आणि पुर्ननिर्माण योजना अभ्यासासाठी पाठविण्यात यावे.

सौ. राधाबाई तळेकर : अजबनगर शिवाजी हायस्कूल जवळील झोपड्या उठवल्यानंतर त्या झोपडपट्टी वासियांना चिकलठाणा तसेच कडा ऑफिस भागातस आपल्या झोपड्या टाकल्या आहेत. कडा ऑफिस जवळ असलेल्या झोपडपट्ट्यातील नागरिकांची नेहमी भांडणे चालतात. त्यामुळे त्या भागात राहणाऱ्या आणि मंदिराकडे जाणाऱ्या भाविकांना त्याचा त्रास होतो. कडा ऑफिस परिसराजवळ सर्व सुशिक्षित नागरिक राहतात. कडा ऑफिस परिसराजवळ सर्व सुशिक्षित नागरिक राहतात कडा ऑफिस जवळ ज्या झोपड्या टाकण्यात आल्या आहेत. त्या झोपड्या सरकारी जागेवर म्हणजेच रोडवर टाकण्यात आल्या आहेत. या झोपड्यांना पर्यायी जागा देण्यात येणार आहे. अशी बातमी स्थानिक वृत्तपत्रात प्रसिध्द

- झाली आहे. त्या बातमीमूळ कडा ऑफिस जवळील झोपड्यामध्ये दहा नवीन झोपड्यांची वाढ झाली आहे. झोपड्यातील लोक पाईप तोडतात सध्या परिक्षेचे दिवस असल्यामुळे ह्या भागातील विद्यार्थ्यांच्या अभ्यासात व्यत्यय येत आहे.
- श्री. कचरू नवपूते : रस्त्याच्या कडेला असलेल्या झोपड्यांना चिकलठाणा भागात पर्यायी जागा (घर) यापूर्वी देण्यात आले आहेत. पुन्हा अशा झोपड्यांना घरे देण्यात येवू नयेत
- मा. महापौर : अतिक्रमण विभागाने या बाबीची दखल घ्यावी.
- श्री. गौतम खरात : कच्च्या झोपड्या बांधून देण्याची शासनाची योजना आहे. या योजनेनुसार मा. आयुक्त यांनी कार्यवाही सुरू केलेली आहे. प्रस्तावित प्रस्तावातील सभासदांच्या वॉर्डात ही योजना राबविण्यात येणार आहे. म्हणून त्या त्या प्रभागाच्या नगरसेवकांचा समावेश दौऱ्यासाठी करण्यात आला आहे. तेंव्हा स. सभासदांनी विरोध नसावा.
- श्री.सै.अली मिरासलामी : ज्या ज्या प्रभागात झोपडपट्टी आहेत त्या त्या प्रभागाचे नगरसेवकांना अभ्यास दौऱ्यासाठी पाठविण्यात यावे.
- श्री. मोहसीन अहेमद : स. सभासदांची सूचना योग्य आहे. त्याचे स्वागत त्याच बरोबर अन्य प्रभागाचे नगरसेवकां नाही अभ्यासाठी पाठविण्यात यावे.
- श्री. संजय जोशी : अभ्यास दौऱ्याला विरोध नाही, त्या अभ्यास दौऱ्यासाठी फक्त तीनच नगरसेवकांची नांवे का देण्यात आली आतापर्यंत दौऱ्यानिमित्त हजारो रुपये खर्च झाले एकाही दौऱ्याचा अहवाल सभागृहाला देण्यात आला नाही. तेंव्हा यापुढे जो दौरा आयोजित करण्यात येईल, त्याबाबत सभागृहात अहवाल देण्यात आला पाहिजे.
- मा. महापौर : ज्या प्रभागामध्ये घोषित झोपडपट्ट्या आहेत अशा प्रभागाचे स. नगरसेवकांना अभ्यास दौऱ्यात सहभागी करण्यात यावे. ह्या दौऱ्या प्रशासनाने स्वतंत्र वाहनाची व्यवस्था करावी. ठरावास मंजूरी देण्यात येते.

ठराव : प्रस्तावात दर्शविल्याप्रमाणे महापालिका हद्दतील झोपडपट्टी श्रेणीतील वाढ योजना आणि पुर्ननिर्माण योजना, राबविण्याच्या अभ्यासाठी औरंगाबाद महानगरपालिके तर्फे स. नगरसेवक सर्वश्री गौतम खरात गौतम लांडगे, प्रकाश निकाळजे यांचेसह ज्या प्रभागात घोषित झोपडपट्ट्या आहे अशा प्रभागाचे स. नगरसेवक आणि शहर अभियंता श्री. आय. टी. गायकवाड उपअभियंता श्री. ए. आर. शिंदे, प्रकल्प अधिकारी श्री. वि. वि. जावरे यांना अभ्यास दौऱ्यासाठी हैद्राबाद आणि विशाखापट्टणम येथे पाठविण्यास सर्वानुमते मंजूरी देण्यात येते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

विषय क्र. १८७/४ : शहर अभियंता यांनी प्रस्ताव सादर केला की, मो. निरंजन सहकारी गृहनिर्माण संस्था येथील मनपाच्या मोकळ्या जागेवर सभागृह बांधणेच्या कामासाठी सा. बां. खात्याचे सन ९५-९६ चे अंदाजपत्रक तयार करण्यात आले असून प्रस्ताव मा. सर्वसाधारण सभेसमोर ठेवण्यासाठी मा. आयुक्तांनी दि.१९/१२/९६ अन्वये शिफारस केली आहे. सबब सदर कामाचे रक्कम रु. ७,४४,८४०/- चे अंदाजपत्रक मंजूरी प्रस्ताव विचारार्थ सादर.

सदरचा खर्च विकास इमारती, शाळा व दवाखाने ह्या लेखामधून सन ९६-९७ ह्या वर्षात करण्यात येईल.

ठराव : प्रस्तावात दर्शविल्याप्रमाणे मो. निरंजन सह. गृहनिर्माण संस्था येथील मनपाच्या मोकळ्या जागेवर सभागृह बांधणेच्या कामासाठी अंदाज पत्रकीय रक्कम रु. ७,४४,८४०/- ला सर्वानुमते मंजूरी देण्यात येते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

विषय क्र. १८८/५ :

अ] औरंगाबाद शहराचे मंजूर विकास योजना मधील पिरबाजार ते अमरप्रित हा २८.०० मीटर रुंद रस्ता व क्रांतीचौक ते रेल्वेस्टेशन हा ३०.०० मी. रुंद रस्ता जोडणारा पन्नालालनगर ते हॉटेल डार्लिंग हा रस्ता विकसित करावा म्हणून त्या भागातील नागरिकांची मागणी असून वाहतूक सुरळीत व सुलभ होण्याच्या दृष्टीने हा रस्ता आवश्यक असल्यामुळे ह्या रस्त्याचा प्रारूप विकास योजनेमध्ये हा रस्ता १५.०० मी रुंदीचा रस्ता असून त्याचा बहुतांश भाग रेखांकनातील रस्ता म्हणून विकसित झालेला आहे. काही भाग संपादीत करून रस्ता विकसित केल्यास हा रस्ता रहदारीस सुलभ व सुरक्षित होवू शकेल. करिता ह्या रस्त्यास "नॉन डि. पी. रोड" म्हणून विकसित करण्याचा प्रस्ताव मान्यतेसाठी सादर.

ब] औरंगाबाद शहराचे मंजूर विकास योजना मधील पिरबाजार उस्मानपुरा ते हॉटेल अमरप्रित ह्या २४.०० मी. विकास योजना रस्त्याच्या रमानगर झोपडपट्टी मधील भाग सध्या विकसित न झाल्यामुळे हा रस्ता अद्याप पावेतो रहदारीस खुला झालेला नाही. सध्या विकसित करण्यात येणाऱ्या हॉटेल अमरप्रित ते शहानुरमियाँ दर्गा या २८.०० मी नंतर एक महत्वाचा मार्ग जोडरस्ता (लिकिंग रोड) वाहतूकीस उपलब्ध होवू शकतो. ह्या रस्त्याची गरज व जनतेची मागणी विचारात घेवून सदर विकास योजना रस्ता विकसित करण्यासाठी भूसंपादन प्रस्ताव मान्यतेसाठी सादर.

वर नमूद (अ) १ (ब) मान्य झाल्यानंतर रस्ता विकासाकरिता रितसर भूसंपादन अथवा खाजगी वाटाघाटीने भूसंपादन करण्याची कार्यवाही करण्यात येईल.

ठराव : प्रस्तावात दर्शविल्याप्रमाणे (अ) व (ब) मधील रस्ता विकासाकरिता रितसर व खाजगी वाटाघाटीने भूसंपादन करणेची व विकास करणेची सर्वानुमते मंजूरी देण्यात येते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

विषय क्र. १८९/६ : महानगरपालिका अस्थापनेवर दैनिक वेतनावर कार्यरत लिपिक संवर्गातील कर्मचाऱ्यांना रु. २१.२५ इतके दैनिक वेतन देण्यात आहे. त्यांचे दैनिक वेतनामध्ये वाढ करणेसाठी त्या कर्मचाऱ्यांची मागणी आहे. कारण सध्या दैनिक वेतनावरील चतुर्थ श्रेणीतील कर्मचाऱ्यांना रु. ३५/- इतके दैनिक वेतन येत आहे. ही तफावत दुरुस्त करणेसाठी व दैनिक वेतनावरील तृतीयश्रेणी संवर्गातील वाढ करणे.

सबधाने मुख्यलेखा परिक्षक यांचा अभिप्राय मागविण्यात आला असता त्यांनी रु. ५२/- इतके दैनिक वेतन देण्यासाठी शिफारस केली आहे. त्यास की मा. आयुक्त यांनी मान्यता दिली आहे.

करिता मनपा अस्थापनेवर दैनिक वेतनावर कार्यरत तृतीयश्रेणी संवर्गातील कर्मचाऱ्यांना रु. ५२/- प्रतिदिन इतके दैनिक वेतन देणेस मान्यता देणे बाबतचा प्रस्ताव सर्वसाधारण सभेच्या विचारार्थ व मंजूरीस्तव सादर.

ठराव : प्रस्तावात दर्शविल्याप्रमाणे मनपा अस्थापनेवरील तृतीय श्रेणी दैनिक वेतनावरील कर्मचाऱ्यांसाठी मा. मुख्य लेखा परिक्षक यांचे अभिप्रायानुसार तृतीय श्रेणी दैनिक कर्मचाऱ्यांस रु. २४.२५ ऐवजी रु. ५२/- दैनिक वेतन प्रदान करण्याची सर्वानुमते मंजुरी देण्यात येते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

विषय क्र. १९०/७ : मो. मुकूंदवाडी (शिवाजी कॉलनी) लायन्स क्लब वॉर्ड क्र. ७९ येथील रस्त्याचे डांबरीकरण करणे कामाकरिता रु १३,८२,६००/- चे अंदाजपत्रक सा. बा. विभाग औरंगाबाद यांची दरसूची ९५.९६ नुसार तयार करण्यात आले असून मा. आयुक्त यांनी दि. ०४/०९/९७ रोजी प्रशासकीय मान्यता दिली आहे.

सदर काम १८ खेडी विकास कार्यक्रम ह्या लेखा शिर्षातून खर्च करण्याचा प्रस्ताव आहे करिता मान्यतेस्तव सादर.

ठराव क्र. १९०/७ : प्रस्तावात दर्शविल्याप्रमाणे मो. मुकूंदवाडी (शिवाजी कॉलनी) वॉर्ड क्र. ७९ येथील रस्त्याचे डांबरीकरण करणेच्या कामासाठी अंदाजपत्रकीय रक्कम रु. १३,८२,६००/- ला व सदरचे काम "१८ खेडी विकास कार्यक्रम" ह्या लेखा शिर्षातून खर्च करण्याची मंजुरी देण्यात येते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

विषय क्र. १९१/८ : शहर अभियंता यांनी प्रस्ताव सादर केला आहे की, मो. सादत नगर स्लम भागात अर्धगोलाकार गटार बांधकाम करणे या कामाकरिता रक्कम रु. २८,७६,०००/- चे अ. प. सा. ब. विभाग औरंगाबाद यांची दरसूची पत्रक सन ९५-९६ नुसार तयार करण्यात आले असून मा. आयुक्त यांनी दि. २२/१२/९६ रोजी प्रशासकीय मान्यता दिली आहे.

तसेच सदरील कामाकरिता महानगरपालिकेने अर्थसंकल्प ९६-९७ या साठी झोपडपट्टी भागात नागरी सुविधा पुरविणे करिता रु. ७ कोटी तरतूदीमधून सदर काम करण्यास प्रस्तावित आहे. करिता मान्यतेस्तव सादर.

ठराव क्र. १९१/८ : प्रस्तावात दर्शविल्याप्रमाणे मो. सादत नगर स्लम भागातील गोलाकार गटारीचे बांधकाम करण्यासाठी अंदाजपत्रकीय रक्कम रु. २८,७६,०००/- ला व सदर काम ९६-९७ साठी असलेल्या झोपडपट्टी भागात नागरी सुविधा पुरविण्या करिता मान्यतेस्तव सादर.

विषय क्र. १९२/९ : शहर अभियंता यांनी प्रस्ताव सादर केला आहे की, मो. सादत नगर स्लम भागात डांबरी रस्ते तयार करणे कामाकरिता रु. रु. २५,३९०००/- चे अंदाजपत्रक सा. बा. विभाग औरंगाबाद यांनी दरसूची ९५-९६ अनुसार तयार करण्यात आली असून मा. आयुक्त यांनी दि. ०४/०९/९७ रोजी प्रशासकीय मान्यता दिली आहे. सदर काम ५१ झोपडपट्ट्याकरिता ठेवण्यात आलेल्या ७ कोटीच्या तरतूदीपैकी २ कोटीच्या तरतूदीपैकी २ कोटी यु. पी. एस. पी. कार्यक्रमासाठी ठेवण्यात आलेल्या रक्कमेतून खर्च करण्याची प्रस्तावित आहे. करिता मान्यतेस्तव सादर.

ठराव :

प्रस्तावात दर्शविल्याप्रमाणे मो. सादतनगर स्लम भागात डांबरी रसते तयार करणेच्या कामाकरिता अंदाजपत्रकीय रक्कम रु. २५,३९,०००/- ला सर्वानुमते मंजूरी देण्यात येते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

विषय क्र. १९३/१० : शहर अभियंता यांनी प्रस्ताव सादर केला आहे की, मो. घाटी जयभीमनगर स्लम येथे २५० मी. मी. व्यासाची जलनिःसारण वाहिनी टाकणे बाबत कामाकरिता सा. बा. खाते यांच्या वर्ष ९६-९७ च्या दरसूचीनुसार रु. ८,९९,३००/- अंदाजपत्रक तयार करण्यात आले आहे. सदरील काम "म्हाडा फंड" या शिर्षकातून करण्यात येईल सदरच्या अंदाजपत्रकास मा. आयुक्तांनी दि. १७/१२/९६ ला प्रशासकीय मान्यता दिली आहे.

तरी सदरील कामासाठी तयार करण्यात आलेले अंदाजपत्रक रु. ८,९९,३००/- यांस मान्यतेचा प्रस्ताव विचारार्थ तथा मंजूरीस्तव सादर.

ठराव क्र. १९३/१० : प्रस्तावात दर्शविल्याप्रमाणे मो. घाटी, जयभीमनगर (स्लम) विभागात जलनिःस्सारण वाहिनी २५० मी. मी. व्यासाची टाकणेच्या कामाकरिता अंदाजपत्रकीय रक्कम रु. ८,९९,३००/- ला व सदर काम "म्हाडा फंड" ह्या शिर्षातून करण्यास सर्वानुमते मंजूरी देण्यात येते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

विषय क्र. १९४/११ : शहर अभियंता यांनी प्रस्ताव सादर केला आहे की, भावसिंगपुरा मनपा शाळा कुंपन भित बांधणेच्या कामासाठी सा. बा. खात्याचे सन ९५-९६ चे दरसूची नुसार रक्कम रु. १०,४०,४३०/- चे अंदाजपत्रक तयार करण्यात आले असून मा. आयुक्तांनी त्यास दि. २०/१२/९६ अन्वये मंजूरी दिलेली आहे. कारण सदर कुंपन भितीमुळे शाळेला सुरक्षितता मिळेल. सबब सदर कामासाठी रक्कम रु. १०,४०,४३०/- चे अंदाजपत्रक मंजूरीचा प्रस्ताव विचारार्थ सादर.

सदरचा खर्च विकास इमारती, शाळा, दवाखाने बांधणे ह्या लेखा शिर्षामधून सन ९६-९७ वर्षात करण्यात येईल.

संवाद

श्री. नरेंद्र पाटील : महापालिका हद्दित अशा किती आहेत की, त्या शाळेची संरक्षित भित २/३ वेळा बांधून झाली आहे. याबाबतची माहिती सभागृहात उपलब्ध आहे काय?

शहर अभियंता : स. सभासदांच्या सूचनेप्रमाणे कोणत्याही शाळेची संरक्षित भित २/३ वेळा बांधून देण्यात आली असा प्रकार झाला नाही. त्यात थोडी बहुत दुरुस्ती करावी लागली असेल तर तो भाग वेगळा.

ठराव क्र. १९४/११ : प्रस्तावात दर्शविल्याप्रमाणे मो. भावसिंगपुरा मनपा शाळेला कुंपन भित बांधणेच्या कामासाठी शाळा दवाखाने बांधणेच्या शिर्षकातून अंदाजपत्रकीय रक्कम रुपये १०,४०,४३०/- ला सर्वानुमते मंजूरी देण्यात येते.

वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

विषय क्र. १९५/१२ : अतिरिक्त शहर अभियंता प्रस्ताव सादर करित आहे की, अंबिकानगर येथील रोडचे (रस्त्याचे) खडीकरण करण्यात यावे अशी येथील नागरिकांची व स. नगरसेविका सौ. सुनंदा कोल्हे यांची मागणी आहे. सदरील भाग सिडको नोटिफाईड क्षेत्रातील आहे.

परंतु सदरील भाग हा सिडको नोटिफाईड क्षेत्रातील येत असल्यामुळे तेथे खडे रस्ते करावेत किंवा नाही. ह्या विषयी धोरणात्मक निर्णय घेणे आवश्यक आहे तरी सर्वसाधारण सभेमध्ये धोरणात्मक निर्णय मंजुरी मिळाल्यास सविस्तर अंदाजपत्रक सादर करण्यात येईल.

संवाद :

सौ. मंदा काळुसे : प्रस्तुत प्रस्तावाप्रमाणे राजीव गांधीनगर, जय भवानी नगर या भागातही रस्त्याचे खडीकरण / डांबरीकरण करण्यात यावे.

श्री. नरेंद्र पाटील : अंबिकानगर हा भाग सिडको नोटीफाईड भागात मोडतो तेंव्हा प्रशासनाकडून सिडको नोटीफाईड भागात नागरी सुविधा पुरविण्याचा प्रस्ताव कसा ठेवण्यात आला. अशास प्रस्तावामुळे महापालिका प्रशासनास प्रचंड अडचण निर्माण होईल. सिडको भाग जापर्यंत मनपाकडे हस्तांतर झालेला नाही. नुकतीच पालकमंत्र्यांच्या अध्यक्षतेखाली या बाबत बैठक झाली.

श्री काशिनाथ कोकाटे : शहरात अनेक वसाहती आहेत. या वसाहती महापालिकेने २५% रक्कम वसूल न करता नागरी सुविधा दिल्या आहेत. तेंव्हा सिडको भागातील वसाहती अनाधिकृत कशा करणार? शहरातील अनाधिकृत वसाहतींना ज्या प्रमाणे महापालिकेने सुविधा दिल्या आहेत. त्याप्रमाणे या भागासाठीही नागरी सुविधा द्या. राजीव गांधीनगर, हनुमाननगर भागातील नागरिक याच मागणीसाठी उपोषणास बसले होते. ही बाब प्रशासनास माहित नाही का?

शहर अभियंता : धोरणात्मक निर्णयासाठी प्रशासना तर्फे सदर प्रस्ताव सभागृहापुढे निर्णयासाठी ठेवण्यात आला आहे.

सौ. सुनंदा कोल्हे : अंबिकानगर भागात खडी रस्त्याचे काम करण्याबाबत सभागृहात निर्णय घ्यावयाचा आहे. अंबिकानगर भागातील नागरिकांनी यासाठी उपोषण केले होते. त्या बाबीसह सहा महिन्यांचा कालावधी झाला आहे. अद्याप या भागातील खडीरस्त्याचे काम झाले नाही. म्हणून नागरिकांच्या मागणीनुसार हा प्रस्ताव सभागृहापुढे ठेवल्यास त्यास मंजुरी द्यावी.

श्री.स.अली मिरा सलामी : प्रथम सिडको भागाचे महापालिकेकडे हस्तांतर करण्यात यावे त्या भागाचा कर वसूल करण्यात यावा. आणि मगच या भागातील नागरिकांना सुविधा देण्यात याव्यात म्हणजे तांत्रिक अडचण येणार नाही.

श्री. महादेव सुर्यवंशी : महापालिकेतर्फे सिडको भागात असलेल्या चिश्तियाँ कॉलनी भागात कोट्यावधी रुपयाची कामे करण्यात आली त्या बाबतचा प्रस्ताव सभागृहापुढे ठेवण्यात आला नाही. मग अंबिकानगरचा प्रस्ताव सभागृहापुढे का ठेवण्यात आला. चिश्तिया कॉलनी हा स्लम भाग नाही. ३०/४० लाखांची कामे कशी झाली नारेगांव जवळ १०/१५ वर्षांपासून वसाहत आहे. अशा ६२ वसाहती शहरात आहे. मग चिश्तिया कॉलनीतील कामाचे पैसे कोणाकडून वसूल

- करावयाचे तेंव्हा ज्या ठिकाणी जरूरी आहे अशा ठिकाणी काम करावे अशी सूचना आहे.
- श्री. भगवान घडामोडे : मानवता दृष्टीकोन समोर ठेवून प्राथमिक सुविधा देणे आवश्यक आहे. सिडको हस्तांतर हा विषय वेगळा आहे. शहरातील वसाहतींना प्राथमिक सुविधा दिल्या आहेत. म्हणून सर्व वसाहती प्राथमिक सुविधा द्याव्यात.
- श्री. मोहसीन अहेमद : सभागृहनेता यांना अनाधिकृत वसाहतींना सुविधा देण्याची लेखी जोरदार मागणी केलेली आहे. चिश्तियाँ कॉलनीतील २६८ घरांना सन ९२ पासून कर लावण्यात आला आहे. तेंव्हापासून या भागास सुविधा दिल्या आहेत. चिश्तियाँ कॉलनी हा स्लम भाग म्हणून घोषित करण्यात यावा.
- श्री. गौतम खरात : पुंडलिकनगर आणि भागात महापालिका टॅकरने पाणीपुरवठा करणे दररोज ४० टॅकरपाणी पुरवावे लागते. म्हणून या भागातील नागरिकांकडून २५% खर्च वसूल करून पाणी पुरवठा योजना करण्यास मंजूरी दिली आहे. मग हा ठराव ठेवण्याचे कारण काय याचा खुलासा व्हावा.
- श्री. गौतम खरात : अनाधिकृत शहर वसाहतींना पाणी पुरवठा करण्यासाठी २५% खर्च घेण्यात येतो मग हा ठराव सभागृहापुढे कसा ठेवण्यात आला. इतर २५% खर्चाचा प्रस्ताव मंजूर करावा नसता हा ठराव घेता येणार नाही.
- श्री. विठ्ठल जाधव : वॉर्ड क्र. ७६ येथील पुंडलिकनगर भागात पाणी पुरवठा व्यवस्था करण्यासाठी २५% खर्च घेवून काम करण्यात यावे असा ठराव घेण्यात आला होता. ह्या ठरावात बॅटरमेंट ऐवजी लोकवर्गणी असा शब्द टाकून २५% रक्कम घेतली आहे. त्या भागात गरीब नागरिक राहत आहेत ते २५% रक्कम भरू शकत नाही. तेंव्हा सभागृहाने हा ठराव मंजूर करावा अशी विनंती आहे.
- श्री. काशिनाथ कोकाटे : शहरातील अनाधिकृत वसाहतींना नागरी सुविधा पुरविण्याबाबत शासनाकडे देण्यात यावे. ह्या निवेदनात २५% लोकवर्गणीची अट ठेवण्यात येवू नये. शहरातील वसाहतींना ज्या प्रकारे सुविधा दिल्या त्याचप्रमाणे सिडको नोटीफाईड वसाहतींनाही लोकवर्गणी न घेता नागरी सुविधा द्याव्यात.
- श्री. नरेंद्र पाटील : अनाधिकृत वसाहतींना नागरी सुविधा देताना २५% लोकवर्गणी घेतली पाहिजे अशी माझी मागणी आहे.
- मा. आयुक्त: अंबिकानगर भागात नागरी सुविधा देणार किंवा नाही यावर सभागृहाने निर्णय घेणार आहेत. धोरणात्मक बाब आहे म्हणून प्रशासन यावर निर्णय घेवू शकत नाही. तेंव्हा अंबिकानगर भागास नागरी सुविधा देण्या बाबत सभागृहाने निर्णय ठरवावयाचा आहे. अनाधिकृत घरांना मालमत्ता कर लावण्याचा प्रस्ताव सभागृहाचे मार्गदर्शन प्रशासनाला हवे आहे.
- श्री. जयवंत ओक : सभागृहात गंभीर विषयावर चर्चा चालू आहे. २५/३० अनाधिकृत वसाहती आहेत. त्या वसाहतींना नागरी सुविधा देण्याबाबत नगर परिषद काळापासून ठराव झाले आहेत ते ठराव शासनाकडे पाठविण्यात आले पण अद्याप शासनाची मंजूरी मिळाली नाही. विकास आराखड्यानुसार आरक्षित जागा महापालिकेकडे ताब्यात घेतल्या आहेत का? याचाही निर्णय आवश्यक आहे. ज्या जागा आरक्षित झाल्या आहेत त्या ठिकाणी फलक लावण्यात यावा म्हणजे अशा जागावर अतिक्रमण होणार नाही.

श्री. काशिनाथ कोकाटे : अनाधिकृत वसाहतींना २५% लोकवर्गणी न घेता नागरी सुविधा देण्यात याव्यात अशी तरतूद करण्यात यावी त्यास शासनाची मंजूरी घेण्यात यावी. श्री. स. अली मीरा सलामी : सिडको नोटीफाईड भागात अनाधिकृत वसाहती होण्यास सिडको प्रशासन जबाबदार आहे. अनाधिकृत वसाहती हा मुद्दा वेगळा आहे. हा प्रश्न समोर ठेवून या विषयावर निर्णय घेण्यात यावा.
मा. आयुक्त : मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम अन्वये ठराव मंजुरीस ५०% पेक्षा जास्त सभासदांची मान्यता आवश्यक आहे.
मा. महापौर : विषय क्र. १२ तूर्त स्थगित ठेवण्यात येतो.

ठराव : सर्वानुमते असे ठरले की, सदर प्रस्ताव तूर्त स्थगित ठेवण्यात यावा.

विषय क्र. १९६/१३: अतिरिक्त शहर अभियंता फेर प्रस्ताव सादर करित आहे की, बारापुल्ला दरवाजा ते लिटर फ्लॉवर स्कूल पर्यंत रस्त्याचे रुंदीकरण करणे, खडीकरण करून रस्ता दुभाजक टाकणे या कामासाठी सा. बा. खात्याच्या सन ९५-९६ च्या दरसूचीनुसार अंदाजपत्रक रु. १०,५४,२००/- चे तयार करून दि. २०/९/९६ च्या सर्वसाधारण सभेत विषय क्र. ६५/४ अन्वये मंजूरीस्तव ठेवण्यात आले होते.

यावर चर्चा होवून असा ठराव पारित झाला होता की, प्रस्तावातील रस्त्याचे महानगर पालिकेकडे हस्तांतरण होत नाही तोपर्यंत काम रद्द करण्यात यावे असे सर्वानुमते ठरले.

त्यानुसार महानगरपालिकेतर्फे सार्वजनिक बांधकाम खात्याशी पत्रव्यवहार करण्यात आला व सदरील रस्ता महानगरपालिकेकडे सार्वजनिक बांधकाम खात्याचे पत्र क्रमांक प्रशार/११०११/१, दि. ११/१२/९६ अन्वये हस्तांतरित करून घेण्यात आला आहे.

तरी अंदाजपत्रक रु. १०,५४,२००/- चे विचारार्थ व मंजूरीस्तव सादर.

ठराव क्र. १९६/१३ : प्रस्तावात दर्शविल्याप्रमाणे मो. बारापुल्ला दरवाजा ते लिटर फ्लॉवर स्कूल पर्यंत रस्त्याचे रुंदीकरण करणे, खडीकरण करून रस्ता दुभाजक टाकणेच्या कामासाठी अंदाजपत्रक रक्कम रु. १०,५४,२००/- ला सर्वानुमते मंजूरी देण्यात येते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

विषय क्र. १९७/१४ : मो. मुकूंदवाडी (शिवाजी कॉलनी) लायन्स क्लब वॉर्ड क्र. ७९ येथील रस्त्याचे डांबरीकरण करणेच्या कामाकरिता रक्कम रु. १३,८२,६००/- चे अंदाजपत्रक सा. बा. विभाग औरंगाबाद यांची दरसूची ९५-९६ नुसार तयार करण्यात आले असून मा. आयुक्त यांनी दि. ०४/०१/९७ रोजी प्रशासकीय मान्यता दिली आहे.

सदर काम १८ खेडी विकास कार्यक्रम ह्या लेखाशिर्षातून खर्च करण्याचा प्रस्तावित आहे.

ठराव क्र. १९७/१४ : ठराव क्र. १९०/७ अन्वये निर्णय घेण्यात आला असल्याने सदर प्रस्ताव रद्द करण्यात यावा असे सर्वानुमते ठरले.

विषय क्र. १९८/१५ : कार्यकारी अभियंता यांनी प्रस्ताव सादर केला आहे की, दलित वस्ती सुधारणा योजने अंतर्गत शहरातील विविध झोपडपट्टी वासाहतीमध्ये जलनिःसारण व

जलवाहिन्या टाकावयाची आहेत. त्यासाठी जिल्हा समाज कल्याण अधिकारी यांचे तर्फे महानगरपालिकेस रु. ३० लाख अनुदान मिळणार आहे.

तरी त्या अनुषंगाने सदरील योजनेअंतर्गत दलित वस्तीमधील कामाजचे अंदाजपत्रके तयार करून कामे हाती घेण्यात येतील. करिता प्रस्ताव मंजूरीस्तव सादर.

संवाद :

श्री. मोहसीन अहेमद : शहरातील कामासाठी इतर विभागाकडून येणारा फंड त्याच वर्षात कसा खर्च होईल याची संबंधित विभागाने जास्तीत जास्त विचार केला पाहिजे. त्यासाठी शासनाचे जे आदेश आहेत त्याप्रमाणे काम करण्यात यावे.

श्री. गौतम खरात : दलित वस्ती सुधारणा अंतर्गत जो फंड आहे तो फंड फक्त दलित वस्त्यात खर्च करण्यात यावा असे शासनाचे आदेश आहेत.

ठराव क्र. १९८/१५ : प्रस्तावात दर्शविल्याप्रमाणे दलित वस्ती सुधारणा योजने अंतर्गत शहरातील विविध झोपड्यामध्ये जलवाहिन्या व जलनिःस्सारण वाहिन्या टाकण्याची कामे करावयासाठी व त्यासाठी जिल्हा समाज कल्याण अधिकारी यांचे कडून प्राप्त होणाऱ्या रुपये ३० लाखातून अनुदानास करावयाच्या कामास सर्वानुमते मंजूरी देण्यात येते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

विषय क्र. १९९/१६ : कार्यकारी अभियंता, पाणी पुरवठा व जलनिःस्सारण यांनी प्रस्तव सादर केला आहे की, मो. लोहारगल्ली मोंडा ते राणा ऑईल डेपो येथे गटारीचे पूर्ण बांधकाम करणेच्या कामासाठी परिसर अभियांत्रिकीच्या दरपत्रक ९५-९६ नुसार अंदाजपत्रक रक्कम रु. ५,१४,६९३/- चे तयार करण्यात आले आहे.

सदरील कामाचा खर्च लेखाशिर्ष झोपडपट्टी व शहरी भागात खुल्या गटारी बांधणे मधून प्रस्तावित आहे. सदरील कामास मा. आयुक्तांनी दि. १५/०१/१७ ला प्रशासकीय मंजूरी दिली आहे.

तरी अंदाजपत्रकीय रक्कम रु. ५,१४,६९३/- चा प्रस्ताव मंजूरीस्तव तथा विचारार्थ सादर.

ठराव क्र. १९९/१६ : प्रस्तावात दर्शविल्याप्रमाणे मो. लोहारगल्ली मोंडा ते राणा ऑईल डेपो येथे गटारीचे पूर्ण बांधकाम करणे या कामासाठी अंदाजपत्रकीय रक्कम रु. ५,१४,६९३/- ला सर्वानुमते मंजूरी देण्यात येते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

विषय क्र. २००/१७ : कार्यकारी अभियंता यांनी प्रस्ताव सादर केला की, मो. उस्मानपुरा भागात १५० मी. मी. व्यासाची एस.डब्ल्यू. ची जलनिःस्सारण वाहिणी टाकणेबाबत परिसर अभियांत्रिकी विभागाच्या सन ९५-९६ च्या दरसूची प्रमाणे अंदाजपत्रक रक्कम रु. ६,६९,०००/- चे तयार करण्यात आले आहे.

सदरील खर्च "देखभाल जलनिःस्सारण" ह्या आर्थिक शिर्षकांतर्गत करण्यात येईल.

ठराव क्र. २००/१७ : प्रस्तावात दर्शविल्याप्रमाणे मो. उस्मानपुरा भागात जलनिःस्सारण वाहिणी टाकणेच्या कामासाठी अंदाजपत्रकीय रक्कम रु. ६,६९,०००/- ला सर्वानुमते मंजूरी देण्यात येते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

विषय क्र. २०१/१८ : कार्यकारी अभियंता यांनी प्रस्ताव सादर केला की, कल्पतरू हौ. सो. (गारखेडा) मार्गे तिरुपतीनगर, स्वप्न नगरी, गजानन कॉलनी येथे ५० फूट रुंद रस्त्यालगत ६०० मी. मी. व्यासाची आर. सी. सी. जलनिःस्सारण वाहिनी टाकणेबाबत परिसर अभियांत्रिकी दरसूचीनुसार रक्कम रु. ९,६५,८००/- चे तयार करण्यात आले आहे.

सदरील खर्च "झोपडपट्टी व शहरातील भागात गटार बांधणे" ह्या शिर्षकाखाली करण्यात येईल. तरी प्रस्ताव मंजूरीस्तव सादर.

ठराव क्र. २०१/१८ : प्रस्तावात दर्शविल्याप्रमाणे कल्पतरू हौ. सो. (गारखेडा) मार्गे तिरुपतीनगर, स्वप्ननगरी, गजानन कॉलनी येथे ६०० मी. मी. व्यासाची आर. सी. सी. जलनिःस्सारण वाहिनी टाकणेच्या कामाकरिता "झोपडपट्टी व शहरातील भागात गटार बांधणे" ह्या शिर्षकातून अंदाजपत्रकीय रक्कम रु. ९,६५,८००/- ला सर्वानुमते मंजूरी देण्यात येते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

विषय क्र. २०२/१९ : शहर अभियंता यांनी प्रस्ताव सादर केला आहे की, मो. प्रियदर्शनी इंदिरानगर स्लम भागात अर्ध गोलाकार गटार बांधकाम करणे कामाकरिता रक्कम रुपये १२,२०,०००/- चे अंदाजपत्रक सा. बा. विभाग औरंगाबाद यांची दरसूची ९५-९६ अनुसार तयार करण्यात आले असून मा. आयुक्त यांनी दि. ०१/०२/१७ रोजी प्रशासकीय मान्यता दिली आहे.

तरी काम महानगरपालिका "खुली गटार" या लेखा शिर्षकातून करण्याचे प्रस्तावित आहे. करिता मान्यतेस्तव विचारार्थ सादर.

ठराव क्र. २०२/१९ : प्रस्तावात दर्शविल्याप्रमाणे मो. प्रियदर्शनी इंदिरानगर स्लम भागात अर्ध गोलाकार गटार बांधणेच्या "खुली जागा" या लेखा शिर्षकातून अंदाजपत्रकीय रक्कम रुपये १२,२०,०००/- ला सर्वानुमते मंजूरी देण्यात येते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

विषय क्र. २०३/२० : शहर अभियंता यांनी प्रस्ताव सादर केला आहे की, मो. घाटी, जयभीमनगर स्लम गुलाबवाडी परिसरात आदर्श झोपडपट्टी योजनेअंतर्गत दर्शनी विटाची भिंत बांधणेबाबत कामाकरिता सा. बा. विभाग यांचे वर्ष ९५-९६ च्या दरसूचीनुसार रुपये ३०,६९,३५९/- चे अंदाजपत्रक तयार करण्यात आले आहे. सदरील काम "शासकीय अनुदान" ह्या लेखा शिर्षकातून करण्यात येईल.

सदरच्या अंदाजपत्रकास मा. आयुक्त साहेबांने दि. २८/०१/१७ रोजी प्रशासकीय मान्यता दिली आहे.

करिता सदरील कामासाठी तयार करण्यात आलेले अंदाजपत्रक रु. ३०,६९,३५९/- यांस मान्यतेचा प्रस्ताव विचारार्थ तथा मंजूरीस्तव सादर.

ठराव क्र. २०३/२० : प्रस्तावात दर्शविल्याप्रमाणे मो. घाटी, जयभीमनगर स्लम गुलाबवाडी परिसरात "आदर्श झोपडपट्टी योजनेअंतर्गत" दर्शनी विटांची भिंत बांधणेच्या कामाकरिता शासकीय अनुदानाच्या लेखा शिर्षकातून अंदाजपत्रक रक्कम रुपये ३०,६९,३५९/- ला सर्वानुमते मंजूरी देण्यात येते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

विषय क्र. २०४/२१ : शहर अभियंता यांनी प्रस्ताव सादर केला आहे की, औरंगाबाद मेडीकल कॉलेज अँड हॉस्पिटल परिसरात सुलभ शौचालय बांधणेबाबत कामाकरिता सा. बां. खाते यांच्या वर्ष १६-१७ च्या दरसूचीनुसार रु. १४,५०,०००/- चे अंदाजपत्रक तयार करण्यात आले आहे. सदरील काम "मराठवाडा वैधानिक विकास मंडळ अनुदान" या शिर्षकातून करण्यात येईल. सदरच्या अंदाजपत्रकास मा. आयुक्त साहेबांनी दि. ०७/०१/१७ ला प्रशासकीय मान्यता दिली आहे.

तरी सदरील कामाकरिता तयार करण्यात आलेले अंदाजपत्रक रु. १४,५०,०००/ यास मान्यतेचा प्रस्ताव विचारार्थ तथा मंजूरीस्तव सादर.

ठराव क्र. २०४/२१ : प्रस्तावात दर्शविल्याप्रमाणे औरंगाबाद मेडीकल कॉलेज व हॉस्पिटल परिसरात सुलभ शौचालय बांधणेच्या कामाकरिता "मराठवाडा वैधानिक विकास मंडळ अनुदान" या शिर्षकातून अंदाजपत्रकीय रक्कम रु. १४,५०,०००/ सर्वानुमते मंजूरी देण्यात येते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

विषय क्र. २०५/२२ : शहर अभियंता यांनी प्रस्ताव सादर केला की, मो. शहाबाजार येथील प्रा. शाळेवर अर्ध्या भागात पहिला मजला बांधणे व अस्तित्वात असलेल्या तळ मजलाच्या जुन्या भागामध्ये वाढ करणेच्या कामासाठी सर्वसाधारण सभा ठराव क्र. ६४३/७७ दि. १८/०३/१६ चे दररसूची अन्वये रक्कम रु. ७,००,०००/- चे अंदाजपत्रकास सर्वानुमते मंजूरी प्राप्त झालेली आहे. सदरचे काम हाती घेण्यासाठी कार्यालयीन निविदा सूचना क्र./मनपा/लेखा/नि/१६ दि. २९/०८/१६ अन्वये निविदा मागविण्यात आल्या होत्या. प्राप्त निविदामध्ये तुलानात्मकदृष्ट्या सर्वात कमी अंदाजपत्रकीय दरापेक्षा ३८.९% जास्त दराची निविदा श्री. एस. झेड. सिध्दीकी यांची होती. व अंदाजपत्रकीय दरापेक्षा ४०.२% जास्त दराची मे. शिवा कन्स्ट्रक्शन यांची निविदा होती. दोन्ही मक्तेदारास दराचे वाटाघाटीसाठी मा. आयुक्ताचे दालनात वाटाघाटीसाठी बोलाविले असता एस. झेड. सिध्दीकी यांनी व मे. शिवा कन्स्ट्रक्शन यांनी अंदाजपत्रकीय दराने काम करण्यास संमती दर्शविली. परंतु मा. आयुक्तांनी सदरचे दर मंजूर करून फरे निविदा करण्याचे व सदर कामाचे दरसूचीचे सुधारित अंदाजपत्रक तयार करण्यास दि. ०७/११/१६ अन्वये आदेशित केले. त्यानुसार सदर कामासाठी सुधारित अंदाजपत्रक रक्कम रु. ७,९४,३२०/- तयार करण्यात आले असून मा. सर्वसाधारण सभेसमोर प्रस्ताव सादर करण्यासाठी दि. ०६/१२/१६ अन्वये शिफारस केली आहे सबब सदर कामाचे चालू दरसूचीनुसार (१५-१६) रक्कम रुपये ७,९४,३२०/- चे अंदाजपत्रक मंजूरीचा प्रस्ताव विचारार्थ सादर. सदरचा खर्च विकास इमारती शाळा व दवाखाने बांधणे या लेखा शिर्षामधून सन १६-१७ ह्या वर्षात करण्यात येईल.

संवाद

श्री. संजय जोशी : प्रस्तुत प्रस्तावाच्या अंदाजपत्रकास दि. १८/०२/१६ च्या सभेत मंजूरी होताना यासाठी सन १९९१-९२ च्या दरसूचीनुसार अंदाजपत्रक का करण्यात आले आहे. यावेळी १५-१६ दरसूचीनुसार अंदाजपत्रक तयार करण्यात आले असते तर हा प्रश्न आला नसता.

श्री. मुजीब आलमशाह खान : मुस्लिम भागातील कामासाठी अशा चूका का केल्या जातात ह्या चूका हेतुपुरस्सर होतात. शहर अभियंता यांची बदली करण्यात यावी याबाबत शहर अभियंता यांना वेळोवेळी पत्र देण्यात आले आहे.

श्री. संजय जोशी, श्री. गिरजाराम हाळनोर : महापालिकेचे सभागृह शहरांचे सभागृह आहे. तेंव्हा विषयाला जातीयवादी वळण देणे योग्य होणार नाही.

मा. महापौर : विषय क्र. २२ मंजूर करण्यात येतो. सदर कामासाठी त्वरित निविदा काढण्यात याव्यात.

ठराव क्र. २०५/२२ : प्रस्तावात दर्शविल्याप्रमाणे शहाबाजार येथील प्रा. शाळेवरील अर्ध्या भागावर पहिला मजला बांधणे व अस्तित्वात असलेल्या तळ मजल्याच्या जुन्या भागामध्ये वाढ करण्याच्या कामासाठी सुधारित अंदाजपत्रक रक्कम रु. ७,९४,३४०/- ला व सदर खर्च विकास इमारती, शाळा व दवाखाने बांधणे ह्या लेखा शिर्षातून करण्यास सर्वानुमते मंजुरी देण्यात येते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

विषय क्र. २०६/२३ :

मंजूर विकास योजना औरंगाबाद (वाढिव हद्द) १९९१ मधील मो. औरंगाबाद येथील सर्व्हे नं. ९६ ही जमीन ना. विकास क्षेत्रात दर्शविलेली आहे. सदरील सर्व्हे नं. ९६ मधील जमीन क्षेत्र ८५ आर ही गिरीदर्शक को. ऑ. हौ. सो. लि. औरंगाबाद ह्या संस्थेच्या मालकीची असून सदरच्या सोसायटीच्या जमिनीला दि.२०/११/६५ ह्या ओदशनुसार आकृषिक परवानगी मिळाली आहे. तसच नगर परिषद औरंगाबाद व सहाय्यक संचालक नगररचना औरंगाबाद यांनी अनुक्रमे सन १९६८ व सन १९६६ साली अभिन्यास मंजुरी दिलेली आहे. पुराणवस्तु संशोधन खाते यांनी दि. १२/०४/१९६५ च्या पत्रानुसार सदरील संस्थेस निवास वापरासाठी संमती दिलेली आहे. वरील परिस्थितीत संबंधित गृहनिर्माण संस्थेने औरंगाबाद महानगरपालिकेकडे विनंती अर्जाद्वारे मांडल्यामुळे व नियोजनाच्या दृष्टीकोणातून सदरील गृहनिर्माण संस्थेची जागा निवासी भागात इष्ट असल्या कारणाने महाराष्ट्र प्रादेशिक नगररचना अधिनियम १९६६ चे कलम ३७ अन्वये किरकोळ फेरबदलाचा प्रस्ताव करण्यात आला. ह्या प्रस्तावात दिनांक १६/०९/९५ च्या सर्वसाधारण सभेने ठराव क्र. १० अन्वये मंजुरी दिल्यानंतर त्या अनुषंगाने पुढील कार्यवाही अंतर्गत स्थानिक वर्तमानपत्रात (दि. ०१/०१/९६ चे दै. लोकमत व दै. सिटीजन्स) अधिसूचना प्रसिध्द करून ह्या फेरबदलाचे प्रस्तावासंबंधाने कोणाचे काही आक्षेप/ सूचना / हरकत असतील त्या महानगरपालिकेकडे सदर सूचना महाराष्ट्र शासनाचे राज पत्रात प्रसिध्द झाल्या पासून ३० दिवसाचे आंत लेखी स्वरूपात दाखल कराव्यात म्हणून सुचीत केले होते.

दरम्यान सदरची अधिसूचना महाराष्ट्र शासनाचे दि. ०७ मार्च १९९६ च्या राजपत्रात प्रसिध्द झाली अधिसूचना प्रसिध्दीनंतरच्या विहित कालमर्यादेत ह्या फेरबदलाचे प्रस्ताव संबंधाने कसलाही आक्षेप / सूचना कोणाकडूनही दाखल झाल्या नाहीत.

त्यानंतर या महाराष्ट्र प्रादेशिक व नगर रचना अधिनियम १९६६ चे कलम ३७ अन्वयेच्या किरकोळ फेरबदलाचे प्रस्ताव कार्यवाहीचा पुढील भाग म्हणून प्रस्ताव सर्वसाधारण सभेच्या मंजुरीसाठी ठेवला. जेणेकरून सर्व साधारण सभेच्या मंजुरीनंतर प्रस्ताव शासनाचे अंतिम मान्यतेसाठी पाठविण्यात येईल. मात्र दिनांक २०/०७/९६ च्या सभेत ठराव क्रमांक २८/२६ ने चर्चा होवून प्रस्ताव स्थगित ठेवला होता. आता त्या संबंधाने वरील प्रमाणे अतिरिक्त माहिती मुळ ठराव दि. १६/०९/९५ चे सर्वसाधारण सभेत मंजुरी झालेली आहे. प्रस्ताव पुन्हा मंजुरीचे कार्यवाहीसाठी सादर. सदर किरकोळ बदलाचे प्रस्तावास मान्यता दिल्यास सदर प्रस्ताव अंतिम मान्यतेसाठी पुढील कार्यवाहीसाठी शासनाकडे सादर करण्यात येईल.

संवाद :

श्री. मोहसीन अहेमद : सहाय्यक संचालक नगररचना ह्या विभागाकडून अशा प्रकारचे जे विषय सभागृहापुढे ठेवण्यात येतात त्या ठरावा बाबतचे नकाशे सोबत देण्यात यावेत. असा सभागृहाचा निर्णय झालेला आहे.

तथापी या ठरावासोबत नकाशे दिलेली नाहीत

श्री. नरेंद्र पाटील : प्रस्तुत प्रस्तावात नमूद केल्याप्रमाणे सदर सोसायटीच्या ले-आऊट १९६६ साली मंजूर झालेला आहे त्यानंतर या ले-आऊटला २४ वर्षांचा प्रवास काय झाला याचा खुलासा व्हावा आतापर्यंत त्या काय कार्यवाही झाली.

मा. सहाय्यक संचालक नगर रचना : १९६८ ला प्रस्तुत ले-आऊटला मंजुरी झाल्यानंतर पुरातत्व विभागाकडून नाहरकत प्रमाणपत्र मिळाल्यानंतर या सभागृहास तळ मजलयाचे बांधकामास परवानगी दिली आहे.

श्री. जावेद रज्जाक : प्रस्तुत प्रस्तावा बरोबर पी. आर. कार्ड नकाशा आदी माहिती देणे आवश्यक आहे. सदर प्रकरणात नियोजन समितीची पाहणी झाली आहे का याचा खुलासा यावा.

मा. महापौर : प्रशासना तर्फे सविस्तर ठराव सभागृहापुढे मांडण्यात आला आहे. ह्या ठरावा विषयी आवश्यक माहिती हवी असेल तर ती दिली जाईल. विषय क्र. मंजूर करण्यात येतो.

श्री. नरेंद्र पाटील : ह्या ठरावास माझा विरोध आहे.

ठराव क्र. २०६/२३ : प्रस्तावात दर्शविल्याप्रमाणे मंजूर विकास योजना औरंगाबाद (वाढीव हद्द) १९९१ मधील मो. औरंगाबाद येथील सर्व्हे नं. ९६ मध्ये किरकोळ फेरबदल करून सदर ठराव शासनाकडे सादर करणेस सर्वानुमते मंजुरी देण्यात येते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

विषय क्र. २०७/२४ : स्थायी समिती विषय क्र. ६२२/३३ दि. २९/०१/९७ नुसार शहर अभियंता यांनी प्रस्ताव सादर केला की, मो. जयभिमनगर (स्लम) मधील गुलाबवाडी या भागामध्ये सर्व्हेक्षण करून नोंद करण्यात आलेल्या ११७ झोपड्यांमध्ये "आदर्श झोपडपट्टी योजने अंतर्गत" पाणीपुरवठा लाईन टाकणे, आर. सी. सी. ड्रेनेज लाईन टाकणे, ११७ झोपड्यासाठी स्वतंत्र संडास बांधून प्रत्येक झोपडीस अर्ध्या इंच व्यासाचे नळ कनेक्शन देणे, अस्तित्वात असलेल्या झोपड्यांचा दर्शनी भाग एका सरळ रेषेद पाडून नवीन विटा सिमेंट मध्ये बांधणे, प्लॅस्टर करणे, सागवाणी दरवाजा व एक सागवाणी खिडकी, फरशी बसविणे, स्वतंत्र विद्युत मीटर देणे, लाईट फिटींग करणे, सोडीयम व्हेपरचे खांब बसवणे देणे. इ. कामाकरिता तयार करण्यात आलेल्या रु. ५१,६०,५००/- च्या अंदाजपत्रक मा. सर्वसाधारण सभेत विचारार्थ तथा मंजुरीस्तव सादर.

संवाद :

शहर अभियंता : प्रस्तुत प्रस्तावाच्या अंदाजपत्रकात एकूण पाच कामाचा समावेश आहे. या कामात नळ लाईट इत्यादी कामाचा समावेश आहे.

श्री. मुजीब आलमशा खान, श्री. मोहसीन अहेमद :

सर्व कामाचे एकूण अंदाजपत्रक का देण्यात आले नाही. याची चौकशी होणे आवश्यक आहे. त्याबाबत कडक कार्यवाही झाली पाहिजे. या प्रस्तावाचे कामात नियम तोडला आहे. कडक कार्यवाही झाली नाही तर आम्हाला

- उपोषणाला बसावे लागेल. ड्रेनेज / पाणी पुरवठा या बाबत स्वतंत्र विभाग आहेत त्या त्या विभागाकडून अशी कामे होणे आवश्यक आहे.
- श्री. रशीद खान: स. सभासदांच्या सूचनेप्रमाणे कमिटी नेमण्यात यावी व कामास मंजूरी देण्यात यावी.
- श्री. गौतम खरात : प्रस्तुत प्रस्तावातील कामासाठी माझ्या विनंती वरून मा. महापौर व मा. आयुक्त यांनी टेंडर काढले होते यास विरोध होण्याचे कारण नाही. ड्रेनेज पाणी या कामाचे टेंडर त्या त्या विभागाकडे वर्ग करणे आवश्यक होते पण तसे झाले नाही. त्या त्या विभागाकडून काम होणे योग्य आहे.
- श्री. मोहसीन अहेमद : प्रस्तुत प्रस्तावाच्या कामास आमचा विरोध नाही. पण ज्या ज्या विभागातर्फे त्या कामाचे ठराव होणे आवश्यक होते. तसेच त्याच विभागातर्फे काम होणे आवश्यक आहे. सभागृह हे एक न्यायालय आहे.
- मा. महापौर: आदर्श झोपडपट्टी हा एक उद्देश ठेवून काम लवकर होणे आवश्यक होते. म्हणून दौऱ्यावर जात असतांना या कामासाठी रस्त्यावर सदर कामाच्या संचिकेवर सह्या घेतल्या हा एकच होता.
- श्री. मुजीब आलमशा खान : चंपा मस्जीद येथील कामाबाबत वारंवार सूचना पत्र देवूनही अद्याप कामे झाली नाही.
- मा. आयुक्त : शहरात ९४ झोपड्या आहे. नवीन योजना राबविण्याचा निर्णय प्रशासनाने घेतला आहे. जयभीमनगर घाटी ही झोपडपट्टी व्ही. आय.पी. रोड आहे. म्हणून ह्या ठिकाणी आदर्श झोपडपट्टी योजना हाती घेतली आहे. पण ह्या योजनेसाठी १३४ झोपडपट्टी धारकांची संमती आवश्यक आहे. ही संमती मिळविण्याची जबाबदारी सभासद श्री. गौतम खरात यांनी घेतली आहे. ३१ मार्च १७ पूर्वी काम करण्याच्या घाटीने ह्या कामाच्या निविदा काढण्यात आल्या आहे. आपण म्हणालतर या निविदा नामंजूर करून पुन्हा सभागृहाकडे घेऊ
- श्री.मुजीब आलमशा खान, श्री. अली मिरा सलामी, श्री. मोहसीन अहेमद :
प्रस्तुत प्रस्तावाच्या कामासाठी विरोध नाही कामे एकत्र का झाली याची चौकशी झाली पाहिजे. यापुढे सभागृहाला विश्वासात घेवून काम करण्यात यावे. शहर अभियंता यांची बदली.
- मा. महापौर: विषय क्र. २४ मंजूर करण्यात येतो.
- ठराव क्र. २०७/२४ :** प्रस्तावात दर्शविल्याप्रमाणे जयभीमनगर (स्लम) गुलाबवाडी या भागातील सर्व्हेक्षण करून नोंद करण्यात आलेल्या ११७ झोपड्या "आदर्श झोपडपट्टी योजने अंतर्गत" पाणी पुरवठा आर. सी. सी. ड्रेनेज लाईन प्रत्येक झोपडीत १/२ "व्यासाचे नळ कनेक्शन" देणे इ. कामासाठी अंदाजपत्रकीय रक्कम रुपये ५१,६०,५००/- यांस सर्वानुमते मंजूरी देण्यात येते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.
- विषय क्र. २०८/२५ :** दिनांक १९/०२/१७ रोजी संपन्न झालेल्या सर्व साधारण सभेचे इतिवृत्त कायम करणे.
- ठराव क्र. २०८/२५ :** दिनांक १९/०२/१७ रोजी संपन्न झालेल्या सर्वसाधारण सभेचे इतिवृत्त कायम करण्यास सर्वानुमते मंजूरी देण्यात येते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

विषय क्र. २०९/२६ : स्थायी समिती विषय क्र. ६६६/१३ दि. १३/०२/१७ नुसार शिफारस केल्या सन १९९७-९८ ह्या वित्तीय वर्षासाठी प्रस्तावीत केलेल्या दरामध्ये खालील दुरुस्तीसह हे दर करयोग्य मुल्यावर आकारण्यास सर्वानुमते मंजुरी देवून सर्वसाधारण सभेपुढे ठेवण्यात येत आहे.

(अ) महानगरपालिकेचे दर :-

| अ.क्र. | कराचे नांव | सन १९९६-९७ चे करयोग्य मुल्य दर | सन १९९७-९८ करिता कर योग्य मुल्य दर |
|--------|----------------------|--|--|
| १ | सामान्य कर | कोणत्याही कर योग्य मुल्यावर १ ते १००० २३% १००१ ते १०००० २४% १०००१ ते २०००० २५% २०००१ ते ५०००० २६% ५०००१ ते १००००० २७% १००००१ ते पुढे २८% | १ ते १००० २३% १००१ ते १०००० २४% १०००१ ते २०००० २५% २०००१ ते ५०००० २७% ५०००१ ते १००००० २८% १०००१ ते पुढे २९% |
| २. | सर्वसाधारण पाणीपट्टी | - | - |
| ३. | साफसफाई कर | कोणत्याही कर योग्य मुल्यावर | कोणत्याही कर योग्य मुल्यावर |
| | अ) निवासी कर | ३% | ३% |
| | ब) निवासेत्तर वापर | ६% | ६% |
| ४. | वृक्षकर | १% | १% |
| ५. | अग्निशमनकर | १% | १% |
| ६. | मनपा शिक्षणकर | १% | १% |
| ७. | पथकर | १% | १% |
| ८. | जलनिःस्सारण लाभकर | १% | १% |
| ९. | जललाभकर | १% | १% |
| १०. | मोकळ्या जागेचा | करयोग्य मुल्यावर सामान्य दराने | करयोग्य मुल्यावर सामान्य दराने |

शासनाचे कर :-

| करयोग्य मुल्य रु. | राज्य शिक्षणकर | | रोजगार हमीकर |
|--------------------------|----------------|------------|--------------|
| | निवासी | निवासेत्तर | निवासेत्तर |
| १ ते ७४ | - | - | - |
| ७५ ते १४९ | २% | ४% | १% |
| १५० ते २९९ | ३% | ६% | १.५% |
| ३०० ते २९९९ | ४% | ८% | २% |
| ३००० ते ५९९९ | ५% | १०% | २.५% |
| ६००० ते त्यापेक्षा जास्त | ६% | १२% | ३% |

वरील प्रमाणे "अ" मधील दुरुस्तीसह सन १९९७-९८ करिता करास सर्वानुमते मंजुरी देण्यात येते तसेच चर्चेअंती असे ठरले की, मनपा हद्दितील मालमत्ता कराच्या थकबाकीदराचे म्हणणे ऐकून घेवून त्यांना करण्यात आलेली आकारणी ही योग्य व नियमाप्रमाणे आली किंवा नाही याची तपासणी करून त्या संदर्भात निर्णय घेवून आयुक्तांना कार्यवाही करण्याबाबत शिफारस करण्याकरिता खालील सदस्य व अधिकारी यांची संयुक्त समिती गठीत करण्यात येते.

| | | |
|----|-------------------------------|--------------------|
| १. | श्री. सभापती | स्थायी समिती |
| २. | श्री. त्र्यंबक तुपे | स्थायी समिती सदस्य |
| ३. | श्री. सुभाष टाकळकर | स्थायी समिती सदस्य |
| ४. | श्री. अभिमन्यु भालेराव | स्थायी समिती सदस्य |
| ५. | श्री. अब्दुल रशीद खान (मामू) | स्थायी समिती सदस्य |
| ६. | श्री. भगवान घडामोडे | स्थायी समिती सदस्य |
| ७. | श्री. मुख्य लेखा परिक्षक | सदस्य |
| ८. | श्री. विधी सल्लागार | सदस्य |
| ९. | श्री करमूल्य निर्धारण अधिकारी | सदस्य सचिव |

ह्या ठरावास ह्याच सभेत कायम करण्यात येऊन सर्वसाधारण सभेत शिफारस करण्यात येते.

करिता प्रस्ताव विचारार्थ सादर.

संवाद :

नरेंद्र पाटील : कर आकारणी टपरी समिती अशा प्रकारच्या विविध समित्या झाल्या आहे याबाबतची माहिती स. सभासदांना दिली जात नाही. या समितीचे निर्णय मा. आयुक्तांवर बंधनकारक असतील का?

श्री. गिरजाराम हाळनोर : स्थायी समितीने निर्णय घेवून सर्वसाधारण सभेस शिफारस केलेली आहे त्यात हे सभागृह बदल करू शकते.

श्री. मोहसीन अहेमद : प्रस्तुत प्रस्तावानुसार आकारणी प्रस्तावाबाबत जी समिती गठीत करण्यात आली आहे त्या समितीत विरोधी पक्ष नेता हे सभासद असावेत. ह्या शिवाय ज्या वॉर्डातील कर आकारणी प्रकरण आहे. त्या वॉर्डाचे संबंधित नगरसेवकांस त्यात समावेश राहिल.

याशिवाय संबंधित विभागाचे अधिकारी आणि उपआयुक्त-२ यांचाही या समितीत समावेश करण्यात यावा.

- मा. महापौर : सभागृहाच्या भावना लक्षात घेवून कर आकरणी प्रकरणात जी समिती गठीत करण्यात आली आहे त्या समितीत मा. सभागृहनेता मा. सभापती स्थायी समिती मा. विरोधी पक्षनेता आणि संबंधित प्रभागाचे नगरसेवक मा. उपमहापौर तसेच विधी सल्लागार, मा. मुख्य लेखा परिक्षक यांचा समावेश करण्यात येतो. कर आकरणी विषयक गठीत करण्यात आलेल्या समितीच्या बैठका त्या त्या विभागाचे विभागीय कार्यालयात घेणार असल्याने विभागीय अधिकारी त्या समितीच्या बैठकीस हजर राहतील.
- श्री. प्रफुल्ल मालानी : प्रस्तुत प्रस्तावानुसार सुचविण्यात आलेली दरवाढ रद्द करण्यात यावी. यापुढे कर वाढ लावण्यात येणार नाही असे आश्वासन मागील सभेच्या वेळी देण्यात आले आहे.
- श्री. सै. अली मिरा सलामी : मालमत्ता कर आकरणी प्रकरणात घरमालक संघ नाशिक यांनी सर्वोच्च न्यायालयात दाखल केलेल्या प्रकरणातील निकालाची ह्या ठिकाणी देत आहे. या निकालानुसार घराच्या एन. आर. व्ही. मध्ये बदल येत नाही.
- मा. महापौर : प्रस्तुत प्रस्तावानुसार सुचविण्यात आलेली कर वाढ ही आवश्यक आहे. एन. आर. व्ही. बाबत चार मुद्दे आहेत.
- श्री. म. मुश्ताक : त्या महानगरपालिका हद्दितील नागरिक अहंमद हा देशातील सर्वात जास्त मालमत्ता कर भरणारा नागरिक आहे.
- श्री. नरेंद्र पाटील : मालमत्ता कराबाबतचा ठराव सन १९८९ मध्ये सभागृहाने फेटाळला होता. प्रशासनाने कर आकरणी करून घेण्याचा निर्माण करून ठेवला आहे ह्या ठरावाची अंमलबजावणी योग्य प्रकारे न झाल्याने न्यायालयातील प्रकरणे वाढतील.
- श्री. जावेद रज्जाक : २०X ३० च्या प्लॉटवर बांधलेल्या एका घराला इमारतीस ११०० रुपये कर आकरणी करण्यात आली आहे. या उलट आर. सी. सी. बांधकामाला मात्र रु. ४०० कर आकरण्यात आला आहे. हा भेदभाव कसा याचा खुलासा व्हावा.
- श्री. मुश्ताक अहेमद : ज्यांच्याकडे कर आकरणीचे काम त्या कर्मचाऱ्यांना कर आकरणीचे इ पान नाही. त्यासाठी उपाय म्हणून कर आकरणी विभागासाठी प्रतिनियुक्ती कर अधिकारी नेमण्यात यावा व एका स्टडी टूरचे आयोजन करण्यात यावे. त्यानुसार कर आकरणी करण्यात यावी.
- श्री. प्रफुल्ल मालानी : सन १९८९ च्या वाढीव कर आकरणीस शासनाची मंजूरी नसल्याने न्यायालयाने मनाई दिली आहे. तरी महापालिका यात वसुली करत आहे.
- मा. महापौर : विषय क्र. २ मंजूर करण्यात येतो.

ठराव क्र. २०९/२६ : प्रस्तावात दर्शविल्याप्रमाणे करयोग्य मुल्यावर दर आकरण्यासाठी (अ) मधील अ. क्र. १ ते १० ब (ब) मधील अ. क्र. १ ते ६ दुरुस्तीसह सन १९९७-९८ वर्षाकरिता वरील दरास सर्वानुमते मंजूरी देण्यात येते. तसेच थकबाकीदाराचे मालमत्ता कराच्या बाबतीत म्हणणे टाकून घेण्यासाठी गठीत करण्यात आलेल्या समितीस सर्वानुमते मंजूरी देण्यात येते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी

विषय क्र. २१०/३ : एन-११ सी सिडको भागात अस्तित्वात असलेली २" व्यासाची अकारणी बदणे आवश्यक आहे. सदर भागात ड्रेनेज लाईट व पाण्याची लाईन घराच्या पाठीमागील बाजूस एकाच ठिकाणी टाकण्यात आलेल्या आहेत. त्यामुळे ड्रेनेज लाईन कधी कधी चोकअप झाल्याने नळाद्वारे घाण पाणी येते. त्यामुळे आरोग्यास धोकादायक आहे. तसेच कमी व्यासाची जलवाहिनी असल्यामुळे लोकांना योग्य त्या दराने पाणीपुरवठा व्हावा व मिळत नाही. करिता २" पाईप लाईन ऐवजी घरासमोरून ४" व्यासाची पाईप लाईन टाकण्याचा प्रस्ताव आहे. त्या अनुषंगाने सदर कामाचे परिसर अभियांत्रिकी विभागाच्या सन ९५-९६ च्या दरसूचीनुसार अंदाजपत्रक रक्कम रुपये १२,८१,३२९/- चे तयार करण्यात आले असून सदर कामावर होणारा खर्च या सी. ए. वॉटर ह्या लेखा शिर्षकातील तरतूदी मधून सन ९७-९८ आर्थिक वर्षात कामी होती घेण्यात येईल.

तरी सदर कामाचे अंदाजपत्रक र. रु. १२,८१,३२९/- चे मंजुरीस्तव सादर.

ठराव क्र. २१०/३ : प्रस्तवात दर्शविल्याप्रमाणे एन-११ सी. सिडको भागात अस्तित्वात असलेली २" व्यासाची जलवाहिनी बदलणे आवश्यक आहे. तसेच त्या बरोबर ड्रेनेज लाईन व पाणी पुरवठ्याची पाईप लाईन पाठीमागील बाजूस एका ठिकाणी टाकण्यात आल्यामुळे आरोग्यास धोकादायक असल्याने २" पाईप लाईन ऐवजी घरासमोरून ४" व्यासाची पाईप लाईन टाकण्यासाठी अंदाजपत्रकीय रक्कम रु. १२,८१,३२९/- ला सदर खर्च सी.ए. वॉटर ह्या लेखा शिर्षकातून करण्यास सर्वानुमते मंजुरी देण्यात येते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

विषय क्र. २११/४ : एन-७ सिडको भागात अस्तित्वात असलेल्या कमी व्यासाच्या पी.व्ही.सी वॉटर पाईप लाईन व ड्रेनेज लाईन घराच्या पाठीमागील बाजूस एकाच ठिकाणी टाकण्यात आल्यामुळे पी. व्ही. सी. लाईन लिकेज होवून घाण पाणी मिसळून नळाद्वारे घाण पाणी येते. घाणपाणी आरोग्याच्या दृष्टीकोनातून धोकादायक आहे. त्यामुळे १", १^{१/२} व "२" अशा कमी व्यासाच्या पी.व्ही.सी. पाईप बदलणे आवश्यक आहे. तसेच मुख्य जलनिःसारण वाहिनी सुध्दा पी.व्ही.सी. असल्यामुळे ती सुध्दा बदलणे आवश्यक आहे.

त्या अनुषंगाने १०० मी. मी., १५० मी. मी. व्यासाची अं. सी. जलवाहिनी घरासमोरून टाकण्यासाठी परिसर अभियांत्रिकी विभागाच्या सन-९५-९६ च्या दरसूचीनुसार अंदाजपत्रक र. रु. ४१,२८,१७०/- चे तयार करण्यात आले असून सदर कामावर होणारा खर्च सी.ए. वॉटर या लेखा शिर्षामधून अर्थसंकल्पीय तरतूद उपलब्ध झाल्यावर काम करण्यात येणार आहे.

तरी सदर कामाचे अंदाजपत्रक रक्कम रु. ४१,२८,१७०/- चे मंजुरीस्तव सादर.

संवाद :

श्री. प्रभाकर विधाते: प्रस्तुत प्रस्तावानुसार एन-७ सिडको भागात पी.व्ही.सी. लाईन बदलून ए. सी. वाहिनी टाकण्यासाठी लागणारा खर्च सिडकोने महापालिकेकडे भरला आहे काय याचा खुलासा व्हावा.

श्री. काशिनाथ कोकाटे : सिडको भागाची पाणी पुरवठा योजना महापालिकेने ताब्यात घेतल्याने ह्या कामासाठी सिडकोने रक्कम भरण्याचा प्रश्नच येत नाही. कर्तव्य आणि पाणीपुरवठ्यासाठी नागरिकांकडून कर वसूल करत असल्याने ह्या ठरावास मंजुरी देण्यात यावी.

श्री. महादेव सुर्यवंशी : यापूर्वीही सिडको भागातील पी.व्ही.सी. लाईन काढून ए. सी. लाईन टाकण्याच्या कामाचे रक्कम सिडकोकडून वसूल करावी लागेल.

कार्यकारी अभियंता : सन १९९५ मध्ये सिडकोचे पाणी पुरवठा सिडकोकडून महापालिकेकडे वर्ग झाला आहे. त्यावेळी सिडकोने रक्कम दिली आहे.

मा महापौर : आतापर्यंत ज्या-ज्या भागातील पाईप लाईन बदलण्यात आली आहे त्यासाठी सिडकोने आतापर्यंत कती व कशा प्रकारे रक्कम महापालिकेकडे दिली आहे. याबाबतची माहिती कार्यकारी अभियंता यांनी सभासदांना द्यावी.

विषय क्र. ४ मंजूर करण्यात येतो.

ठराव क्र. २११/४ : प्रस्तावात दर्शविल्याप्रमाणे एन-७ सिडको भागात अस्तित्वात असलेली पी.व्ही.सी पाणीपुरवठा पाईप लाईन व ड्रेनेज लाईन घराच्या पाठीमागील बाजूस एकाच ठिकाणी टाकण्यात आलेल्या आहेत. ज्या त्या आरोग्यास धोकादायक आहे त्यामुळे १", १" व २" या कमी व्यासाच्या पाईप लाईन टाकण्यासाठी व त्या ठिकाणी १०० व २०० मी. मी. व्यासाची ए. सी. जलवाहिनी घरासमोरून टाकण्यासाठी सी. ए. वॉटर ह्या लेखा शिर्षातून अंदाजपत्रकीय रक्कम रु. ४१,२८,१७०/- ला सर्वानुमते मंजुरी देण्यात येते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

विषय क्र. २१२/५ : चिठलठाणा येथील लॉरकॉम कंपनीजवळ असलेली वसाहत (त्याला लागून असलेले पोलीस निवासस्थाने व लायन्स क्लब कॉलनी) यासाठी जलनिःस्सारण वाहिनी नसल्यामुळे जलनिःस्सारण वाहिनी टाकणे अत्यंत जरूरी आहे. त्याठिकाणी अनाधिकृतपणे खाजगी जागेत प्लॉट पाडून ते आरेखन मंजूर न करता घरे बांधण्यात आली आहेत. त्यामुळे महानगरपालिकेस विकास निधी प्राप्त नाही तसेच चिकलठाणा गावा शेजारी नदीमधून मुख्य जलनिःस्सारण वाहिनी टाकलेली आहे. त्या वाहिनीस सदरील भागातील जलनिःस्सारण वाहिनी जोडावी लागणार आहे. परंतु त्याची विल्हेवाट लावण्यास सध्या उपाययोजना नाही. सदरील वसाहत १२ ते १५ वर्षे जुनी आहे. सदरील भागात नागरिकांची जलनिःस्सारण वाहिनी व्यवस्था करावी अशी मागणी आहे. त्या अनुषंगाने सदरील कामाचे अंदाजपत्रक रक्कम रु. १२,०८,१००/- चे तयार करण्यात आले आहे.

सदरील भाग हा स्लम मध्ये येत नसून अनाधिकृत वसाहत आहे. सदरील अनाधिकृत वसाहतीमध्ये काम करणे बाबत धोरणात्मक निर्णय ठरवून काम करणे योग्य होईल. तरी प्रस्ताव मंजुरीस्तव सादर.

संवाद

:

श्री. कचरू नवपुते: चिकलठाणा ग्रामपंचायतीच्या काळात शासनाने ही घरे दिली आहे.

श्री. सै. अली मिरा सलामी : प्रस्तुत प्रस्तावानुसार जलनिःस्सारण वाहिनीचे काम करण्यात येणारी वसाहत ही अनाधिकृत आहे तेंव्हा सभागृहाच्या ठरावानुसार २५% रक्कम घेण्यात यावी किंवा नाही याचा विचार व्हावा

मा. महापौर : विषय क्र. ५ मंजूर करण्यात येतो.

ठराव क्र. २१२/५ : प्रस्तावात दर्शविल्याप्रमाणे चिठलठाणा लॉरकॉम कंपनी जवळील वसाहत त्यालाच लागून असलेले पोलीस निवासस्थाने व लायन्स क्लब कॉलनी या ठिकाणी जलनिःस्सारण वाहिनी टाकणे करिता व हि व स्लम घोषित झोपडपट्टी नसल्यामुळे जलनिःस्सारण वाहिनी टाकणे करिता व ही वसाहत १२ ते १५ वर्षे जुनी असल्यामुळे ह्या वसाहतीतील नागरिकांकडून अंदाजपत्रकीय रक्कम रु. १२,०८,१००/- खर्चाच्या २५%

लोकवर्गणी वसूल करून प्रस्तावित प्रमाणे कामे करून घेण्यास मंजूरी देण्यात येते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

विषय क्र. २१३/६ : सर्वसाधारण सभेचा ठराव क्र. २९/२७ दि. २०/०७/९६ अन्वये अनाधिकृत व वसाहतीमध्ये सुविधा पुरवावयाच्या असल्यास सदर खर्चाच्या २५% लोकवर्गणी नागरिकांनी भरल्यास सुविधा पुरविण्यात याव्या असा ठराव संमत झाला आहे. त्या अनुषंगाने सुरेवाडी येथे १००, १५०, २०० मी. मी. व्यासाची ए. सी. जल वाहीनी टाकण्यासाठी रक्कम रु. ४,९९,५५०/- चे अंदाजपत्रकाच्या २५% रु. (१,२४,८८८/-) पैकी रु. ९०,०००/- कार्यालयात जमा केले आहे व बाकी उरलेली रक्कम सुध्दा भरणार आहेत.

तरी सदर कामाचे रक्कम रु. ४,९९,५५०/- च्या अंदाजपत्रकास मंजूरी देण्याचा व काम त्वरित सुरु करण्याच्या मंजूरीस्तव सादर.

ठराव क्र. २१३/६ : प्रस्तावात दर्शविल्याप्रमाणे सुरेवाडी येथे १००, १५०, २०० मी. मी. व्यासाची ए. सी. जल वाहीनी टाकण्यासाठी अंदाजपत्रकीय रक्कम रु. ४,९९,५५०/- ला सर्वानुमते मंजूरी देण्यात येते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

विषय क्र. २१४/७ : कार्यकारी अभियंता यांनी प्रस्ताव सादर केला की, शासनाच्या "नागरी भागात कमी खर्चाची स्वच्छता" योजने अंतर्गत विविध महानगरपालिका व नगरपालिका यांना नविन संडास बांधण्याचे उद्दिष्ट देण्यात आले आहे. त्याप्रमाणे औरंगाबाद महानगरपालिकेस आर्थिक दृष्ट्या दुर्बल गटाकरिता एकूण ४५००/- नविन वैयक्तिक संडास बांधण्याचे उद्दिष्ट ठेवण्यात आले आहे.

शासन निर्णय क्र.१नावापु/क.ख./स्वयो/वैयक्तिकशौ/१०९६/प्र.क्र.-६/पापु २९, मंत्रालय, मुंबई दि. १०/१०/९६ नुसार प्रस्ताव २२५ वृक्ष तयार केला आहे. शासनाच्या मानकानुसार प्रति संडास रु. ५००० एवढा खर्च गृहित धरला आहे.

सदर योजना औरंगाबाद सहरातील फक्त आर्थिकदृष्ट्या दुर्बल गटातील घरांसाठीच नविलेली आहे. त्यानुसार महाराष्ट्र शासनाचे दि. १०/१०/९६ च्या परिपत्रकानुसार खालीलप्रमाणे तत्व ठरवून दिले आहे. प्रति संडास बांधकामाला खर्च रु. ५०००/- एवढा गृहित घेऊन द्वितीय सहाय्याचा आकृतीबंध खालील प्रमाणे राहिल.

आकृतीबंध (प्रती संडास करिता रुपये मध्ये)

| गट अर्थिकदृष्ट्या दुर्बल घटक | एकूण रक्कम रु. | हडको अनुदान | हडको कर्ज | राज्य शासन अनुदान | लाभार्थिना करावयाचा खर्च (वर्गणी) |
|------------------------------------|-------------------|----------------|-----------|----------------------|---|
| ५ व्यक्तीसाठी संडास | ५००० | १३५० | १५०० | १५०० | ६५० |

वरील आकृतीबंधानुसार मनपाने एक वैयक्तिक संडास बांधणेसाठी लागणारी अपेक्षित खर्च रु. ५०००/- धरला आहे. पैकी हडको व महाराष्ट्र शासनाकडून अनुक्रमे रु. १३५०/- व १५०० असे एकूण रु. २८५०/- अर्थसहाय्य मिळणार आहे. काम सुरु करतेवेळी लाभार्थिना वर्गणी प्रित्यर्थ रु. ६५० मनपामध्ये भरावी लागणार आहे. तसेच यातील हडको

कर्जाची रु. १५००/- ची फेड लाभाधारकाने पांच वर्षात मालमत्ता करासोबत करावी अशी अट लाभाधारकांवर ठेवण्यात येईल. त्यानुसार एकूण ४५००/- वैयक्तिक संडास करिता खालील प्रमाणे आर्थिकतत्व राहिल.

| हडको अनुदान | हडको कर्ज | राज्य शासनाचे अनुदान | लाभधारकांकडून वर्गणी प्रित्यर्थी |
|-------------|------------|----------------------|----------------------------------|
| ६०.७५ लक्ष | ६७.५० लक्ष | ६७.५० लक्ष | २९.२५ लक्ष |

वरील आर्थिक तत्वानुसार ६७.५० लक्ष हडको कडून कर्ज घ्यावे लागणार आहे. वरील कर्ज घेण्यास मंजुरी मिळावी व त्याप्रमाणे अंदाजपत्रक २२५ लक्षला मंजुरी मिळावी तसेच ह्या योजनेतील लाभ मिळाल्याच्या तारखेपासून पांच वर्षांच्या आंत लाभाधारकांकडून विभागीय अधिकारी मार्फत कर्ज वसूल करणे मंजुरीसाठी प्रस्ताव मंजुरीसाठी सादर.

ठराव क्र. २१४/७ : प्रस्तावात दर्शविल्याप्रमाणे औरंगाबाद मनपास आर्थिकदृष्ट्या दुर्बल घटाकांकरिता एकूण ४५००/- नविन वैयक्तिक संडास बांधण्याचे उद्दिष्ट असल्यामुळे प्रस्तावित प्रमाणे आर्थिक तत्वानुसार ६७.५० लक्ष हडकोकडून कर्ज घेण्यासाठी त्याचप्रमाणे अंदाजपत्रकीय रक्कम रु. २२५/- लक्ष खर्चास मंजुरी देण्यात येवून लाभाधारकांना योजनेचा लाभ मिळाल्यापासून विभागीय अधिकार्यां मार्फत पाच वर्षांच्या आंत कर्ज वसूल करण्याची सर्वानुमते मंजुरी देण्यात येते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

विषय क्र. २१५/८ : शहर अभियंता यांनी प्रस्ताव सादर केला की, मो. नारेंगाव येथील मनपा शाळेला चारी बाजूने कुंपण भिंत बांधणेच्या कामासाठी सा. बा. खात्याचे सन ९५-९६ जिल्हा दरसूचीनुसार रक्कम रु. २८,०८,८९०/- चे अंदाजपत्रक तयार करण्यात आले असून त्यास मा. आयुक्तांनी दि. ३०/१२/९६ अन्वये मंजुरी दिलेली आहे. सबब सदर कामासाठी रक्कम रु. २८,०८,८९०/- अंदाजपत्रक मंजुरीचा प्रस्ताव विचारार्थ सादर. सदरचा खर्च विकास इमारती शाळा, दवाखाने बांधणे या लेखा शिर्षातून प्रस्तावित आहे.

ठराव क्र. २१५/८ : प्रस्तावात दर्शविल्यानुसार मा. नारेंगाव येथील मनपा शाळेला चारी बाजूने कुंपण भिंत बांधणे कामसाठी विकास इमारती शाळा, दवाखाने बांधणे ह्या लेखा शिर्षातून अ. प. रक्कम रु. २८,०८,८९०/- ला सर्वानुमते मंजुरी देण्यात येते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

विषय क्र. २१६/९ : शहर अभियंता यांनी प्रस्ताव सादर केला की, प्राणी संग्राहलय येथील पिवळ्या वाघाच्या पिंजऱ्याच्या क्षेत्रफळात वाढ करणे, मागील शिल्लक भिंत बांधणे, पिंजऱ्या समोर खंदक तयार करणे, इ. कामासाठी सा. बां. खात्याचे सन ९५-९६ चे जिल्हा दरसूचीनुसार रक्कम रु. ७,९२,७९०/- चे अंदाजपत्रक तयार करण्यात आले असून त्यास मा. आयुक्तांनी प्रत्यक्ष स्थळ पाहणी करून उपरोक्त कामास दि. २२/१२/९६ अन्वये मंजुरी दिलेली आहे.

यापूर्वी फक्त क्षेत्रफळ वाढविण्यासाठी मागील भिंतीचे काम एका लाखाच्या हद्दपर्यंतचे पायाच्या लेव्हल पर्यंत पूर्ण करण्यात आलेले आहे. कामाचा उद्देश साध्य

होण्याच्या दृष्टीने अंदाजपत्रकात मागील भिंत क्षेत्रफळात वाढ करणे व समोर खंदक तयार करण्याची तरतूद करण्यात आलेली आहे. सबब सदरील कामसाठी रु. ७,९२,७१०/- चे अंदाजपत्रक मंजुरीचा प्रस्ताव विचारार्थ सादर. सदरचा खर्च सन ९६-९७ या वर्षात सिध्दार्थ उद्यान विकास कार्यक्रम रु. ३०.०० लाखाचे अर्थ तरतूदीमधून व प्राणी संग्रहालय विकास कार्यक्रम मधून करण्यात येईल.

ठराव क्र. २१६/९ : प्रस्तावात दर्शविल्याप्रमाणे सिध्दार्थ उद्यान प्राणी संग्रहालय येथील पिवळ्या वाघाच्या पिंजऱ्याच्या क्षेत्रफळात वाढ करणे, मागील शिल्लक भिंत बांधणे, पिंजऱ्या समोर खंदक तयार करणेच्या कामासाठी सिध्दार्थ उद्यान विकास कार्यक्रम ह्या लेखा शिर्षातून अंदाजपत्रकीय रक्कम रु. ७,९२,७१०/- ला सर्वानुमते मंजुरी देण्यात येते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

विषय क्र. २१७/१० : अतिरिक्त शहर अभियंता प्रस्ताव सादर करित आहे की, सभेदारी विश्रामगृह शेजारी नेहरू बालोद्यान येथे छत्रपती शिवाजी महाराज पुराण वस्तु संग्रहालयाच्या इमारतीच्या उभारणीचे काम प्रगती पथावर आहे.

या कामासाठी मा. सर्वसाधारण सभेने विषय क्र. ४०/१० अन्वये यापूर्वी रुपये ५९,७०००/- च्या सुधारित अंदाजपत्रकास (त्यात विविध बाबींचे विद्युतीकरण, वाढीव परिणाम व अतिरिक्त बाबीचा समावेश होता) मंजुरी देवून काम मे. एलोरा कन्स्ट्रक्शन कडून मंजूर निविदा दरात म्हणजेच ५% अधिक दराने करून घेण्यास मंजुरी दिलेली होती.

दरम्यान छत्रपती शिवाजी महाराज पुराण वस्तु संग्रहालयाच्या गठीत सल्लागार समितीची बैठक दिनांक २७/०८/९६ रोजी प्रत्यक्ष बांधकामाच्या साईटवर मा. खासदार श्री. प्रदिप जैस्वाल यांचे अध्यक्षतेखाली व मा. महापौर श्री. गजानन बारवाल व मा. आयुक्त महानगरपालिका औरंगाबाद यांचे प्रमुख उपस्थितीत पार पडली. या समितीचे स. अकारा सदस्य व मा. खासदार व मा. महापौर व मा. आयुक्त यांच्या चर्चेत जे मुद्दे उपस्थित झाले त्यानुसार व समितीचे निर्णय घेतले त्यानुसार सदरील कामात वाढ होत आहे. या वाढीव कामात पुरातण किल्ला सदृश्य भव्य प्रवेशद्वार नगरखाना, इमारतीच्या आतील भागातील मोकळ्या जागेचे सौंदर्यीकरण, भव्य संरक्षक भिंत वाहन तळाचे शेड, बाहेरील उर्वरित मोकळ्या जागेचा विकास व इतर इमारतीच्या अनुषंगाने छोटी मोठी कामे करण्याचा समावेश आहे.

सदरील वस्तु शासकीय अनुदानातून उभी राहत आहे. पूर्वीच्या मंजूर रकमेच्या मर्यादेत म्हणजेच रुपये ५९,८०,०००/- चे काम केल्यास हा प्रकल्प अर्धवट राहणार आहे. हा प्रकल्प छत्रपती शिवाजी महाराज यांच्या नावाने असल्याने प्रकल्प अर्धवट सोडणे योग्य होणार नाही. प्रकल्प अर्धवट सोडल्यास महानगरपालिकेवर सामाजिक टिका होण्याची शक्यता नाकारता येणार नाही त्यामुळे प्रकल्प पूर्ण होणे क्रम प्राप्त आहे.

ज्या कंत्राटदाराकडे मे. एलोरा कन्स्ट्रक्शन क. प्रकल्प उभारणी काम देण्यात येत आहे व त्या गुत्तेदारा व्यतिरिक्त इतर गुत्तेदारास हे काम दिल्यास प्रकल्प व त्यांची संकल्पना साकार होण्या अडचणी निर्माण होतील व प्रकल्प वेळेच्या आंत पूर्ण होणार नाही.

या प्रकल्पाची उभारणी आवश्यक असल्याने हा प्रकल्प शहराच्या आणि औरंगाबाद महानगरपालिकेच्या दृष्टीकोनातून मानबिंदू ठरणार आहे.

सबब या कामाचे सुधारित अंदाजपत्रक रक्कम रुपये ९२,९५,०००/- चे तयार करण्यात आले आहे तरी रुपये ९२,९५,०००/- च्या अंदाजपत्रकीय रकमेच्या खर्चास व सदरील काम या प्रकल्पाचे मुळ ठेकेदार मे. एलोरा कन्स्ट्रक्शन कं. यांचकडून

विद्युतीकरणाच्या कामासह त्याच्या पूर्वीच्याच मंजूरी निविदा दरानुसार म्हणजेच अंदाजपत्रकीय दरापेक्षा ५% अधिक दराने करण्यास मंजूरी मिळणेस्तव विनंती आहे.

प्रस्ताव विचारार्थ तथा मंजूरीस्तव सादर.

ठराव क्र. २१७/१० : प्रस्तावात दर्शविल्याप्रमाणे सुभेदारी विश्रामगृह शेजारी नेहरू बालोद्यान येथे छत्रपती शिवाजी महाराज पुराणवस्तु संग्रहालयाच्या प्रगती पथावर असलेल्या कामसाठी प्रस्तावात दर्शविल्याप्रमाणे अंदाजपत्रकीय रक्कम रु. १२,९५,०००/- ला सर्वानुमते देण्यात येवून सदर कामाचे गुत्तेदार मे. एलोरा कंन्स्ट्रक्शन यांचेकडून विद्युतीकरणाच्या कामास अंदाजपत्रकीय दरापेक्षा ५% जास्त दराने करून घेण्यास सर्वानुमते मंजूरी देण्यात येते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

विषय क्र. २१८/११ : अतिरिक्त शहर अभियंता यांनी प्रस्ताव सादर करित आहेत की, स्टेट बँक ऑफ हैद्राबाद कॉलनी (शहानुरवाडी) अंतर्गत रस्त्याचे पुर्नडांबरीकरण करणेच्या कामाचे अंदाजपत्रक सन १५-१६ च्या डी. एस. आर. दराने रु. ५,७५,०००/- चे अंदाजपत्रक तयार करण्यात आले असून त्यास मा. आयुक्त यांनी मंजूरी मिळालेली आहे.

सदरील कामाचा खर्च रस्ते दुरुस्ती व देखभाल पुर्नडांबरीकरण ह्या शिर्षकाखाली सन १६-१७ मधून प्रस्तावित आहे रस्त्याची लांबी १३१९ मीटर असून रुंदी ४.०० मी. १७.०० मी इतकी आहे.

तरी सदर कामासाठी तयार करण्यात आलेल्या रु. ५,७५,५००/- चे अंदाजपत्रकीय मंजूरी बाबतचा प्रस्ताव सर्वसाधारण सभेच्या विचारार्थ तथा मंजूरीस्तव सादर.

ठराव क्र. २१८/११ : प्रस्तावात दर्शविल्यानुसार स्टेट बँक ऑफ हैद्राबाद कॉलनी (शहानुरवाडी) येथील अंतर्गत रस्त्याचे पुर्नडांबरीकरण करणेच्या कामासाठी रस्ते दुरुस्ती देखभाल या शिर्षकामधून अंदाजपत्रकीय रक्कम रु. ५,७५,५००/- यांस सर्वानुमते मंजूरी देण्यात येते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

विषय क्र. २१९/१२ : अतिरिक्त शहर अभियंता यांनी प्रस्ताव सादर केला की, चिकलठाणा एम. आय.डी.सी. येथील एन.एस.ई.बी. भांडार ते नारेगांव प्राथमिक आरोग्य केंद्र या रस्त्याचे डांबरीकरण करण्याच्या कामासाठी सा. बां. खात्याच्या सन. १५-१६ च्या दरसूचीनुसार रुपये ११,७६,२००/- चे अंदाजपत्रक तयार करण्यात आले आहे. सदरील खर्च सन १६-१७ च्या भांडवली रस्ते डांबरीकरण ह्या शिर्षकाखाली करण्यात येईल सदरील रस्त्याची लांबी ११०० मीटर असून रुंदी ७.५० मी. आहे.

तरी सदर कामासाठी तयार करण्यात आलेले रु. ११,७६,२००/- चे अंदाजपत्रक मंजूरी बाबतचा प्रस्ताव सर्वसाधारण सभेच्या विचारार्थ तथा मंजूरीस्तव सादर.

ठराव क्र. २१९/१२ : प्रस्तावात दर्शविल्यानुसार चिकलठाणा एम.आय.डी.सी. येथील एन.एस.ई.बी. भांडार ते नारेगांव प्राथमिक आरोग्य केंद्र ह्या रस्त्याचे डांबरीकरण करण्याच्या कामासाठी भांडवली रस्ते डांबरीकरण ह्या लेखा शिर्षकातून अंदाजपत्रकीय रक्कम रुपये ११,७६,२००/- ला सर्वानुमते मंजूरी देण्यात येते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

विषय क्र. २२०/१३ : अतिरिक्त शहर अभियंता प्रस्ताव सादर करित आहे की, चिकलठाणा एम.आय.डी.सी. येथील टॉमको कंपनी ते आर. एल. स्टिल कंपनीच्या रस्त्याचे

पुर्नडांबरीकरणेच्या कामाचे सन १६-१७ चे सा. बां. खात्याचे व्ही.एस. आर. दराने रु. ८,३२,९००/- चे अंदाजपत्रक तयार करण्यात आले असून मा. आयुक्त ह्यांची मंजूरी मिळालेली आहे. रस्त्याची लांबी ८०० मी. असून रुंदी ७.५० मी आहे.

तरी सदर कामासाठी तयार करण्यात आलेल्या रु. ८,३२,९००/- चे अंदाजपत्रक मंजूरी बाबतचा प्रस्ताव सर्वसाधारण सभेच्या मंजूरीकरिता सादर.

ठराव क्र. २२०/१३ : प्रस्तावात दर्शविल्यानुसार चिकलठाणा एम.आय.डी.सी. येथील टोमॅको कंपनी ते आर. एल. स्टिल कंपनी या रस्त्याचे पुर्नडांबरीकरण करणेच्या कामासाठी अंदाजपत्रकीय रक्कम रु. ८,३२,९००/- ला सर्वानुमते मंजूरी देण्यात येते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

विषय क्र. २२१/१४ : प्रस्ताव सादर करण्यात येतो की, सध्या महानगरपालिकेच्या शाळेवर (१०) चौकीदाराची तात्पुरती नेमणूक वेतनश्रेणीत प्रत्येक एका वर्षाकरिता करण्यात येते व तांत्रिक खंड देवून परत पुढच्या वर्षाकरिताचा नियुक्तीचा आदेश काढण्यात येतो. उक्त १० चौकीदारांना कायम करण्याकरिता १० चौकीदारांची पदे निर्माण करावी लागेल.

करिता शिक्षण विभागाकरिता चौकीदाराची १० पदे वेतनश्रेणी रु. ७५०-१२-८७० द. रो. १४-९४० मध्ये निर्माण करण्यासाठी प्रस्ताव विचारार्थ व निर्णयास्तव सादर.

संवाद :

श्री. हमीदउद्दीन ताबा : दोन वर्षापूर्वी महापालिका शाळावर चौकीदाराचे पदे निर्माण करण्याचा ठराव मंजूर झाला आहे तो शासनास का पाठविला गेला नाही याचा खुलासा व्हावा.

उप आयुक्त : ज्यावेळी ठराव झाला त्यावेळी ही पदे नव्हती खंड देवून दैनिक वेतनावर चौकीदार लावण्यात आले होते.

श्री. मोहसीन अहेमद : चौकीदाराच्या किती जागा रिक्त आहे. शासनाकडे ठराव का पाठवला गेला नाही माझ्या माहितीप्रमाणे आणखी १५ पदाची आवश्यकता आहे याचा खुलासा व्हावा.

उप आयुक्त : चौकीदार ह्या पदासाठी शासनाकडून अनुदान मिळत नाही. प्रशासनामार्फत प्रथमच हा ठराव सभागृहापुढे सादर करत आहोत.

श्री. मुस्ताक अहेमद : सभागृहात अनेक ठराव मंजूर झालेले आहेत. ह्या ठरावाची अंमलबाजावणी झाली किंवा नाही याची जबाबदारी आपली आहे. नुसते ठराव मंजूर करून काय उपयोग.

मा. महापौर : आजपर्यंत किती प्रस्ताव मंजूर झालेले, त्यावरकाय कार्यवाही झाली, जे निर्णय घेतले आहेत ते प्रस्ताव शासनाकडे पाठवावेत व त्याबाबतची सविस्तर माहिती प्रशासनाने सभागृहास द्यावी.

विषय क्र. १४ मंजूर करण्यात येतो.

ठराव क्र. २२१/१४ : प्रस्तावात दर्शविल्यानुसार महानगरपालिकेच्या शाळेवर १० चौकीदारांची पदे निर्माण करण्यासाठी वेतनश्रेणी रु. ७५०-१२-८७० द.रा. १४-९४० मध्ये निर्माण करण्याची सर्वानुमते मंजूरी देण्यात येते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

विषय क्र. २२२/१५ : शहर अभियंता यांनी प्रस्ताव सादर केला की, रेल्वेस्टेशन येथील साधना लॉज जवळ मनपाचे दुकान केंद्र बांधणेच्या कामासाठी मा. सर्वसाधारण सभा ठराव क्र. १५१/३ दि. १८/०१/९६ अन्वये र. रुपये ३०,००,०००/- चे अंदाजपत्रकास मंजूरी प्राप्त झालेली आहे. सदर प्रकल्पामध्ये फक्त दुकानाच समावेश होतो. सदर बांधकामासाठी लागणारे नकाशे "स्पर्धात्मक" पध्दतीने मागविण्यात आले असता सदर नकाशात निवडीसाठी मा. आयुक्तांचे अध्यक्षतेखाली एक नकाशा निवड समिती गठीत केली होती. सदर समितीमध्ये मे. आय. क्यू. असोसियटस् यांच्या नकाशामध्ये फेरफार करून मध्यभागी मंगल कार्यालय व चहुबाजून दुकाने बांधणे असा निर्णय निवड समितीने दि. ०७/०६/९६ रोजी दिला व मे. आय. क्यू. असोसियटस यांचे नकाशानुसार सदर ठिकाणी मंगल कार्यालय व मंगल कार्यालयाच्याभोवती दुकाने बांधण्याच्या कामासाठी सुधारित अंदाजपत्रक सन ९६-९७ च्या दरसूची नुसार तयार करण्यात आले असून रु. ४३,२२,१४७/- होत आहे. त्यास मा. आयुक्तांनी दि. १४/०२/९७ अन्वये मा. सर्वसाधारण सभेमध्ये प्रस्ताव सादर करण्याची शिफारस केलेली आहे. सबब सदर कामाचे सुधारित अंदाजपत्रक सन ९६-९७ दरसूचीनुसार तयार करण्यात आले असून रु. ४३,२२,१४७/- होत आहे. त्यास मा. आयुक्तांनी दि. १४/०२/९७ अन्वये मा. सर्वसाधारण सभेमध्ये प्रस्ताव सादर करण्याची शिफारस केलेली आहे. सबब सदर कामाचे सुधारित अंदाजपत्रक रु. ४३,२२,१४७/- मंजूरीचा प्रस्ताव विचारार्थ सादर.

सदरील प्रकल्प बांधकामाचा खर्च व्यापारी संकुल व इतर इमारती बांधणे ह्या लेखा शिर्षातून प्रस्तावित आहे.

ठराव क्र. २२२/१५ : प्रस्तावात दर्शविल्यानुसार रेल्वेस्टेशन येथील साधना लॉज जवळ मनपाचे दुकान केंद्र बांधणेच्या कामासाठी व्यापारी संकुल व इतर इमारती बांधणे या लेखा शिर्षातून अंदाजपत्रकीय रक्कम रु. ४३,२२,१४७/- सर्वानुमते मंजूरी देण्यात येते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

विषय क्र. २२३/१६ : शहर अभियंता यांनी प्रस्ताव सादर केला की, बायजीपुरा इंदिरानगर येथील मनपा प्राथमिक शाळेवर पहिला मजला बांधणेच्या कामासाठी सा. बां. खात्याचे सन ९५-९६ चे जिल्हा दरसूचीनुसार रक्कम रुपये ८,२४,९१०/- चे अंदाजपत्रक तयार करण्यात आले असून त्यास मा. आयुक्तांनी दि. २२/१२/९६ अन्वये मंजूर दिलेली आहे. सदरील इमारतीचा तळ मजला काही भाग सन ९२-९३ मध्ये बांधलेला असून सदरील बाबत शिक्षण अधिकारी यांनी अभिप्राय दिलेले आहे. सन ९६-९७ ची बाकी असलेली अर्थ तरतूद लक्षात घेता वर्ग खोल्या बांधण्याची तरतूद करण्यात आलेली आहे.

सबब सदर कामाचे रक्कम रु. ८,२४,९१०/- चे अंदाजपत्रक मंजूरीचा प्रस्ताव विचारार्थ सादर.

सदरचा खर्च विकास इमारती शाळा व दवाखाने बांधणे ह्या लेखा शिर्षातून प्रस्तावित आहे.

ठराव क्र. २२३/१६ : प्रस्तावात दर्शविल्यानुसार बायजीपुरा इंदिरानगर येथील मनपा प्राथमिक शाळेवर पहिला मजला बांधणेच्या कामासाठी विकास इमारती शाळा व दवाखाने बांधणे या लेखा शिर्षातून अंदाजपत्रकीय रक्कम रुपये ८,२४,९१०/- ला सर्वानुमते मंजूरी देण्यात येते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

विषय क्र. २२४/१७ : शहर अभियंता यांनी प्रस्ताव सादर केला की, मो. चिकलठाणा येथील नवीन आठवडी बाजार अंतर्गत खडी रस्त्याचे डांबरीकरण करणे कामाकरिता रु. ७,८२,४५०/- च्या अंदाजपत्रक सा. बां. विभाग औरंगाबाद यांची दरसूची ९५-९६ अन्वये तयार करण्यात आली असून मा. आयुक्तांनी दि. २५/०२/१७ रजी प्रशासकीय मान्यता दिली आहे.

सदर काम १८ खेडी विकास कार्यक्रम अंतर्गत करण्यात येईल करिता मंजुरीस्तव विचारार्थ सादर.

ठराव क्र. २२४/१७ : प्रस्तावात दर्शविल्या नुसार चिकलठाणा येथील नवीन आठवडी बाजार येथील अंतर्गत खडी रस्त्याचे डांबरीकरण करण्यासाठी १८ खेडी विकास कार्यक्रम अंतर्गत लेखा शिर्षातून अंदाजपत्रकीय रक्कम रुपये ७,८२,४५०/- सर्वानुमते मंजुरी देण्यात येते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

विषय क्र. २२५/१८ : अतिरिक्त शहर अभियंता यांनी प्रस्ताव दिला की, औरंगपुरा ते मिलकॉर्नर रस्ता दुभाजकावर लोखंडी रेलिंग बसविणे या कामासाठी सा. बां. खात्याच्या सन ९६-९७ च्या दरसूचीनुसार अंदाजपत्रक रु. ११,७०,४८५/- चे तयार करण्यात आले आहे. सदरील कामाचा खर्च भांडवली रस्ते सन ९७-९८ ह्या लेखा शिर्षातून करण्यात येईल.

तरी सदरील कामासाठी तयार करण्यात आलेले अंदाजपत्रक रु. ११,७०,४८५/- चे मंजुरी बाबतचा प्रस्ताव मा. सर्वसाधारण सभेच्या विचारार्थ तथा मंजुरीस्तव सादर.

ठराव क्र. २२५/१८ : प्रस्तावात दर्शविल्यानुसार औरंगपुरा ते मिल कॉर्नर रस्त्यावरील दुभाजकावर लोखंडी रेलिंग बसविणे कामासाठी भांडवली रस्ते ह्या शिर्षातून अंदाजपत्रकीय रक्कम रु. ११,७०,४८५,- सर्वानुमते मंजुरी देण्यात येते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

विषय क्र. २२६/१९ : अतिरिक्त शहर अभियंता यांनी प्रस्ताव सादर केला आहे की, शहानुरमियाँ दर्गा ते बीड डायव्हर्शन ह्या विकास रस्त्याचे डांबरीकरण करणेच्या कामाचे सन १९९५-९६ चे सा. बा. खात्याचे दरसूची नुसार रु. ११,०८,३४२/- चे अंदाजपत्रक तयार करण्यात आले असून त्यास मा. आयुक्त यांची मंजुरी मिळालेली आहे. सदरील कामाचा खर्च भांडवली रस्ते (डांबरीकरण) ह्या लेखा शिर्षातून सन १९९६-९७ साली उपलब्ध असलेल्या तरतुदीमधून प्रस्तावित आहे. रस्त्याची लांबी ७४० मी. असून रुंदी १२.५० मी. आहे.

तरी सदर कामासाठी तयार करण्यात आलेल्या रु. ११,०८,३४२/- चे अंदाजपत्रक मंजुरी बाबतचा प्रस्ताव विचारार्थ तथा मंजुरीस्तव सादर.

ठराव क्र. २२६/१९ : प्रस्तावात दर्शविल्यानुसार शहानूर मिया दर्गा ते बीड डायव्हर्शन ह्या ८० फूटी विकास रस्त्याचे डांबरीकरण करण्याच्या कामासाठी अंदाजपत्रकीय रक्कम रुपये ११,०८,३४२/- ला सर्वानुमते मंजुरी देण्यात येते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

विषय क्र. २२७/२० : नगर सचिव यांनी प्रस्ताव सादर केला आहे की, मा. महापौर, उपमहापौर व स्थायी समिती सदस्य तसेच स्थायी समिती सभापती पदासाठी नामनिर्देशनपत्र महापालिका / कामकाज नियमावलीचे नियम क्र.४७ नुसार सर्वसाधारण सभा वेळोवेळी

ठरविल त्या नमुन्यात असले पाहिजे. सध्या उपयोगात असलेले नामनिर्देशन पत्राचा नमुना १९८८ पासून तसाच चालू आहे.

७४ व्या घटना दुरुस्तीनुसार महापौर हे पद वेगवेगळ्या घटाकांसाठी राखीव ठेवलेले आहे हे पद १९९५ पूर्वी राखीव ठेवलेले नसल्यामुळे नामनिर्देशन पत्राचे नमुन्यात दुरुस्ती करणेची गरज भासली नाही. ७४ व्या घटना दुरुस्तीचे अनुषंगाने महापौर हे पद वेगवेगळ्या घटाकासाठी राखीव ठेवलेले आहे. हे पद १९९५ पूर्वी राखीव ठेवलेले नसल्यामुळे नामनिर्देशन पत्राचे नमुन्यात दुरुस्ती करणेची गरज भासली नाही. ७४ व्या घटना दुरुस्तीचे अनुषंगाने महापौर हे पद वेगवेगळ्या घटाकासाठी राखीव ठेवले असल्याने महापौर ह्या पदासाठी भरावयाचा नामनिर्देशन पत्राचा दुरुस्त मसुदा मंजुरीस्तव सादर.

तसेच उपमहापौर, सभापती, स्थायी समिती व सदस्य, स्थायी समितीच्या पदासाठी भरावयाच्या नामनिर्देशन पत्राचा मसुदा मंजुरीस्तव सादर. सोबत मसुदा जोडला आहे.

संवाद :

श्री. काशिनाथ कोकाटे : महापालिका सभासदांची निवड पंचायत राजप्रमाणे असेल तर स्विकृत सभासद आणि वॉर्ड समिती याबाबत काय कार्यवाही झाली तसेच झोन कमिटी बाबत काय कार्यवाही झाली याचा खुलासा व्हावा.

श्री. मुश्ताक अहेमद : वॉर्ड कमिटीची निवडणूक आवश्यक आहे.

मा. महापौर : वॉर्ड कमिटी तयार करण्याबाबत प्रशासनाने कार्यवाही करावी. विषय क्र. २० मंजूर करण्यात येतो.

ठराव क्र. २२७/२० : प्रस्तावात दर्शविल्यानुसार मा. महापौर, उपमहापौर व स्थायी समिती सदस्य तसेच स्थायी समिती सभापती पदासाठी नामनिर्देशन पत्र महापालिका कामकाज नियमावलीचे नियम क्र. ४७ नुसार व ७४ व्या घटना दुरुस्तीनुसार महापौर हे पद वेगवेगळ्या घटाकांसाठी राखीव ठेवण्यात आल्यामुळे महापौर या पदासाठी भरावयाचा नामनिर्देशन पत्राचा मसुदा प्रस्तावित प्रमाणे सर्वानुमते मंजुरी देण्यात येते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

विषय क्र. २२८/२१ : महानगरपालिका आस्थापनेवर ४१ सहशिक्षकांच्या जागा भरण्यासाठी मुलाखती घेण्यात आल्या होत्या. त्यानंतर दि. ३१/०७/१६ रोजी ३७ शिक्षकांचे नियुक्तीचे आदेश काढण्यात आले आहे. त्यापैकी २४ शिक्षक कामावर रुजू झाले. तथापि प्रकरणामध्ये चौकशी समितीची नियुक्ती करण्यात आल्यामुळे नवनि्युक्त शिक्षकांना चौकशी समितीचा निर्णय प्रलंबित असल्या कारणाने त्यांचे मासिक वेतन देण्यात विलंब होत असल्याने मा. महापौर योनी दि. १९/०२/१७ रोजी केलेल्या तजवीजनुसार संबंधिताचे वेतन अदाई करणे बाबतची कार्यवाही करण्यात आलेली आहे.

करिता सर्वसाधारण सभेच्या मान्यतेस्तव प्रस्ताव सादर.

संवाद :

श्री. भगवान घडामोडे : मान्यता दृष्टीकोनातून शिक्षकांचा पगार देण्यास मंजुरी देण्यात यावी.

मुख्य लेखा परिक्षक : नवनिर्वाचित शिक्षकांचा पगार देण्याबाबतच्या संचिकेवर कायदेशीर मत घेण्यात आले असता मिनिमम वेजेस प्रमाणे पगार देणे आवश्यक आहे. आणि हाच अभिप्राय संचिकेवर दिला आहे.

स. नगरसेवक श्री. जावेद रज्जाक यांनी सभागृहात असंदीय वाक्य वापरले, श्री. जोशी, गिरजाराम हाळनोर सभापती, प्रफुल्ल मालानी डॉ. कराड, अॅड. वानखेडे सौ. पद्मा शिंदे, स. सभासद श्री. जावेद रज्जाक यांनी महापौर, सभापती, यांचेवर आरोप केला आहे, म्हणून श्री. जावेद रज्जाक यांचे सभासदत्व रद्द करण्यात यावे.

मा. महापौर : स. सभासद श्री. जावेद रज्जाक यांना सूचना करण्यात येते की, त्यांनी आपले शब्द मागे घ्यावेत व सभागृहात दिलगिरी व्यक्त केली नाही म्हणून स. सभासद श्री. जावेद रज्जाक यांचे एक दिवसाचे सभासदत्व रद्द करण्यात आल्याचे घोषित करतो.

श्री. अब्दुल रशिद खॉन मामू : शिक्षक भरती प्रकरणात गठीत करण्यात आलेल्या उपसमिती निर्णय किती दिवसात घेण्यात येईल याचा खुलासा करावा.

मा. महापौर : शिक्षक भरती उपसमितीची येत्या १५ दिवसात बैठक घेवून निर्णय घेण्यात येईल विषय क्र. २१ मंजूर करण्यात येतो.

ठराव क्र. २२८/२१ : प्रस्तावात दर्शविल्याप्रमाणे महानगरपालिका अस्थापनेवर ४१ सहशिक्षकांच्या जागा रितसर मुलाखती घेवून भरण्यात आल्या आहेत. त्यापैकी ३७ सहशिक्षकांच्या नियुक्तीचे आदेश काढण्यात आले आहेत. २४ सह शिक्षक कामावर रुजू झाले आहेत. दिनांक ३१/०७/१६ पासून रुजू झालेल्या शिक्षकांना अद्यापपर्यंत वेतन प्रदान करण्यात आले नसल्यामुळे मा. महापौर यांनी दि. १९/०२/१७ चे तजविजनुसार वेतन केल्याच्या कार्यवाहीस सर्वानुमते मंजुरी देण्यात येते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

पुरवणी विषय पत्रिका

विषय क्र. २२९/१ : मौजे आप्पावाडी येथे बालावाडी नसल्यामुळे तेथील लहान लहान मुलांना आप्पावाडी मधून ४ कि. मी. अंतरावर मिटमिटा येथे पायी यावे लागते. कारण ह्या ठिकाणी कोत्याही वाहनाची योग्य सोय नाही. तरी आप्पावाडी येथे बालावाडी बांधल्यास तेथील लहान मुलांची शिक्षणाकरिता होणारी गैरसोय टळेल.

करिता प्रस्तावा विचारार्थ सादर.

सुचक : सौ. रुखमनबाई लोखंडे
अनुमोदक : श्री. कचरू चंद्रभान नवपुते

ठराव क्र. २२९/१ : प्रस्तावात दर्शविल्याप्रमाणे मौजे आप्पावाडी येथे बालावाडी नसल्यामुळे व तेथील मुलांना आप्पावाडी पासून चार कि.मी. अंतरावर पायी मिटमिटा येथे जावे लागते. म्हणून आप्पावाडी येथे बालावाडी उभारण्यास सर्वानुमते मंजुरी देण्यात येते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

विषय क्र. २३०/२ : मो. एकतानगर, तक्षशीलानगर येथे नवीन मोठ्या प्रमाणात वसाहती विकसीत झालेल्या आहेत. या ठिकाणी लोकवस्ती वाढल्याने लोकांचे सांडपाणी / ड्रेनेज रस्त्यावर सोडलेले असल्याने तेथील नागरिकांना आरोग्याच्या गंभीर प्रश्न निर्माण झालेला आहे. करिता ही वसाहत अनाधिकृत विकसीत झालेली असली तरी ड्रेनेज ही अत्यावश्यक सेवा देण्यात यावी. करिता प्रस्ताव विचारार्थ सादर.

सुचक : सौ. शीलाबाई गुंजाळे
अनुमोदक : श्री. गिरजाराम हाळनोर

ठराव क्र. २३०/२ : प्रस्तावात दर्शविल्याप्रमाणे मो. एकतानगर, तक्षशीलानगर येथे नवीन वसाहती विकसीत झालेल्या आहेत. व घरांना कर आकारणी करण्यात आलेली आहे.

म्हणून नागरिकांना आरोग्याचा गंभीर प्रश्न निर्माण झालेला आहे. म्हणून ड्रेनेज लाईन टाकण्याची मंजूरी सर्वानुमते देण्यात येते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

विषय क्र. २३१/३ : शिक्षक विभागात सध्या कार्यरत असलेल्या एकूण ४० सेविकांना ठराविक वेतन रु. १०००/- ऐवजी रु. २५००/- वाढवून देण्याकरिता प्रस्ताव मंजुरीस्तव सादर करणे. सध्या महागाईच्या काळात रु. १०००/- हे वेतन देणे योग्य नाही. ह्या संदर्भात सन १९९० च्या सर्वसाधारण सभेच्या प्रस्ताव क्र. १६ दि. १६/०६/९० प्रमाणे सदरील सेविकांना कायम स्वरूपी नौकरीत समाविष्ट करण्यात आले नाही. जो पर्यंत कायम स्वरूपी समाविष्ट करण्यात येत नाही. तोपर्यंत त्यांना ठराविक वेतन रु. २५००/- मंजुरीस्तव सादर. प्रस्ताव विकचारार्थ सादर.

सुचक : श्री. मुजीब आलमशाखान
अनुमोदक : श्री. नरेंद्र पाटील
श्रीमती आबेदा बेगम

संवाद :

श्री. गौतम खरात : प्रस्तुत प्रस्तावात महापालिकेत काम करणाऱ्या सर्व दैनिक वेतनावरील कर्मचाऱ्यांचा विचार व्हावा.

मा. महापौर : सदर प्रस्ताव तुरंत स्थगित ठेवण्यात यावा.

ठराव क्र. २३१/३ : सर्वानुमते असे ठरले की, सदर प्रस्ताव तुरंत स्थगित ठेवण्यात यावा. कायदेशीर बाबी तपासून सविस्तर अहवाल द्यावा.

विषय क्र. २३२/४ : मो. शहाबाजार येथे म्हाडा तर्फे महाराष्ट्र हौसिंग बोर्ड कॉलनी येथे घर बांधण्यात आलेले आहे. त्या कॉलनीतून मुख्य रस्त्याकडे म्हणजेच चंपा मस्जिद ते पंचायत समिती रोडवर (पश्चिम भाग) जाण्याकरिता रस्ता सोडण्यात आला होता. परंतु ह्या कॉलनीत शाळा यशवंतराव चव्हाण हायस्कूलच्या पदाधिकाऱ्यांनी ह्या रस्त्यावर अतिक्रमण करून रस्त्याच्या वापर शाळेतील खुल्या जागेकरिता केलेला आहे. रहिवाशांना जाण्या येण्यास मार्गच नसल्याने ते फार त्रस्त झालेले आहेत.

म्हाडाने ह्या संबंधी मनपाशी पत्रव्यवहार केलेला आहे.

परंतु मनपाने अद्याप कोणतीही कार्यवाही केलेली नाही. सदरील रस्ता हा म्हाडातर्फे मंजूर रेखांकना मधील असल्याने रस्त्यावरील शाळेचे अतिक्रमण त्वरित हटवून रस्ता (म्हाडातर्फे मंजूर रेखांकना मधील असल्याने) मोकळा करण्यात यावा. प्रस्ताव मंजुरीस्तव सादर.

सुचक : श्री. मुजीब आलमशाखान
अनुमोदक : श्री. अजिजखाँ गणीखाँ

संवाद :

मा. महापौर : प्रशासकीय अधिकारी यांनी पाहणी करून कार्यवाही करावी व आवश्यक त्या ठिकाणी मा. आयुक्त यांनी मदत द्यावी.

श्री. जयवंत ओक : अशी हजारो बांधकाम शहरात चालू आहेत. ह्या बांधकामाची सुध्दा प्रत्यक्ष पाहणी करून निर्णय घेण्यात यावा.

ठराव क्र. २३२/४ : सर्वानुमते असे ठरले की, प्रशासनाने पाहणी करून योग्य ती कायदेशीर कार्यवाही करावी.

विषय क्र. २३३/५ : प्रस्ताव सादर करण्यात येतो की, माहे डिसेंबर मध्ये होणाऱ्या सर्वासाधारण सभेचा अजेंडा हा उर्दू भाषेतून देण्याकरिता त्वरित एक उर्दू माध्यमाच्या रायटरची नियुक्ती करण्यात यावी. व त्याप्रमाणे मनपा सर्वसाधारण सभा व स्थायी समिती सभेचा अजेंडा उर्दू मधून नगरसेवकांना पुरविण्यात यावा. करिता प्रस्ताव विचारार्थ सादर.

संवाद :

मा. महापौर : सभागृहाचे सर्व कामकाज सभाकामकाज नियमावली आणि महापालिका अधिनियमानुसार मराठीतून चालते याबाबत ठराव शासनाचे मंजूरीस पाठविण्यात आला आहे. त्यास अद्याप मंजूरी मिळालेली नाही. म्हणून हा ठराव तूर्त स्थगित ठेवण्यात यावा.

ठराव क्र. २३३/५ : सर्वानुमते असे ठरले की, सदर प्रस्ताव तूर्त स्थगित ठेवण्यात यावा.

विषय क्र. २३४/६ : प्रस्ताव सादर करण्यात येतो की, औरंगाबाद मेडीकल कॉलेजमध्ये जी फि वाढविण्यात आलेली आहे ते कोणत्याही चेकअपला फी वाढविण्यात आलेली आहे.

उदा : सर्वसाधारण फी, रक्त तपासणी फी, युवरी टेस्ट, ई.सी.पी. अॅडमीशन, जेवण व इतर चेकअप वाढविण्यात आलेले आहेत.

तरी शासनाने ही कमी करावी. या करिताचा मनपाने असा ठराव एकमताने पास करून शासनाला पाठविण्यास्तव प्रस्ताव विचारार्थ सादर.

सुचक : श्री. अ. रशीदखान (मामू)

अनुमोदक : श्री. गौतम खरात, श्री. मुजीब आलमशा खान

श्री. मोहसीन

ठराव क्र. २३४/६ : औरंगाबाद महानगरपालिका मेडीकल कॉलेज येथे सर्वसाधारण फी, वाढ करण्याचा निर्णय घेतला असला तरी या हॉस्पिटलमध्ये औरंगाबाद आणि त्या परिसरातील गोरगरिब नागरिक औषधोपचार घेत असल्याने औरंगाबाद मेडीकल कॉलेज मध्ये सर्वसाधारण फी रक्त तपासणी फी, ई.सी. जी. इत्यादी बाबत जी वाढ करण्यात आली आहे. ती शासनाने कमी करावी अशी या सभागृहातर्फे शिफारस करण्यात येते त्यास सर्वानुमते मंजूरी देण्यात येते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

विषय क्र. २३५/७ : औरंगाबाद महानगरपालिका अस्थापनेवर क. अभियंता दुय्यम आवेक्षक पदे रिक्त आहेत. सदर पदावर अनुभव असलेल्या कर्मचारी घेतल्यास त्यांचे अनुभववाचा फायदा मनपास होईल अनुभव असणाऱ्या कर्मचाऱ्यांना प्राधान्य देण्यास हरकत नसावी.

करिता ह्यापूर्वी सेवा वर्ग करण्यात आलेल्या उमदेवारांची ज्या शर्ती व अटीवर सेवा वग्न करण्यात आली त्या शर्ती/ अटीवर श्री. सी. पी. गायके यांची कनिष्ठ अभियंता म्हणून श्री. बी. एस. गंगावणे यांची दुय्यम आवेक्षक म्हणून मनपामध्ये सेवावर्ग करण्यास हरकत नसावी.

सुचक : श्री. गौतम खरात
अनुमोदक : श्री. हमीद उद्दीन ताबा.

ठराव क्र. २३५/७ : सर्वानुमते असे ठरले की, सदर प्रस्ताव तूर्त स्थगित करण्यात येतो.

विषय क्र. २३६/८ : महानगरपालिकेच्या विविध प्रभागामध्ये विविध विभागातर्फे अ-१ निविदा पत्रकानुसार मोठ्या प्रमाणात काम होती घेवून पूर्ण करण्यात येतात. सदर कामे पूर्ण न होताच कामाचे बिलांची रक्कम संबंधीत गुत्तेदारास अदाई करण्यात येते. कामाचा दर्जा अत्यंत निकृष्ट प्रकारचा असतो. सदर कामासाठी अत्यंत निकृष्ट दर्जाचे साहित्य त्या गुत्तेदारामार्फत वापरण्यात येते. अ-१ चे प्रत्येक कामामध्ये मोठ्या प्रमाणात भ्रष्टाचार होत असून ज्यामुळे महापालिकेची बदनामी होत आहे. अ-१ निविदा पत्रकास यानंतर कुठलेही काम करून घेण्यात येवू नये. अ-१ निविदा पत्रकाची सर्व काम रद्द करणे बाबत प्रस्ताव विचारार्थ व मंजूरीस्तव सादर.

सुचक : श्री. अ. जावेद रज्जाक
अनुमोदक : श्री. मोहसीन अहेमद
श्री. मुश्ताक अहेमद
डॉ. बी. के. कराड.

ठराव क्र. २३६/८ : सर्वानुमते असे ठरले की, सदर प्रस्ताव तूर्त स्थगित करण्यात येतो.

विषय क्र. २३७/९ : आपल्या महानगरपालिकेकरिता कार्यालयीन कामकाजासाठी उपयोगी असलेली विविध फॉर्मस् , रजिष्टरस् इ. महत्वाची कागदपत्रे तसे अर्थसंकल्पे, स्मरणिका इ. छपाई करून घ्यावी लागते. तसेच शिक्षण विभागाकरिता सर्व शाळांना छपाईचे काम खूप मोठ्या प्रमाणात करावे लागते. त्याबरोबर प्रकल्प विभागामार्फत शहरातील सर्व झोपडपट्टी वासियांकरिता आणि सुशिक्षित बेरोजगारांकरिता वेळोवेळी विविध योजना राबवितांना फॉर्मस्, माहिती पुस्तिका इ. छपाई केली जाते. यावर मनपाचा लाखो रुपयांचा खर्च होत असतो. तसेच विविध कार्यक्रम होत असतात. त्यांच्या निमंत्रण पत्रिका वेळेवर छपाई न झाल्याने कार्यक्रमाचे दिवशी वाटप होत असतांना दिसते. या गोष्टी टाळण्याकरिता मनपाचा स्वतःच्या मालकीचा छापखाना असावा. करिता प्रस्ताव मान्यतेस्तव सादर.

सुचक : श्री. जावेद रज्जाक
अनुमोदक : दिनांक ०६/०३/१७

ठराव क्र. २३७/९ : सर्वानुमते असे ठरले की, सदर प्रस्ताव स्थगित ठेवण्यात येतो.

विषय क्र. २३८/१० : औरंगाबाद शहरातील निवासी भागातील नागरिकांना वाहतूक, ध्वनी प्रदूषण, दुर्गंधी आणि इतर अनेक समस्यापासून मुक्त करण्यासाठी महानगरपालिका विविध समाज हितकारक योजना राबवित आहे.

उदा : मोढा कत्तलखाना, विटभट्टी आणि गुरांचे गोठे शहराबाहेर हटवत आहे. वरील प्रकारचा व्यापार करण्यासाठी शहराबाहेर स्वतंत्र वसाहती निर्माण करण्यात येत आहे.

ह्या प्रस्तावाद्वारे शहरातील एका महत्वपूर्ण समस्येकडे लक्ष वेधून इच्छितो की, शहरात ठिकठिकाणी तीन चाकी, चार चाकी आणि अवजड वाहनांची दुरुस्ती करणारे गॅरेज आहेत. गॅरेज जवळच स्पेअर पार्टची दुकाने लागतात. गॅरेज स्पेअर पार्टसची दुकाने आणि वाहनांचे रस्त्यावर अतिक्रमाण होते. त्यामुळे वाहतुकीस अडथळा होतो. घरामध्ये नागरी वसाहतीत प्रदूषण होवून नागरिकांच्या आरोग्याला रोगराईमुळे धोका होवू शकतो त्याचप्रमाणे वाहतुकीस अडथळा व प्रदूषण होवून शहरातील शांतता व सुव्यवस्थेला बाधा होवू शकते. ह्या समस्येवर मार्ग काढण्यासाठी असा प्रस्ताव सादर करते की, सर्व प्रकारच्या गॅरेज स्पेअर पार्टची दुकाने आणि गॅरेजवर आधारित इतर सहयोगी व्यवसायासाठी शहराबाहेर एक स्वतंत्र मॅकेनिक नगर तयार करण्यात यावे व भाडे तत्वावर त्वरित करण्यात यावे जेणे करून मनपासाठी कायमस्वरूपी उत्पन्नाचे साधन निर्माण होईल. करिता ठराव सर्वसाधारण सभेसमोर

सुचक : श्रीमती आबेदा बेगम
अनुमोदक : श्रीमती नुरजहाँ बेगम
श्रीमती वाहेदा बेगम

ठराव क्र. २३८/१० : प्रस्तावात दर्शविल्याप्रमाणे औरंगाबाद शहरातील निवांसी भागांशी नागरिकांना वाहतून, ध्वनी प्रदूषण, दुर्गंधी आणि अनेक समस्यापासून मुक्त करण्यासाठी शहरातील गॅरेज, स्पेअर पार्ट्स ही दुकाने वाहनांची रस्त्यावर अतिक्रमन, धूरामुळे नागरी वसाहतीत होणाऱ्या प्रदूषण यामुळे अरोग्याला धोका होवू नये ते साठी सर्व प्रकारचे गॅरेज स्पेअर पार्ट्स ची दुकाने इ. साठी शहराबाहेर एक स्वतंत्र मॅकेनिक नगर भाडे तत्वावर बांधण्यात येवून भाडे तत्वावर वितरित करण्यास सर्वानुमते मंजूरी देण्यात येते.

वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

विषय क्र. २३९/११ : फेब्रुवारी १७ मध्ये होणाऱ्या सर्वसाधारण सभेपुढे प्रस्ताव सादर करण्यात येतो की, मुंबई येथून येणाऱ्या स्वाध्याय परिवाराच्या वाडमयासाठी जकात कर माफ करणे असा ठराव मांडण्यात यावा. म्हणून हा प्रस्ताव देत आहे.

सुचक : श्री. भगवान घडामोडे
अनुमोदक : डॉ. भागवत कराड

ठराव क्र. २३९/११ : प्रस्तावात दर्शविल्याप्रमाणे मुंबई येथून येणाऱ्या स्वाध्याय परिवाराचा वाडमयासाठी लागणारा जकात कर एकूण जकातीच्या ५०% वसूल करण्याची सर्वानुमते मंजूरी देण्यात येते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

विषय क्र. २४०/१२ : वॉर्ड क्र. ७८ एस. टी. कॉलनी येथे मनपाची एकही शाळा नाही. तेथील नागरिक सर्वसाधारण असल्यामुळे त्यांना खाजगी शाळा परवडत नाही. तरी तेथे मनपाची प्राथमिक शाळा सुरू करण्यासाठी प्रस्ताव विचारार्थ सादर.

सुचक : सौ. मंदा काळुसे
अनुमोदक : विकास जैन

ठराव क्र. २४०/१२ : प्रस्तावात दर्शविल्याप्रमाणे वॉर्ड क्र.७८ एस. टी. कॉलनील येथे प्राथमिक शाळा उघडण्याची सर्वानुमते मंजूरी देण्यात येते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

विषय क्र. २४१/१३ : आजच्या विद्यार्थ्यांतून भविष्यात आदर्श नागरिक निर्माण व्हावे यासाठी विद्यार्थ्यांच्या मनावर चांगले संस्कार रुजणे अत्यंत गरजेचे आहे. संस्कार घडविताना त्यांना नैतिक शिक्षण देणे देखील आवश्यक आहे. आजचे शिक्षण केवळ व्यवसायाभिूख आहे. असे सकृतदर्शनी दृष्टीक्षेपात दिसून येते. ह्या शिक्षणाबरोबर आदर्श संस्कृती निर्मितीत नैतिकतेचा विकास व्हावा म्हणून विद्यार्थ्यांवर चांगल्या संसकाराची आवश्यकता आहे व चांगले संस्कार हे शाळांमधून नैतिक शिक्षणाच्या माध्यमातून घडविताना येवू शकतात. भारतीय संस्कृतीचा विचार केल्यास अशा प्रकारचे नैतिक शिक्षण सर्व धर्मीय व सर्व सामान्य धार्मिक तत्वामधून दिले जाते त्या माध्यमातून महानगरपालिकेच्या शाळा मधून इतर शिक्षणाबरोबरच नैतिक शिक्षणही देण्यात यावे. (मॉरल एज्युकेशन) यामुळे विद्यार्थ्यांच्या मनावर चांगले संस्कार होवून समाज पुरक अशी समय निर्मिती होण्यास व राज्य शासनाने देखील संपूर्ण महाराष्ट्रात नैतिक शिक्षण सुरू करावे. सक्तीने करावे यासाठी औरंगाबाद महानगरपालिकेने ठराव पारित करून शासनास कळवावे.

सुचक : श्री. मुश्ताक अहेमद
श्री. संजय केनेकर
श्री. प्रदिप जैस्वाल
अनुमोदक : श्री. मुजीब आलमशाह
श्री. गौतम खरात
कु. माया लाडवाणी
दिनांक : १९/१२/१६

ठराव क्र. २४१/१३ : प्रस्तावात दर्शविल्याप्रमाणे आजच्या विद्यार्थ्यांतून भविष्यात आदर्श नागरिक निर्माण होण्यासाठी विद्यार्थ्यांच्या मनावर चांगले संस्कार रुजणेसाठी आपले मनपाचे प्रत्येक शाळेमधून चालू अभ्यासक्रमासाठी नैतिक शिक्षण (Maral Education) देणेची सर्वानुमते मंजूरी देण्यात येते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

ऐनवेळचे विषय

विषय क्र. २४२/१ : महानगरपालिकेच्या सर्व शाळांमध्ये बालवाड्यांना शैक्षणिक साहित्य पुरवठा करणे बाबतचा प्रस्ताव स्थायी समितीने ठराव क्र. ७१० दि. ०५/०३/१५ अन्वये मंजूर केलेला आहे. सदरच्या प्रस्तावाबाबत अंदाजीत खर्च रु. १७,५०,०००/- अपेक्षित आहे. याबाबत शिक्षण विभागाने मा. आयुक्तांच्या दर सुचीच्या मंजूरीनुसार सदरील खर्च सन १७-१८ या आर्थिक वर्षाच्या तरतूदीमधून प्राधान्याने करण्यास कार्यवाही व्हावी. प्रस्ताव सर्वसाधारण सभेसाठी सादर.

ठराव क्र. २४२/१ : प्रस्तावात दर्शविल्याप्रमाणे मनपाच्या सर्व शाळांना बालवाड्या शैक्षणिक साहित्य पुरवठा करणेसाठी अंदाजपत्रकीय रक्कम रुपये १७,५०,०००/- ला सर्वानुमते मंजूरी देण्यात येते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

विषय क्र. २४३/२ : शहर अभियंता यांनी प्रस्ताव सादर केला की, मो. लोटाकारंजा येथील अस्तित्वात असलेल्या (अ) सर सय्यद हॉल व शाळेच्या भागाचे एकत्रीकरण करून त्यामध्ये हॉल आधुनिकीकरण त्यामध्ये किचन रुमचे व अद्यावत सोयी उपलब्ध करण्यासाठी रक्कम रुपये ५,००,०००/- ला तसेच (ब) हॉलचे बाजूला असलेल्या व मोडकळीस आलेल्या बीफ मार्केटला पूर्णतः जमीनदोस्त करून त्या ठिकाणी प्रा. शाळा व बालावाडीसाठी अद्यावत इमारत बांधणेसाठी र. रु. ८,००,०००/- ला तसेच (क) लोटा कारंजा जवळील नाल्यालगत (दक्षिण बाजूस) मनपाचे बीफ मार्केटसाठी आरक्षित केलेल्या जागेवर अद्यावत बीफ मार्केट बांधणेसाठी र. रु. ७,००,०००/- असे (अ,ब,क) असे एकूण २०,००,०००/- ला सर्वसाधारण सभा ठराव क्र. २०७/१० दि. १३/०३/९६ अन्वये मंजूरी प्राप्त झालेली होती. सदरील तीनही कामे (अ,ब,क) हाती घेण्यासाठी कार्यालयीन निविदा सूचना क्र. मनपा लेखा/नि/९५/९६ दि. ०३/०७/९६ अन्वये मागविण्यात आल्या असल्या अनुक्रमांक (अ) सर सय्यद हॉलचे आधुनिकरण करणेसाठी तुलनात्मक दृष्ट्या सर्वात कमी व अंदाजपत्रक या दरापेक्षा ११.९९% जास्त ऐवजी दराचे वाटाघाटीनुसार अंदाजपत्रकीय दरापेक्षा ५% जास्त दराची श्री. शेख उमर यांचे निविदेस स्थायी समिती दि. ०९/०८/९६ इराव क्र. १८७/७ अन्वये मान्यता प्राप्त झालेली होती. मक्तेदारस दि. २४/०९/९६ अन्वये कार्यादेशही देण्यात आला होता. मक्तेदाराने त्या ठिकाणी लागणारे मटेरियलही जमा केले होते. परंतु सदरील हॉल हा कार्यक्रमासाठी आरक्षित असल्यामुळे काम सुरू करता आले नाही. दरम्यानच्या काळात दि. ३०/१०/९६ चे मा. सर्वसाधारण सभेमध्ये स. नगरसेवक यांनी विषय क्र. १८३/३ अन्वये प्रस्ताव सादर केला की, शाळाकरिता ७,००,०००=०० रुपये व हॉल आधुनिकीकरणासाठी ५,००,०००=०० रुपये एकूण १२,००,०००=०० असे वेगवेगळी तरतूद न करता दोन्ही कुंपन एका इमारत बांधण्यात यावी व सदर इमारतीमध्ये पूर्ण तळमजला व वरच्या मजल्याच्या अर्धभागामध्ये फंक्शन हॉल बांधतांना व उर्वरित अर्ध्या मजल्यावर शाळा बांधावी त्यानुसार सदर प्रस्तावास ठराव क्र. १८३/३ दि. ३०/१०/९६ अन्वये मा. सर्वसाधारण सभेची मंजूरी प्राप्त झाली. त्या नुसार तळमजला व वरचा मजला अद्यावत बांधणेचे कामाचे सन- ९६-९७ चे जिल्हा दरसूचीनुसार र. रु. २५,५२,०००/- चे अंदाजपत्रकास तयार करण्यात आले आहे. मुळे हॉलचे फेरफार करून अद्यावत करण्यासाठी मूळ गुत्तेदाराने ५.०० लाखाचे मंजूर कामातून केलेल्या कामाचे साधारण सभेची मान्यता घेवून व लघूनिविदा मागवून काम त्वरित हाती घेण्यासाठी मा. सर्वसाधारण सभेसमोर प्रस्ताव सादर करण्यासाठी मा. आयुक्तांनी दि. ०४/०३/९७ अन्वये मंजूरी दिलेली आहे.

सबब सदर हॉलचे (१) मूळ मंजूर ५.०० लाखाचे कामातून मूळ मक्तेदाराने जेवढे काम केले असेल त्याचे देयक तयार करून अंतिम करणेचे सुचना आहेत परंतु दुरुस्तीच्या कामावर जो खर्च झाला आहे तो व्यर्थ जाणार आहे. कारण निविदा हॉल चे काम करावे लागणार आहे. दुरुस्तीसाठी झालेला खर्च तो व्यर्थ जाणार आहे. कारण निविदा हॉलचे काम करावे लागणार आहे. दुरुस्तीसाठी झालेला खर्च १.५ लक्ष आहे. (२) वाढीव कामाचे सुधारित अंदाजपत्रक र. रु. २५,५२,०००/- ला व लघूनिविदा बोलाविण्यासाठी मंजूरीचा प्रस्ताव विचारार्थ सादर. सदरचा खर्च विकास इमारती, शाळा, दवाखाने बांधणे ह्या लेखा मधून करण्यात येईल.

ठराव क्र. २४३/२ : प्रस्तावात दर्शविल्याप्रमाणे मो. लोटा कारंजा येथील अस्तित्वात असलेल्या सर सय्यद हॉल व शाळाचे भागाचे एकत्रिकरण करून त्यामध्ये हॉलचे आधुनिकरण करण्याचे कामासाठी अ,ब,क कामाचे तसेच क अन्वये बिफ मार्केटचे काम स्वतंत्रपणे करणेसाठी सुधारित अंदाजपत्रक र. रु. २५,५२,०००/- यास सर्वानुमते मंजूरी देण्यात येवून

बांधकाम मुळ गुत्तेदाराकडून घेण्याची परवानगी सर्वानुमते देण्यात येते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

विषय क्र. २४४/३ : शहर अभियंता यांनी प्रस्ताव सादर केला की, मो. कटकटगेट वॉर्ड क्र. ३३ अंतर्गत रविंद्रनगर कॉलनी येथील मोकळ्या जागेवर फंक्शन हॉल बांधणेच्या कामासाठी स्थायी समिती बैठक दि. ०८/०३/९६ ठराव क्र. ५३८/३ अन्वये रक्कम रु. ५,००,०००=०० चे अंदाजपत्रकास सर्वानुमते मंजुरी प्राप्त झालेली आहे. सदर कामासाठी बोलाविण्यात आलेल्या निविदापैकी तुलनात्मक दृष्ट्या सर्वात कमी व अंदाजपत्रकीय दरापेक्षा ८% जास्त दराऐवजी (दराचे वाटाघाटीनुसार) अंदाजपत्रकीय दरानुसार श्री. फारुकी मुनताह यांचे निविदेस स्थायी समिती ठराव क्र. २६०/३९ वि. २१/०९/९६ ला मक्तेदारास कार्यादेश देण्यात आला होता. सदर ठिकाणी मक्तेदाराने कामही सुरु केलेले होते. त्यामुळे काम थांबावे लागले. झेंड्याच्या ओट्याची जागा सोडून उर्वरित जागेवर दि. २२/११/९६ ला मा. विरोधी पक्षनेता यांनी अर्ज देवून मा. आयुक्तांशी दि. २७/०१/९७ ला प्रत्यक्ष चर्चा करून कळविले की, सदरचा हॉल ५०x२५ क्षेत्रफळ ऐवजी अंदाजे १००x५० क्षेत्रफळाचा हॉल बांधावा त्यानुसार मा. आयुक्तांनी सुधारित प्रमाणे सुधारित अंदाजपत्रक ९६.९७ चे दरसूचीनुसार रक्कम रुपये. २१,२५,०००/- दि. २७/०१/९७ ला प्रस्ताव सर्वसाधारण सभेसमारे सादर करण्यासाठी शिफारस केली र. रु. ५ लक्षाचे काम व उर्वरित वरील शिल्लक रकमेचे कामाच्या निविदा नंतर प्रस्तुत स्थळावर एकाचवेळी दोन एजन्सी प्राप्त होणार आहे. तेंव्हा त्या दोन्ही एजन्सी एकत्रित काम करण्यात गुंता गुंती होण्याची शक्यता आहे. असे या विभागाचे मत आहे.

सबब सदरील कामा मक्तेदाराचे ५.०० लाखाचे नोंदणी प्रमाणपत्रानुसार मुळ एजन्सीकडून करून घेण्यासाठी उर्वरित ९६-९७ चे दरसूचीनुसार तयार केलेल अंदाजपत्रक रक्कम रु. १६,५०,०००/- चे कामासाठी फेर निविदा बोलाविण्यासाठी प्रस्ताव मा. सर्वसाधारण सभेसमोर ठेवण्यासाठी दि. ०६/०३/९६ अन्वये शिफारस केलेली आहे. सबब सदर कामासाठी सुधारित अंदाजपत्रक रक्कम रुपये (१६.५० लाख)२१,५०,०००/- ला तसेच रक्कम रुपये ५.०० लाखा पर्यंत चे काम मूळ मंजूर एजन्सीकडून श्री. फारुकी मुनताह मंजूर दरानुसार करून घेणेस्तव वाढीव रक्कम रुपये १६.५० लाखचे कामासाठी फेरनिविदा मागविणेस्तव प्रस्ताव मंजुरीस्ताव व विचारार्थ सादर सदरचा खर्च विकास, इमारती, शाळा व दवाखाने बांधणे ह्या लेखामधून करण्यात येईल.

ठराव क्र. २४४/३ : प्रस्तावात दर्शविल्याप्रमाणे मो. कटकटगेट वॉर्ड क्र. ३३ अंतर्गत मोकळ्या जागेवर फंक्शन हॉल बांधणेसाठी सुधारित अंदाजपत्रक रक्कम रुपये ५,००,०००/- पर्यंतचे काम मूळ मंजूर एजन्सीकडून (श्री फारुक मुनताह) मंजूर दरानुसार करून घेणे व रक्कम रुपये १६,५०,०००/- चे कामाकरिता फेर निविदा मागविण्याची मंजुरी सर्वानुमते देण्यात येते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

विषय क्र. २४५/४ : कार्यकारी अभियंता यांनी प्रस्ताव सादर केला की, नागेश्वरवाडी उर्वरित भागात नाल्यात संरक्षित भिंत बांधण्यासाठी परिसर अभियांत्रिकी विभागाचे सन ९५-९६ च्या दरसूचीनुसार अंदाजपत्रक रक्कम रुपये २७,६३,०००/- चे तयार करण्यात आले . सदरील काम सन ९७-९८ ह्या आर्थिक वर्षात हाती घेण्यात येणार आहे.

तरी अंदाजपत्रकाच्या प्रस्ताव मंजुरीस्तव सादर.

ठराव क्र. २४५/४ : प्रस्तावात दर्शविल्याप्रमाणे नागेश्वरवाडी उर्वरित भागात नाल्यात संरक्षित भित बांधण्यासाठी अंदाजपत्रक रक्कम रुपये २७,६३,०००/- चे तयार करण्यात आले. सदरील काम सन १७-१८ ह्या आर्थिक वर्षात हाती घेण्यात येणार आहे.

तरी अंदाजपत्रकाच्या प्रस्ताव मंजूरीस्तव सादर.

विषय क्र. २४६/५ : कार्यकारी अभियंता यांनी प्रस्ताव सादर केला की, पन्नालालनगर, श्रेयनगर येथील नाल्यास संरक्षित भित बांधणे बाबत परिसर अभियांत्रिकी विभागाचे सन १५-१६ च्या दरसूचीनुसार अंदाजपत्रक रक्कम रुपये २२,१०,०००/- चे तयार करण्यात आले असून सदरील काम सन १७-१८ आर्थिक वर्षात हाती घेण्यात येणार आहे.

तरी अंदाजपत्रकाला प्रस्ताव मंजूरीस्तव सादर.

ठराव क्र. २४६/५ : प्रस्तावात दर्शविल्याप्रमाणे पन्नालालनगर, श्रेयनगर येथील नाल्यास संरक्षित भित बांधणेस अंदाजपत्रक रक्कम रुपये २२,१०,०००/- सर्वानुमते मंजूरी देण्यात येते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

विषय क्र. २४७/६ : औरंगाबाद महानगरपालिकेने भुतपूर्व औरंगाबाद नगर परिषदेच्या मंजूर विकास योजनेतील (१९७५) नाविकास क्षेत्र व शासनाने सिडको अधिसूचित क्षेत्रामधून वगळलेल्या क्षेत्राकरिता प्रसिध्द केलेल्या प्रारूप विकास योजनेवर (सुधारित) नागरिकांतर्फे प्राप्त हरकती व सूचनाचा सुनावणी घेण्याकरिता महाराष्ट्र प्रादेशिक व नगर रचना अधिनियम १९६६ चे कलम २८ अन्वये नियोजन समितीची शासनाने शासन निर्णय क्र.टीपीसी ३०९५/९५४/सीआर-६कयुडी-९ दि. ०८/०१/९६ नुसार नेमणूक केली आहे. सदर नियोजन समितीने महाराष्ट्र प्रादेशिक व नगर रचना अधिनियम १९६६ चे कलम २८(३) अन्वये विकास योजनेसंबंधी प्राप्त सूचना व हरकती संदर्भाने नागरिकांना संबंधीताना सुनावणी देवून त्यावर आपला अहवाल व निर्णय समितीच्या नेमणूकीपासून दोन महिन्यांचे आंत सर्व साधारण सभेकडे सादर करावयाचा असतो. यापूर्वी नियोजन समितीस सर्वसाधारण सभेच्या ठराव क्र. १७/१/११/ दि.१६/०३/९६ नुसार तीन महिने ठराव क्र. २७/२५ दि.१७/०७/९६ नुसार सहा महिने ठराव क्र. १७४/दि.१९/१२/९६ नुसार ३१/०३/९७ पावेतो मुदतवाढ मिळालेली आहे.

पंचायत समिती व जिल्हा परिषद निवडणूक आचार संहितेमुळे नियोजन समितीचे उर्वरित काम ३१/०३/९७ पूर्वी होणे शक्य नाही.

हरकती / सूचना सादर केलेल्या सर्व नागरिकांना प्रत्यक्ष सुनावणी देवून त्यावरील निर्णय नियोजन समितीने अंतिम केले असून अहवाल सादर करणे व त्यानुसार प्रारूप विकास योजना नकाशामध्ये फेरबदल करणे ह्या कामासाठी किमान अजून दोन महिने कालावधी लागण्याची शक्यता आहे. तरी ०१/०४/९७ पासून दोन महिने म्हणजेच दि. ३१/०५/९७ पर्यंत नियोजन समितीस मुदतवाढ मंजूर करावी.

त्याकरिता प्रस्ताव सर्वसाधारण सभेपुढे मंजूरीसाठी सादर.

ठराव क्र. २४७/६ : प्रस्तावात दर्शविल्याप्रमाणे भुतपूर्व नगर परिषदेच्या मंजूर विकास योजनेतील नाविकास क्षेत्र व सिडको अधिसूचित क्षेत्राकरिता प्रसिध्द केलेल्या प्रारूपाने विकास योजनेवरील अहवाल तयार करणे व त्यानुसार प्रारूप विकास योजना नकाशा मध्ये फेरबदल करणेसाठी दि. ०१/०४/९७ पासून दि. ३१/०५/९७ पर्यंत असे दोन महिने सदरील समितीस मुदतवाढ मंजूरी सर्वानुमते दिली जाते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

विषय क्र. २४८/७ : औरंगाबाद महानगरपालिकेने भुतपूर्व औरंगाबाद नगरपरिषदेच्या मंजूर विकास योजनेतील (१९७५) नाविकास क्षेत्र वगळून व शासनाने सिडको अधिसूचित (नवीन औरंगाबाद) क्षेत्रामधून वगळलेल्या क्षेत्राकरिता प्रारूप विकास योजना (सुधारित) तयार करून महाराष्ट्र प्रादेशिक व नगररचना अधिनियम १९६६ चे कलम २६(१) अन्वये प्रसिध्द केलेला आहे. ह्या बाबतची अधिसूचना महाराष्ट्र शासन राजपत्र औरंगाबाद विभाग भाग-१ पुरवणी दि. ३० मार्च ९५ पृष्ठ क्र. ५७९ व ५८७ मध्ये प्रसिध्द झालेली आहे.

उक्त अधिनियमाच्या कलम २६(१) नुसार सदरील विकास योजना दिनांक २०/०३/९६ पूर्वी शासनास सादर करणे आवश्यक होते. परंतु कलम २६(१) नुसार विकास योजना प्रसिध्द झाले पासून ६० दिवसाच्या आत नागरिकातर्फे प्राप्त झालेल्या हरकती व सूचनांची सुनावणी होवून निर्णय होण्यासाठी तसेच हरकती व सुचनाबाबत सविस्तर अहवाल सादर करणे करिता उक्त अधिनियमाच्या कलम २८ अन्वये नियोजन समितीचे चार सदस्यांची नियुक्ती शासनातर्फे शासना निर्णय टीपीएस ३०९५/९५४/सीआर-६७/९५ युडी-९, दि. ०८/०९/९६ रोजी झाली. तसेच स्थायी समितीने ३ विद्यमान सदस्य ह्या प्रकारे एकूण ७ सदस्यांना एक नियोजन समिती गठीत करण्यात आली. सदर समितीने आपले कामकाज दि. २२/०९/९६ पासून सुरु करून फेब्रुवारी अखेर सर्व हकरती व सुचनांवर सुनावणी देण्याचे काम पूर्ण केले आहे.

महानगरपालिका क्षेत्रामध्ये वेळोवेळी लागू झालेल्या निवडणूक आचारसंहितेमुळे तसेच सदर समितीवर नियुक्त कराव्या लागलेल्या नवीन सदस्यांचे नियुक्तीमुळे झालेल्या विलंबाचा विचार करून सदर विकास योजना शासनास सादर करण्यास मुदत सर्वसाधारण सभेचा ठराव क्र. १०२/९२, दि.१६/०३/९६ अन्वये दि. ३०/०३/९७ पावेतो वाढविण्यात आलेली आहे. व तसा प्रस्ताव शासनाकडे पत्र क्र. मनपा/नरावि/१५३८/९६ दि.०९/०६/९६ अन्वये सादर करण्यात आला आहे.

नियोजन समितीने आपला अहवाल अंतिम करण्याचे काम सुरु केले आहे. सदर अहवाल सर्वसाधारण सभेपुढे सादर केल्यानंतरच्या पुढील सर्व कार्यवाहीसाठी लागणारा वेळ लक्षात घेता व अंतिम निर्णयानंतर विकास योजना सुधारित चे नकाशे व अहवाल तयार करून उक्त अधिनियमाच्या कलम ३० अन्वये शासनास सादर करणेसाठी दि. ३०/०३/९७ रोजी संपलेली मुदत दि. ३१/०९/९८ पावेतो म्हणजेच पुढील एक वर्षाकरिता वाढवून घेणे आवश्यक आहे. करिता मुदवाडीचा प्रस्ताव मान्यतेस्तव सादर.

ठराव क्र. २४८/७ : प्रस्तावात दर्शविल्याप्रमाणे औरंगाबाद मनपा भुतपूर्व औरंगाबाद नगर परिषदेच्या मंजूर विकास योजनेतील (१९९५) ना विकास क्षेत्र वगळून व शासनाने सिडको अधिसूचित (नवीन) औरंगाबाद क्षेत्राकरिता नियोजन समितीने आपला अहवाल अंतिम करण्याचे काम सुरु केलेले आहे. सदर अहवाल सर्वसाधारण सभेपुढे सादर केल्यानंतरच्या पुढील सर्व कार्यवाही साठी लागणारा वेळ लक्षात घेता व अंतिम निर्णयानंतर विकास योजना सुधारित नकाशा व अहवाल तयार करून शासनास सादर करणेसाठी दि. ३०/०३/९७ चे दि. ३१/०९/९८ पर्यंत सर्वानुमते नियोजन समितीला मुदवाढ मंजूर करण्यात येते.

वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

विषय क्र. २४९/८ : अतिरिक्त शहर अभियंता यांनी प्रस्ताव दिला की, टाऊन हॉल ते चेलीपुरा ह्या रोडचे पुर्नडांबरीकरण करणेच्याकामासाठी सार्वजनिक बांधकाम खात्याच्या सन ९२-९३ च्या दरसूचीनुसार अंदाजपत्रक रक्कम रुपये ५,३३,५००/- चे तयार करण्यात येवून

हे काम श्री. खाजा मोईनोद्दिन अंदाजपत्रका दरापेक्षा १४.९०% ह्या दराने करणे बाबतचा कार्यदेशही त्यांना देण्यात आला होता. परंतु सदर रोडवर ड्रेनेज लाईन, टेलिफोन लाईन टाकण्याचे काम चालू असल्यामुळे काम करणे शक्य झाले नाही. तसेच दिवाळीनंतर सुध्दा रोडच्या मध्यातून पाण्याचा मेन पाईप लाईन टाकण्याचे काम चालू असल्यामुळे रस्ता खुपच खराब झालेला आहे.

तरी रस्त्याचे डांबरीकरणाचे कामात बिर्टमत मेकॅडमचा समावेश करून सदर कामासाठी सा. बां. खात्याच्या सन १९९६-९७ च्या दरसूचीनुसार सुधारित अंदाजपत्रक रक्कम रुपये १३,३०,९५०/- चे बनविण्यात आलेले आहे. सदरील कामास खर्च रस्ते देखभाल व दुरुस्ती (पुर्नडांबरीकरण) सन १९९६-९७ ह्या लेखा शिर्षकामधून करण्यात येईल.

तसेच ह्या भागातील स. न. श्री. रऊफ व श्री. हमीद ताबा यांनी केलेल्या विनंतीनुसार हे काम पावसाळ्यापूर्वी करावयाचे असल्याने अंदाजपत्रकास मा. सर्वसाधारण सभेची मंजूरी घेवून निविदा मागविणे इत्यादी कार्यालयीन सोपस्कार करून कार्यदेश देईपर्यंत होणाऱ्या कामाचा आपव्ययाचा विचार करून सदरील कामाचे मूळ कंत्राटदार श्री. खाजा मोईनोद्दिन यांचेशी चर्चा केली असता ते सदरील काम मूळ निविदा दरानुसार म्हणजेच अंदाजपत्रकीय दरापेक्षा १४.९०% कमी दराने करण्यास तयार आहेत.

तरी सदरील कामासाठी तयार करण्यात आलेले सुधारित अंदाजपत्रक रक्कम रुपये १३,३०,६५०/- चे मंजूरी बाबत तसेच सदरील काम कंत्राटदार श्री. खाजा मोईनोद्दिन यांचेकडून अंदाजपत्रकीय दरापेक्षा १४.९०% कमी दराने करून घेण्याबाबतचा प्रस्ताव मा. सर्वसाधारण सभेचे विचारार्थ तथा मंजूरीस्तव सादर.

ठराव क्र. २४९/८ : प्रस्तावात दर्शविल्याप्रमाणे मो. टारुन हॉल ते चेलीपुरा या रोडचे पुर्नडांबरीकरण करणेच्या कामासाठी सुधारित अंदाजपत्रक रक्कम रुपये १३,३०,६५०/- चे व कॉन्ट्रॅक्टर श्री. खाजा मोईनोद्दिन यांचे कडून अंदाजपत्रकीय दरापेक्षा १४.९०% कमी दराने करून घेण्याची सर्वानुमते मंजूरी दिली जाते. वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

विषय क्र. २५०/९ : कार्यकारी अभियंता यांनी प्रस्ताव सादर केला की, उन्हाळ्याकरिता तातडीच्या पाणीपुरवठा योजना अंतर्गत शहर सिडको भागात विविध ठिकाणी २३ बोअरिंग करणे हातपंप बसविणे, पानकडे पंप बसविणे बाबत अंदाजपत्रक रक्कम रुपये ९,९६,७५२/- चे तयार करण्यात आले असून त्यामुळे उन्हाळ्यामध्ये पाणी पुरवठा बाबतच्या तक्रारी तसेच ज्या ठिकाणी जलवाहिन्या टाकण्यात आल्या नाहीत त्या ठिकाणी सदरील योजना अंमलात येईल.

ठराव क्र. २५०/९ : प्रस्तावात दर्शविल्याप्रमाणे उन्हाळ्याकरिता तातडीच्या पाणीपुरवठा योजना अंतर्गत शहर व सिडको भागात विविध ठिकाणी २३ बोअरिंग करणे, हातपंप बसविणे, पानकडे पंप बसविणे ह्या कामासाठी अंदाजपत्रकीय रक्कम रुपये ९,९६,७५२/- ला सर्वानुमते मंजूरी देण्यात येते.

वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

"जन-गण-मन" ह्या राष्ट्रगीतानंतर सभेचे कामकाज संपल्याचे मा. महापौर यांनी घोषित केले.

स्वाक्षरीत/-
नगर सचिव
महानगरपालिका, औरंगाबाद.

स्वाक्षरीत/-
महापौर
महानगरपालिका, औरंगाबाद.

औरंगाबाद महानगरपालिका, औरंगाबाद

शनिवार दि. १५ मार्च १९९७ रोजी सकाळी ११.०० वाजता मा. महापौर श्री. गजानन बारवाल यांचे अध्यक्षतेखाली कै. प्रबोधनकार केशव सिताराम ठाकरे सभागृहात "वंदे मातरम्" ह्या गीताने औरंगाबाद महानगरपालिकेच्या विशेष सर्वसाधारण सभेस सुरुवात झाली. ह्या सभेमध्ये कार्यालयीन अधिकाऱ्यांसह खालील स. सभासद उपस्थित होते.

| | | |
|-----|-------------------------------------|----------|
| १) | श्री. डॉ. विजयकुमार मेहेर | स. सभासद |
| २) | श्री. गिरजाराम नानाराव हाळनोर | --/-- |
| ३) | श्री. जयवंत केशवराव ओक | --/-- |
| ४) | श्री. मुजीब आलमशाह खान मीर आलमशाह | --/-- |
| ५) | सौ. लोखंडे रुखमनबाई खंडेराव | --/-- |
| ६) | श्री. प्रभाकर सिताराम विधाते | --/-- |
| ७) | श्री. म. सलीम म. हनीफ कुरैशी | --/-- |
| ८) | श्री. गौतम भागाजी खरात | --/-- |
| ९) | अॅड. गणेश किशनराव वानखेडे | --/-- |
| १०) | सौ. विमलबाई नंदकुमार मुंडलिक | --/-- |
| ११) | सौ. शिलाबाई सिताराम गुंजाळ | --/-- |
| १२) | श्री. लांडगे गौतम लिंबाजी | --/-- |
| १३) | श्री. महादेव पुंडलिक सुर्यवंशी | --/-- |
| १४) | श्री. नरेंद्र यादवराव पाटील | --/-- |
| १५) | श्री. काशिनाथ कोकाटे | --/-- |
| १६) | श्री. सुदाम रामदास सोनवणे | --/-- |
| १७) | श्री. रविंद्र बाबुराव इंगळे | --/-- |
| १८) | श्री. कंवरसिंग किसनसिंग बैनाडे | --/-- |
| १९) | सौ. पद्मा बाबुराव शिंदे | --/-- |
| २०) | श्री. प्रफुल्ल लालचंद मालानी | --/-- |
| २१) | श्रीमती चंपाबाई विश्वनाथ पांचाळ | --/-- |
| २२) | सौ. धनश्री अशोक विसपुते | --/-- |
| २३) | श्री. फजल उल्लाखान अपमत उल्लाखान | --/-- |
| २४) | श्रीमती आबेदा बेगम मो. मुस्तफा | --/-- |
| २५) | श्री. मोहम्मद मुश्ताफ अहेमद | --/-- |
| २६) | श्री. नुरजहाँ बेगम अ. रहेमान खान | --/-- |
| २७) | श्री. वसंत विनायक देशमुख | --/-- |
| २८) | श्री. हाजी मोहसिन अहेमद हाजी बशीर | --/-- |
| २९) | सौ. मोहसिना बिल्कीस | --/-- |
| ३०) | श्री. अ. जावेद रज्जाक | --/-- |
| ३१) | श्रीमती जाहेदा बेगम | --/-- |
| ३२) | श्री. त्र्यंबक गणपत तुपे | --/-- |
| ३३) | श्री. किशोर बाबुलाल तुळशीबागवाले | --/-- |
| ३४) | श्रीमती पुष्पाताई सुरेशचंद्र गंगवाल | --/-- |

| | | |
|-----|----------------------------------|--------|
| ३५) | श्री. हमीदोद्दिन ताबा | --//-- |
| ३६) | श्री. म. अ. रऊफ म. अ. माबुद | --//-- |
| ३७) | श्री. स.अ. एकबालोद्दिन | --//-- |
| ३८) | श्री. प्रदिप शिवनारायण जैस्वाल | --//-- |
| ३९) | श्री. सैय्यद अली मिरा सलामी | --//-- |
| ४०) | श्री. संजय किसन केनेकर | --//-- |
| ४१) | सौ. मुक्ताबाई वाघमारे | --//-- |
| ४२) | सौ. लता श्रीनिवास दलाल | --//-- |
| ४३) | सौ. अलका रमेश पाटील | --//-- |
| ४४) | सौ. शकुंतला धांडे | --//-- |
| ४५) | श्री. अब्दुल रशीदखान (मामू) | --//-- |
| ४६) | कु. माया लिंबाजी लाडवाणी | --//-- |
| ४७) | डॉ. भागवत कराड | --//-- |
| ४८) | सौ. सविता आव्हाड | --//-- |
| ४९) | सौ. निर्मला विठ्ठल कांबळे | --//-- |
| ५०) | श्री. अ. रशीद अ. सत्तार | --//-- |
| ५१) | श्री. विखारोद्दिन पि. खुदबोद्दिन | --//-- |
| ५२) | श्री. गंगाधर सुखदेव गाडे | --//-- |
| ५३) | श्री. ओबेरॉय मनमोहनसिंग करमसिंग | --//-- |
| ५४) | श्री. निकाळजे प्रकाश भाऊराव | --//-- |
| ५५) | श्री. संजय जोशी | --//-- |
| ५६) | सौ. जोत्सना हिवराळे | --//-- |
| ५७) | श्री. राजकुमार बचाटे | --//-- |
| ५८) | सौ. राधाबाई तळेकर | --//-- |
| ५९) | श्री. नरसिंग ठगे | --//-- |
| ६०) | श्री. विठ्ठल किसन जाधव | --//-- |
| ६१) | सौ. सुनंदा उत्तम कोल्हे | --//-- |
| ६२) | श्री. गांगवे बन्शी तुळशीराम | --//-- |
| ६३) | श्री. भगवान घडमोडे | --//-- |
| ६४) | श्री. कचरू नवपुते | --//-- |

सातारा येथील बॉम्ब स्फोटातील मृत झालेल्या दुर्दैवी नागरिकांना सभागृहाने ००.०२ मिनिटे स्तब्ध उभेराहून श्रध्दांजली अपर्ण केली.

विषय क्र. २५१/१ : सन - १९९७-९८ च्या अर्थसंकल्पीय अंदाजपत्रकावर विचार विनिमय करणे.

संवाद :

मा. महापौर : आजची सभा अत्यंत महत्त्वपूर्ण विषयावर आयोजित करण्यात आली आहे. सर्व स. सभासदांनी याबाबत आपले विचार मांडावेत. अर्थसंकल्पावरील विचार मांडत असतांना स. सभासदांनी प्रभागाच्या सूचना न मांडता सार्वजनिक सूचना करण्यात यावेळी औरंगाबाद महानगरपालिकेच्या सन १९९६-९७ चे सुधारित अंदाजपत्रक आणि सन १९९७-९८ चे अर्थसंकल्पाबाबत मा. सभापती श्री. गिरजाराम हाळनोर यांनी आपले मनोगत व्यक्त केले.

श्री. प्रदिपकुमार जैस्वाल, श्री. नरेंद्र पाटील, श्री. मोहसीन अहेमद : अर्थसंकल्पावर चर्चा करतांना लेखा शिर्षकाप्रमाणे चर्चा करण्यात यावी म्हणजे त्याबाबत स. सदस्यांना आपले मत मांडणे सोईचे जाईल. जे उद्दिष्ट ठरवून देण्यात आले होते ते पूर्ण झाले का याचा खुलासा व्हावा. आतापर्यंत कराची वसूली किती झाली. ह्या वसुलीत थकबाकी, मागणी आणि चालू वसूली किती होती याची माहिती देण्यात यावी.

मा. महापौर : लेखाधिकारी यांनी खुलासा करावा.

लेखाधिकारी : सन १९९६-९७ चे सुधारित अंदाजपत्रक जकात कराच्या वसूलीसाठी एकूण ४७ कोटी रुपयाचे उद्दिष्ट ठेवण्यात आले होते. माहे डिसेंबर ९६ पर्यंत जकात कराची वसुली झाली आहे ते समोर ठेवून सन ९७-९८ वर्षाकरिता जकात कराचे उद्दिष्ट ३७ कोटी ठेवले आहे. पान नुसार "औ" शेड्यूलचे ५ कोटी रुपये, महाराष्ट्र डिस्टलरी आणि बी. डी. एस कंपनी ओ शेड्यूलचे ५ कोटी रुपये, महाराष्ट्र डिस्टलरी आणि बी.डी.एस. कंपनी ८ कोटी व १५% याप्रमाणे अंदाजगृहीत धरण्यात आला होता. तथापि "औ" शेड्यूलप्रमाणे वाढीव दरांना मंजुरी मिळालेली नाही. महाराष्ट्र डिस्टलरी कडून थकबाकीचे ४ कोटी रुपये वसूल झाले असून माहे फेब्रुवारीपर्यंत ३९ कोटी ७ लाख जकात कर वसूल झाला आहे. येत्या मार्च अखेर पर्यंत ३६ कोटी जकात कर वसूल होईल असा अंदाज आहे.

श्री. प्रदिप जैस्वाल : सभागृहात जकात कराच्या वसुली बाबत जो खुलासा केला आहे. त्यानुसार मागील वर्षासाठी जकात कराकरिता ४७ कोटी रुपये उद्दिष्ट देण्यात आले होते. मात्र प्रत्यखात २९ कोटीची वसुली झाली आहे. मग जकात कराची वसुली कमी का झाली. मागील वर्षाच्या अंदाजपत्रकाचे वेळी महाराष्ट्र डिस्टलरीकडून ८ कोटी वसूल होणार असे कोणत्या आधारे गृहित धरण्यात आले होते. याचा खुलासा व्हावा.

लेखाधिकारी : बी.डी.ए. आणि महाराष्ट्र डिस्टलरीच्या कंपन्याकडील जकात कराचे वसुलीबाबत न्यायप्रविष्ट असलेल्याप्रकरणाचा निर्णय महापालिकेकडून लागल्यामुळे ह्या कंपन्याकडून ८ कोटी रुपये वसूल होतील असा अंदाज गृहित धरण्यात आला होता. त्यावेळी जकात कराबाबत लेखा परिक्षण करण्यात आले नव्हते. महापालिकेच्या बाजून लागलेला निर्णय माहे.

फेब्रुवारी मिळाला आहे. त्यानुसार या वर्षाच्या अर्थ संकल्पात प्रत्यक्ष वसुली गृहित धरण्यात आली आहे.

श्री. नरेंद्र पाटील : मागील वर्षाचे अर्थसंकल्पाचे वेळी बीडीए आणि महाराष्ट्र डिस्ट्रलरी कंपनीकडील जकात कराचे ८ कोटी उत्पन्न गृहित धरणे चुकीचे आहे. असा खुलासा केला होता. त्यावेळी बीडीए आणि महाराष्ट्र डिस्ट्रलरी ह्या कंपनीकडे ५ कोटीची थकबाकी दंडात ८ कोटी रुपये दाखविण्यात आले होते. आणि वाढी व दरानुसार "ओ" शेड्युल जकातीचे ५ कोटी (८/५) असे एकूण १३ कोटी रुपये याप्रमाणे एकूण ४७ कोटीचे उद्दिष्ट गृहित धरण्यात आले होते. त्यानुसार आतापर्यंतची वसुली विचारात घेता ५ कोटीची जी तुट आहे ती कशी याबाबतचा खुलासा सन्माननीय श्री. जैस्वाल मागत आहे.

श्री. मनमोहनसिंग ओबेरॉय : १९९६-९७ च्या अंदाजपत्रकास जकात कराच्या वसुलीचे उद्दिष्ट ४७ कोटी गृहित धरण्यात आले होती. यातून बीडीए आणि महाराष्ट्र डिस्ट्रलरी यांचे कडील ८ कोटी रुपये वजा जाता जकात कराची निव्वळ वसुली ३९ कोटी रुपये उरते मग जकात करापासून ३६ कोटी वसूल झाले तर ४ कोटीची तुट कशी याचा खुलासा करावा. यात मागील वर्षाचा हिशोब चुकीचा होता वसुली कमी झाली.

श्री. मोहसीन अहेमद : स्थानिक वृत्तपत्रात जकात करापासून महापालिकेस दरमहा २५ लाख रुपये कमी जकात वसूल झाली अशा बातम्या प्रसिध्द झाली आहेत. हा काय प्रकार आहे. दिवाळी/ईद या सारखे मोठ्या सणाच्या वेळात जकात कराचे वसुलीत वाढ झाली नाही तरी सुध्दाजकात करात दरमहा २५ लाख कमी उत्पन्न झाले आहे. याबाबत खुलासा व्हावा.

मा. उपआयुक्त : जकात वसुलीमध्ये ३४ कोटी निव्वळ ८ कोटी महाराष्ट्र डिस्ट्रीलरी व बी.डी.ए. कंपनी मिळणारे उत्पन्न आणि शेड्युल "ओ" नुसार ५ कोटी असे एकूण ४७ कोटीचे जकात कराचे उत्पन्न मागील वर्षासाठी धरण्यात आले होते. सन ९५-९६ मध्ये २९ कोटी रुपये उत्पन्न झाले होते. त्यावर १५% वाढ गृहित धरली असती तर हे उत्पन्न ३२ कोटी झाले असते. पण मुळ अंदाजपत्रकात ३ कोटी रुपये दर्शविले त्यामुळे २ कोटी रुपये जास्त झाले. बी.डी.ए आणि महाराष्ट्र डिस्ट्रलरी यांचेकडील ८ कोटी गृहित धरलेल्या उत्पन्नात न्यायालयाच्या निर्णयानुसार लेखे पडताळणीनुसार ही रक्कम ५.१६ कोटी मिळाली आहे. तसेच शासनाच्या मंजूरीनंतर "ओ" शेड्युलनुसार मिळणारे ५ कोटी रुपये कमी मिळाले नाही. त्यानुसार मूळ वसुलीतील २ कोटी आणि मिळणारे ८ कोटी असे एकूण १० कोटीचे जादा वसुलीचे उद्दिष्ट दाखविण्यात आले होते. आतापर्यंत जकात करापासून ३३.८६ कोटी वसूल झाले आहेत. त्यानुसार सुधारित अर्थसंकल्पात ३७ कोटीचे उद्दिष्ट जकात वसुलीसाठी ठेवण्यात आले आहे.

जकात वसुलीबाबत सन १९९५-९६ व १९९६-९७ च्या जकात वसुलीचे प्रमाण खालील प्रमाणे आहे.

| महिना | १९९५-९६ | | १९९६-९७ | |
|------------|-----------|-------|-----------|-------|
| एप्रिल | ०.०२ कोटी | ६.७५% | २.५० कोटी | ८.३४% |
| मे | २.२८ | ७.३६% | २.३८ | २.२४% |
| जून | २.३३ | ७.४६% | २.३५ | ८.९९% |
| जुलै | २.४१ | ७.७८% | २.५७ | ८.३०% |
| ऑगस्ट | २.५३ | ८.९३% | २.५२ | ८.९३% |
| सप्टेंबर | २.४१ | ८.००% | २.४५ | ८.९८% |
| ऑक्टोबर | २.५२ | ८.९५% | २.८० | ९.५% |
| नोव्हेंबर | २.६१ | ८.७९% | २.४२ | ८.०८% |
| डिसेंबर | २.७० | ८.७४% | २.७२ | |
| जानेवारी | २.५० | | २.६९ | |
| फेब्रुवारी | २.३२ | | २.३४ | |
| मार्च | २.६८ | | | |

१३ मार्च ९७ पर्यंत १.०९ कोटीची वसूली आली आहे.

श्री. मनमोहनसिंग ओबेरॉय : जकात कराचे उद्दिष्ट पूर्ण झाले का? बाजारात प्रत्येक वस्तुची भाववाढ झाली आहे. महागाई वाढली आहे. सभागृहाच्या समाधानासाठी टक्केवारी देवून काय उपयोग? जकात कर वसुलीचे उद्दिष्ट पूर्ण झाले का याचा खुलासा करावा.

श्री. प्रदिपकुमार जैस्वाल : जकात कराच्या वसुलीत गेल्या सात / आठ महिन्याचा कालावधी मोठ्या प्रमाणावर भ्रष्टाचार झाला हे मान्य करावेच लागेल. सभागृहात खुलासा केल्याप्रमाणे आकडेवरीन जकात कराची वसुली समाधानकारक वाटते का सन १९९५-९६ आणि ९६-९७ चे दररोजचे जकात वसुलीत फरक आहे. याचा खुलासा करण्यात यावा. जकात कराची वसुली कमी होत आहे. याबाबत गेल्या सहा महिन्यापूर्वी मी पत्र दिलेले आहे. त्यानंतर ही जकात कराची वसुली कमी झाली आहे. महापालिकेच्या दृष्टीने जकात कराचे उत्पन्न हे महत्वाचे आहे.

श्री. मोहसीन अहेमद : जकात कराच्या वसुलीबाबतची आकडेवारी देतांना गतवर्षी डिसेंबर २५ मध्ये २.७० कोटी वसुलीच्या प्रमाणात डिसेंबर मध्ये २.७२ कोटी वसुली झाली आहे. असा खुलासा करण्यात आला आहे. माहे डिसेंबर ९६ मध्ये रमजान सारखा सन होता. संपूर्ण मराठवाड्यासाठी लागणारा सर्व प्रकारचा माल रेल्वेने औरंगाबाद शहरात येतो. तेव्हा गत वर्षाच्या तुलनेत यावर्षी जकात कराचे उत्पन्न फक्त दोन लाखांनी वाढले हे योग्य आहे का? तेव्हा जकात कराची वसुली कमी कमी का झाली ह्याचा खुलासा व्हावा.

श्री. गंगाधर गाढे : जकात कराचे उत्पन्न म्हणजे महापालिकेचा आधार आहे. ह्या उत्पन्नावरच शहराचा विकास अवलंबून आहे. सभागृहात जकात उत्पन्नाबाबत जी आकडेवारी वाचून दाखविण्यात आली ती सुसंगत आहे. असे कोणीही म्हणणार नाही. स. सभासदांची जे मुलभूत प्रश्न उपस्थित केले ते योग्य आहेत. जकात कराची वसुली कमी होते त्याची कारणे शोधण्याची सूचना ह्यापूर्वी सभासदांनी केली होती. त्याच बरोबर जकात कराचे वसुलीबाबत

स्वतंत्र सभा घेण्याचीही मागणी सन्माननिय सभासदांनी केली होती. तेंव्हा जकात वसुली बाबत स्वतंत्र सभा घेण्याचीही मागणी सन्माननीय सभासदांनी केली होती. तेंव्हा जकात वसुलीबाबत स्वतंत्र सभा का घेण्यात आली नाही. माजी आयुक्तांची बदली झाल्यानंतर जवळ /जवळ एक ते दीड कोटी रुपयाची घट जकात वसुलीत पडली हे खरे पण त्याची कोणी दखल घेतली नाही. आज मात्र आकडे वाचून दाखविण्यात आले आहे. अर्थसंकल्पात २०% नी करात वाढ अपेक्षित असते. आज औरंगाबाद शहर झपाट्याने वाढत आहे. मग उत्पन्नात वाढ का झाली नाही. त्याची ईद/ दिवाळी या सारख्या मोठ्या सणाचे काळात शहरात मोठ्या प्रमाणावर मालाची आयात झाली. मग जकात उत्पन्नात वाढ का नाही झाली. त्याची काय काय आहेत. त्यासाठी समिती नेमण्यात यावी. अशी सूचना करण्यात आली होती. त्याची अंमलबजावणी झाली का? जकात वसुलीचे दररोजचे तक्ते पाहिले यात ५० ते ६०% वसुली चेकने असते. या चेकची रक्कम वसूल होते का? चेक वटला नाही तर काय कार्यवाही करण्यात आली. अशा चेक धारकांवर नियमाप्रमाणे ४२० कलमाखाली गुन्हा दाखल करता आला असता पण तशी कार्यवाही झालेली नाही. अधिकाऱ्यांना हाताशी पाठीशी घातले जात आहे. चेकचे आकडे यापेक्षाही जास्त असू शकतील म्हणून या प्रश्नावर अत्यंत गांभीर्याने चर्चा झाली पाहिजे. नसता आम्हा लोक प्रतिनिधीच सहकार्य राहणार नाही. महापालिकेचा खजीना करावा म्हणून माजी आयुक्त यांनी सलाईनच्या विक्री किमतीवर जकात कर लावला होता. आणि तेव्हापासून जकात वसुलीला गळती लागली आहे. जकात वसुलीची बहुतेक रक्कम चेकने येते या चेकची रक्कम एकूण वसुलीच्या ५० ते ६०% असते हे चेक २/२ महिने महापालिकेच्या खजिन्यात जमा होत नाही. ह्यापैकी अनेक चेक वटले जात नाही. मग महापालिकेचा खजिना कसा भरलेला राहिल. यावर सखोल विचार करावा. स. सभासदांच्या प्रश्नाची उत्तरे द्यावी.

श्री. मुजीब आलमशाखॉन : जकात कराच्या वसुलीत बहुतेक फॅक्टरी / कंपनी ह्या जकात कराची रक्कम चेकने देतात. ह्या प्रकरणात काही दलाल जकात नाक्यासमोर बसलेले आहे. हे दलाल लोक त्या कंपनीऐवजी स्वतःचे चेक जकात दरापोटी देतात. त्यामुळे सभागृहात खुलासा केल्याप्रमाणे जवळजवळ १२ लाख रुपयाचे चेक वटलेले नाहीत. ह्या शिवाय शहरात आयात होणाऱ्या किंमती मालावर भुसार / भंगार मालाची आयात झाली आहे. अशी नोंद करून कमी रक्कमेची जकात वसुली केली जाते? त्यावर भ्रष्टाचार होतो यावर नियंत्रण करण्यासाठी जकात विभागातील कर्मचाऱ्यांच्या बदल्या केल्याशिवाय चालणार नाही. जकात विभागातील सर्व कर्मचाऱ्यांच्या बदल्या करण्यात याव्यात जे १२ लाख रुपयांचे चेक वटलेले नाहीत. त्याबाबत संबंधीतांवर जबाबदारी देवून त्यांच्यावर कार्यवाही करण्यात यावी. लेखा विभागाच्या सर्व कामाची जबाबदारी मुख्य लेखा परिक्षकांच्याकडे सोपविण्यात आली पाहिजे. नगरसेवकांनी अशा प्रकारची मागणी केली तर सन्माननीय सभासदांवरच भ्रष्टाचाराचे आरोप केले जातात.

भागवत कराड : जकात कराची वसुली वाढली तरच शहराचा विकास होण्यास मदत होईल. तेंव्हा जकात कराची वसुली कमी का झाली याची कारणे शोधण्याची आवश्यकता आहे. खोटे चेक बाबत शोध घेवून त्यावर कार्यवाही होणे

आवश्यक आहे. तसेच जकातीचे चेकींग होणे महत्वाचे आहे. ह्या सर्व बाबींवर सविस्तर चर्चा होवून जकात वसुली कशी वाढेल याचा विचार करण्यात यावा.

उपमहापौर : चेकच्या तारखेपासून सहा महिन्यांच्या आत संबंधीत चेक बँकेत दाखल केला नाही तर तो चेक बाद होतो. तेंव्हा जकात वसुलीबाबतचे चेक ज्या अधिकाऱ्यांनी बँकेत पाठविले नाही त्यांच्यावर कार्यवाही करण्यात यावी. लोकप्रतिनिधी दिलेल्या सूचनाची अंमलबजावणी होत नाही. यावर उपाय म्हणून जकात वसुलीची काम कंत्राट पध्दतीने करण्यात यावी.

स. अली मिरा सलामी : जकात वसुलीबाबत स्वतंत्र बैठक घेण्यात यावी अशी मागणी करण्यात आली होती. ती का घेण्यात आली नाही याशिवाय जकात कर्मचाऱ्यांच्या बदल्या करण्यात याव्यात अशी सूचना करण्यात आली होती. याबाबतही कार्यवाही का झाली नाही. याचा खुलासा व्हावा. वाढत्या महागाईनुसार जकात वसुलीत १० कोटी रुपयाची घट होत आहे . उदा. सिगारेटच्या मालावर फक्त २ लाख रुपये जकात वसुली झाली आहे. त्याशिवाय दिवाळी निमित्त शहरात आयात झालेल्या फटाव्याच्या मालावर जकात कमी प्रमाणात वसूल झाली आहे. ह्या शहरात स्थानिक वृत्तपत्रात सविस्तर बातमी प्रसिध्द झाली आहे. या शहरात रु ३००/- प्रती मीटर या दराचा कपडा आयात होता पण प्रत्यक्षाचा माल नाक्यावर आल्यानंतर साईन या कपड्याची आयात झाली आहे असे दाखवून कमी जकात वसूल केली जाते पूर्वी एका जकात कर्मचाऱ्यावर लाचलुचपत विभागाने धाड टाकली होती. त्यात सदर कर्मचारी पकडला गेला होता त्याचे पुढे काय झाले. आरोग्य केंद्रावर वसूल करण्यात येणाऱ्या फीचा कमी भरणा करण्याचा प्रकार ही ह्यापूर्वी घडला आहे. त्याचे पुढे काय झाले. तेंव्हा जोपर्यंत प्रशासन सतर्क राहणार नाही. तोपर्यंत चर्चा करून काही उपयोग होणार नाही.

श्री. जावेद रज्जाक : एकाच विभागात तीन वर्षापेक्षा जास्त काळ काम करणाऱ्या कर्मचाऱ्यांच्या बदल्या कराव्यात असा नियम आहे. जकात विभागास गेल्या १२/१२ वर्षांपासून एका ठिकाणी कर्मचारी काम करतात. त्याच्या बदल्या करण्या बाबत काय कार्यवाही झाली. जकात बाबत स्वतंत्र सभा घेण्याचे आश्वासन देण्यात आले होते.

श्री. गिरजाराम हाळनोर : मागील वर्षाच्या अर्थसंकल्पात जकात उत्पन्नात जी वाढ दाखविण्यात आली तीचे जास्त प्रमाणात आहे. तेंव्हा जकात उत्पन्नात वाढ कशी होईल याचा विचार करण्यात यावा. आणि जास्त काळ जकात विभागात काम करणाऱ्या कर्मचाऱ्यांच्या बदल्या करण्यात याव्यात.

श्री. सुदाम सोनवणे : जकात कराच्या वसुलीमध्ये मागील वर्षापेक्षा २०% वाढ होणे आवश्यक होते. ती वाढ झाली नाही. ही दुर्दैवी गोष्ट आहे. जकात नाक्यावर माल आयात झाल्यानंतर सदर माल दुसऱ्या गावाला जाणार आहे. असे सांगून अनामत रक्कम ठेवली जाते. हा एक प्रकार आहे. त्याशिवाय आतापर्यंत सोन्यावर जकात कर वसूल झालेला नाही. अशी अनेक अशी अनेक कारणे आहेत. यापूर्वी मा. महापौर यांनी जकात नाक्यांना भेट दिली असता कर्मचारी झोपेत होते. असे आढळून आले त्यांना निलंबित करून पुन्हा कामावर घेतले पण त्या कर्मचाऱ्यांची जकात विभागातून बदली केली

- नाही. एका जकात कर्मचाऱ्याला रु. २५/- ची लाच घेतांना लाचलुचपत विभागाचे अधिकाऱ्यांनी पकडले यावरून जकात विभागावर लाचलुचपत विभागाचे लक्ष आहे पण प्रशासनाचे नाही ही खेदाची बाब आहे.
- श्री. व्ही.व्ही. देशमुख : सभागृहात आरोप केले तरी त्याचा काही उपयोग होणार नाही असे दिसते. जकात चोरी प्रकरणत अनेक ठिकाणी पेरणी झाली. त्या सर्व बाबींचा विचार करून आवश्यक ती अंमलबजावणी करावी लागेल यासाठी प्रशासन / पदाधिकारी / सभागृह कमी पडले का पहावे लागेल. भ्रष्टाचार कर्मचाऱ्याकडून होतो का त्यात अधिकारीसुद्धा आहेत का याची कारण मिमांसा शोधली पाहिजे. सभागृहात जकात वसुलीतील चेकबाबत चर्चा झाली. त्याबाबत अधिकाऱ्यावर कार्यवाही झाली का? याचा विचार होणे आवश्यक आहे हे बी.डी.ए आणि महाराष्ट्र डिस्ट्रलरी ह्या कंपन्याकडून ८ कोटी रुपये वसूल होतील असे दाखविण्यात आले असताना प्रत्यक्षात फक्त ४.८६ कोटी वसूल झाले हा फरक कसा याचा खुलासा झाला पाहिजे.
- श्रीमती नुरजहाँ बेगम : शहरातील एका दुकानावर खरेदीसाठी गेले असताना बीलाची मागणी केली तर बील देत नाही. असा खुलासा दुकानदाराने केला याबाबत विचार केला असता दुकानदाराने जकात कर भरत नाही. अशी माहिती दिली आहे. हा काय प्रकार आहे.
- श्री. मुश्ताक अहेमद : १५% वाढ अपेक्षित धरून अर्थसंकल्प तयार करण्यात आला आहे. त्या ऐवजी २०% वाढ अपेक्षित धरून अर्थसंकल्प तयार करणे आवश्यक आहे. जकात वसुली प्रकरणात सभागृहात बरीच चर्चा झाली आहे. याबाबत माझ्या सूचना अशा आहे की, शहरात येणाऱ्या लक्झरी बसेसमधून सोन/किमंती कपडा अशा मालाची आयात होते. यातून जकात वसुली झाली तर जकात उत्पन्नात वाढ होईल. ज्या अधिकाऱ्यांची जकात विभागात बदली केली जाते त्या अधिकाऱ्यांबरोबर त्यांचे खास मर्जीतलया कर्मचाऱ्यांची बदली त्याच विभागात केली जाते. हा काय प्रकार आहे हे कळत नाही. सभागृहात चर्चा केली जाते ह्याची पुढे काय कार्यवाही होते याचाही विचार करणे आवश्यक आहे.
- श्री. मनमोहनसिंग ओबेरॉय : जकात विभागाला रोज भेट दिली जाते. जकात वसुली बाबतची आकडेवारीही रोजच दिली जाते. सभागृहात ही जकात वसुलीबाबत चर्चा केली जाते. पण त्यावर काय कार्यवाही किंवा निर्णय घेतला जातो याचा खुलासा व्हावा.
- श्री. काशिनाथ कोकाटे : सभागृहात जकात बाबत जी आकडेवारी वाचून दाखविण्यात आली आहे, त्यावर जकात कराचे उत्पन्नात ७ ते ८ घट झाल्याचे दिसून येते. दिवाळी सारख्या महत्वाच्या सणाचे वेळी ३ लाख रुपयांनी जकात कमी वसूल झाली याचा अर्थ त्यात भ्रष्टाचार होतो हे सिध्द आहे. जकात हा महापालिकेचा महत्वाचा विभाग आहे. जकात कराच्या उत्पन्नात वाढ करण्यासाठी वरिष्ठ अधिकाऱ्यांना सर्व अधिकार देण्यात यावेत.
- श्रीमती लता दलाल : सध्या कोरीयर सर्व्हीसचे प्रमाण वाढत आहे. ह्या कोरीयर सर्व्हीसद्वारे जो माल शहरात आयात होतो त्याची चेकींग होणे आवश्यक आहे. याशिवाय सार्वजनिक ट्रस्टच्या नावावर आयात होणाऱ्या मशिनरीला जकात कर कमी आहे याबाबीचा फायदा घेवून शहरात मोठ्या किमतीची मशिनरी आयात होत आहे. तेंव्हा अशा मालावर १० पट जकात घेण्यात यावी म्हणजे जकात

उत्पन्नात वाढ होण्यास मदत होईल. याशिवाय जकात विभागात काम करणारे कर्मचारी / अधिकारी यांच्या जकात विभागातून दिल्या जाव्यात त्यास लोकप्रतिनिधींनी हस्तक्षेप करू नये.

- श्री. संजय जोशी : जकात विभागाबाबत प्रशासनाने एक उपसमिती नेमली होती. ह्या समितीच्या अहवाला प्रमाणे त्यावर कार्यवाही केली नाही. जकात नाक्यावरून करारपत्रानुसार आलेल्या सर्व गाड्या वेळेच्या आत शहराबाहेर गेल्या आहेत का? हे पाहिले पाहिजे पण तशी पाहणी होत नाही. शहरात मोठ्या प्रमाणावर ब्लॅकॅटची आयात झाली पण त्यावर जकात वसूल झाली नाही. ह्या उलट पोटासाठी जे गरीब नागरिक रत्यावर बसून ब्लॅकॅटर विकण्याचा धंदा करतात त्यांना मात्र त्रास दिला जातो. ही वस्तुस्थिती आहे. आज शहरात हजारोंच्या संख्येने कॉम्प्युटरची आयात होत आहे. त्यावर जकात वसूल झाली नाही. अदालत रोडवर पीयुसी कॉम्प्युटर आहे. त्याची आतापर्यंत जकात वसूली झाली नाही. मध्यंतरी ३ किलो सोने पकडल्याची बातमी आली होती त्या सोन्यावरील जकात वसूली बाबत प्रशासनाने कार्यवाही केली नाही. या शहरात मध्य प्रदेशामध्ये पासींग असलेल्या अनेक गाड्या फिरताना दिसतात. ह्या गाड्यावरील जकात वसूली केली गेली नाही. माझ्याकडे एक गाडीसाठी लागणारे टायर पंढरपूर येथून घेतल्यामुळे मला २०० रुपये वाचले अशी कारणे आहेत. या बाबींकडे प्रशासनाने दिले पाहिजे.
- श्री. नरेंद्र पाटील : जकात वसूलीबाबत वेगवेगळे आरोप सभागृहात झाले आहेत. ह्या शहराच्या नागरिकांवर आरोप होतात. असा त्याचा अर्थ आहे हे योग्य नाही. तेंव्हा नुसती चर्चा नको आहे. काही तरी कृती झाली पाहिजे याबाबत अनेक सन्माननीय सभासदांनी पत्रही दिली आहेत. यावर उपाय म्हणून कडक कार्यवाही झाली पाहिजे. सध्याचे उपआयुक्त प्रशासन आणि जकात ह्या दोन्ही विभागावर नियंत्रण ठेवू शकत नाही.
- श्री. गंगाधर गाडे : जकात वसूलीबाबत जे चेक दाखल झाले आहेत त्या विषयी माहिती घेतली असता श्री. ए. बी. पटेल ह्यांचा रु. २,५००/- चा चेक आहे. ह्या चेक समोरील शेऱ्यांच्या रकान्यात ह्या नावाची व्यक्ती शहरात नाही काय कार्यवाही करावी असा शेरा दिलेला आहे. तेंव्हा अशा प्रकारच्या चेकबाबत ४२० ची कार्यवाही झाली पाहिजे. विशेष बाब म्हणजे जकात कराबाबत चेक दिल्यानंतर तो चेक दुसऱ्याच दिवशी बँकेत जमा झाला पाहिजे.
- मा. उपमहापौर : ट्रान्सपोर्टचा व्यवसाय आहे. सिमेंटरची घेतांना एका ट्रकमध्ये १५ टन सिमेंट असते पण बिल्टी मात्र १० टनाची केली जाते. व त्यानुसार जकात वसूल होते. अशा प्रकारे ५ टन सिमेंटची जकात बुडते.
- श्री. प्रदिपकुमार जैस्वाल : सर्व सभासदांना आपआपल्या भावना सभागृहात मांडल्या आहेत जो पर्यंत महापालिकेचे उत्पन्न वाढणार नाही, तोपर्यंत या शहराचा विकास होणार नाही. म्हणून यावर एका उपाय म्हणून समितीची नेमणूक रावी अशी सूचना आहे.
- मा. आयुक्त : गेल्या दोन तासापासून जकातवर सभागृहात चर्चा चालू आहे. जकात उत्पन्नाबाबत सभागृहाने चिंता व्यक्त केली. अनेक सूचना केल्या आहेत. वर्तमान पत्रातून सुध्दा टिका सहन करावी लागत आहे. जकात मधील भ्रष्टाचार कसा थांबणार याची माहिती देण्यात येणार आहे. जकात उत्पन्नात

घट का झाली हे समजून घेणे आहे. वस्तुस्थिती काय आहे. गतवर्ष अंदाजपत्रकात जकात उत्पन्नात ४७ कोटीची तरतूद केली यावेळी सभागृहाने चर्चा केली. बी.डी.ए. आणि महाराष्ट्र डिस्ट्रलरी यांचेकडील जकात वाढीचे १३ कोटी रुपये बाजूला काढले तरी मुळ जकात करापोटी ३४ कोटी उत्पन्न अपेक्षित होते. १० मार्च पर्यंत जकात करापोटी ३० कोटी रुपये वसूल झालेले आहे. ३१ मार्च ३२ कोटी रुपये वसूल होतील असा अंदाज आहे. जकात कर दर वाढविण्यात शासनाकडून मंजुरी आली नाही म्हणून ५ कोटी उत्पन्न कमी झाले आहे.

बी.डी.ए / महाराष्ट्र डिस्ट्रलरी यांचे लेखा परिक्षणातून जकात वसुलीपोटी ९२-९३, ९३-९४, ९४-९५ ह्या वर्षातील आकडेवारी बघितली तर अपेक्षित उत्पन्नापेक्षा कमी वसुली झाली आहे. म्हणजेच भ्रष्टाचार झाला असे म्हणता येणार नाही.

जकात विभागाबाबत नेमलेल्या समितीने चांगला अहवाल दिला आहे. त्याप्रमाणे कार्यवाही करण्याचे आदेश ही दिले आहे. आर्थिक वर्षअखेर नंतर तीन वर्षांपेक्षा जास्त काळ झालेल्या कर्मचाऱ्यांच्या बदल्या केल्या जातील. प्रशासनाला त्याच्या सूचना दिल्या आहेत त्यावर कार्यवाही चालू आहे.

- श्री. मुजीब आलमशा खान : जकात विषयाचा खुलासा करतांना मा. आयुक्त यांनी ९०-९१ पासूनच्या आकडेवारीचा खुलासा केला आहे पण त्याच प्रमाणात महागाई सुध्दा वाढली आहे. याचाच अर्थ २०% ज्यादा जकात उत्पन्न मिळणे जरूरीचे आहे. ही बाब लक्षात घेवून मा. महापौर यांनी निर्णय घ्यावा.
- श्री. गंगाधर गाडे : सोने / स. नगरसेविका यांनी पावती बाबत दिलेले उदाहरण या बाबीचा खुलासा न करता प्रशासन कार फार स्वच्छ आहे. असे दाखविण्याचा प्रशासनाने जो प्रयत्न केला आहे तो योग्य नाही. जकात कराचे अपेक्षित उत्पन्न ६० कोटी धरावे व त्याप्रमाणे वसुली करण्याचे उद्दिष्ट ठरवावे.
- श्री. जावेद रज्जाक : प्रत्येक महिन्यात जकात कराचे किती उत्पन्न झाले याची माहिती मा. आयुक्त यांनी स. सभासदांना द्यावी.
- श्री. जयवंत ओक : जकात वसुलीबाबत खर्च सभागृहातील सर्व सभासदांनी आपली मते व्यक्त केली आहे त्यातून जकात विभागात काम करणाऱ्या कर्मचाऱ्यांच्या बदल्या करण्यात याव्यात असे मत आहे. तेंव्हा मा. महापौर यांनी याबाबत रोलिंग घ्यावी व एप्रिल पासून अंमलबजावणी करावी.
- मा. महापौर : जकात वसुलीबाबत स. सभागृहाने सूचना / प्रश्न केले आहेत. मा. आयुक्त यांचे बरोबर जकात वसुली प्रकरणात यापूर्वीच चर्चा करण्यात आली आहे. एप्रिल ९५ च्या पहिल्या आठवड्यात जकात विभागात काम करणाऱ्या सर्व कर्मचाऱ्यांच्या बदल्या करण्यात याव्यात. सभागृहाच्या सुचनेनुसार जकात विभागाचे काम सुधारणा करण्याच्या दृष्टीने ह्या विभागासाठी वायरलेस व्यवस्था त्वरित पुरविण्याची व्यवस्था कराण्यात यावी. शहराबाहेर गोडावून ह्या सारख्या अनेक कारणाबाबत ही समिती विचार करील सन्माननीय सभासदांनी ज्या ज्या सूचना केल्या आहेत. त्याबाबत प्रशासनाने गंभीर दखल घ्यावी. जकात विभागाबाबत नेमण्यात आलेले समितीची कार्यवाही प्रशासनाने मान्य करावी.

- प्रदिपकुमार जैस्वाल : मालमत्ता कराबाबत चर्चा करण्यास वेळ देण्यात यावा. त्यासाठी विभागीय कार्यालयाकडून वसूल करण्यात आलेल्या कराचे वसुली बाबत माहिती द्यावी ही माहिती देत असतांना एकूण मागणी एकूण थकबाकी (डिसीबी) ची माहिती देण्यात यावी.
- नरेंद्र पाटील : अंदाजपत्रक पुरस्कारातील पान नुसार वार्षिक मालमत्ता कर किती याचा खुलासा करण्यात यावा.
- आयुक्त-१ : सन १९९६-९७ वर्षात ९ कोटी ७४ लाख मालमत्ता कराची मागणी होती. त्यातून ६ कोटी वसूल झाली आहे.
- नरेंद्र पाटील : सिडको भागातील मालमत्ता धारकावर ७ कोटीचा मालमत्ता कर लावलेला आहे. सिडको भागासाठी कर केव्हांपासून लावण्यात यावा हे अद्याप ठरले नाही. तर हा ७ कोटी कर थकबाकी स्वरूपात कशी धरण्यात येत आहे. सिडको भागाचे ७ कोटी रुपये यातून वगळण्यात यावे. मा. पालकमंत्री यांचे अध्यक्षतेखाली सिडको भागातील नगरसेवकांची जी बैठक झाली त्यात याविषयावर चर्चा झाली आहे. सन १९८८ मध्ये मालमत्ता कराची जी फेर आकारणी झाली त्यात जी मालमत्ता कर वाढविण्यात आला होता तो प्रशासनाचे चुकीने वाढविण्यात आला आहे. त्यामुळे थकबाकी वाढली आहे. त्यातून थकबाकी दारावर दंड आकारण्याची सूचना केलेली आहे.
- मा. महापौर : स. सभागृहाने ७ कोटीच्या कराचा प्रश्न उपस्थित केला आहे. तथापि सिडको प्रश्नावर अद्याप निर्णय न झाल्याने अंदाजपत्रकात सिडकोकडील थकबाकी न दाखविणे योग्य होणार नाही.
- श्री. कचरू नवपुते : मालमत्ता कर वसुलीचे अनेक प्रकरणे न्यायालयात प्रलंबित आहेत. या प्रकरणाची पैरवी करण्यासाठी नेमण्यात आलेले विधीज्ञाचे पॅनल या प्रकरणात योग्य काम करीत नाही. तेव्हा मालमत्ता कराच्या न्यायालयीन प्रकरणातील पैरवीसाठी नेमण्यात आलेले विधीज्ञाचे पॅनल बदलण्यात यावे व न्यायालयातील प्रलंबित प्रकरणे निकाली काढण्यात यावी.
- श्री. व्ही. व्ही. देशमुख : दर चार वर्षांनी मालमत्ता करात फेर बदल करण्याचा नियम आहे. सन १९८८ साली जो मालमत्ता करात जो बदल करण्यात आला तो फार मोठ्या प्रमाणावर झाला. त्यामुळे ही मालमत्ता कराची ही थकबाकी दिसून येते. अधिकाऱ्यांना चांगले निर्देश दिले जात नाही. त्यामुळे ही परिस्थिती निर्माण झाली आहे. एकाच मालमत्तेवर दोन वेळा वेगवेगळ्या कर लावण्यात आल्याची उदा. आहेत.
- श्री. मनमोहनसिंग ओबेरॉय : ४५ कोटी मालमत्ता कराच्या रक्कमेतून किती रक्कम वसूल केली जाणार याचा विचार केला पाहिजे. मालमत्ता कराच्या न्याय प्रविष्ट प्रकरणात लोकन्यायालयाच्या माध्यमातून प्रकरणे निकाली काढली पाहिजेत.
- श्री. जयवंत ओक : न्यायालयात महापालिकेची किती प्रकरणे आहेत व झोन २ मध्ये किती वसूल झाली याची माहिती देण्यात यावी.
- श्री. प्रभाकर विधाते : सन १९९० मध्ये कर वाढवावयाचा नाही असा निर्णय घेण्यात आला होता तरी पण वाढ केली जात आहे. ह्या प्रकरणी एक लेखी पत्र दिले आहे. त्याचे उत्तर मिळालेले नाही. करण्यात आलेली दर वाढ योग्य नाही. म्हणून नागरिक न्यायालयात गेले आहेत. तेव्हा या बाबत खुलासा व्हावा. या प्रकरणात अधिकाऱ्याची चूक आहे. न्यायप्रविष्ट प्रकरणात पैरवी करण्यासाठी मनपाच्या पॅनलवरील वकील न्यायालयात हजर राहत नाही. म्हणून

नेमण्यात आलेले वकीलांचे पॅनल व विधी सल्लागार बदलण्यात यावेत. आजची अनेक प्रकरणे न्यायालयात प्रलंबित आहेत.

सौ. लता दलाल : झोन दोनच्या हद्दित असलेल्या दोन सारख्या घरांपैकी एका घराला एक आणि दुसऱ्या घराला एक अशा प्रकारे कर आकारणी करण्यात आली आहे. विशेष म्हणजे महत्वाची बाबी ह्या झोन मध्ये नागरिकांना कराचा भरणा केल्यानंतर त्याची रितसर नोंद मनपा रजिस्टरला घेतली जात नाही. याचाच परिणाम म्हणून नागरिकांनी ज्या वर्षाचा कर भरला आहे. त्या वर्षाच्या कराची मागणी पुन्हा करण्यात येते. यामुळे अनेक नागरिक न्यायालयात धाव घेत आहे.

विधी सल्लागार : महानगरपालिका अस्थापनेपासून फेब्रुवारी ९७ पर्यंत खालील प्रमाणे प्रकरणे न्यायप्रविष्ट झाली आहेत.

| अ.क्र. | प्रकार | एकूण दाखल प्रकरणे | मनपाच्या बाजूने निकाल लागलेली प्रकरणे | मनपाच्या विरुद्ध निकाल लागलेली प्रकरणे | प्रलंबित प्रकरणे |
|-------------|------------------------|-------------------|---------------------------------------|--|------------------|
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ |
| १ | अनाधिकृत बांधकाम | १३७२ | ४३७ | १०२ | ८३३ |
| २ | रस्ता रुंदीकरण प्रकरणे | ४६३ | ९४ | २२ | ३४७ |
| ३ | मालमत्ता कर | १२६७ | ५४३ | ३२५ | ४०० |
| ४ | सर्व्हिस मॅटर | १९१ | ७० | १५ | १०६ |
| ५ | अनाधिकृत गाळे | ५८ | ४७ शिक्षा झाली | - | ११ |
| ६ | खोटे घनादेश | १९ | - | - | - |
| ७ | निवडणूक विषयक | ५५ | ०९ निकाल लागला | - | ४६ |
| ८ | इतर प्रकरणे | ६०७ | २६३ | ५२ | २९२ |
| एकूण | | ४०३२ | एकूण | | २०५४ |

सै. अली मीरा सलामी : दि. १० च्या सर्वसाधारण सभेत मालमत्ता कराबाबत चर्चा झाली होती. त्यानंतर दि.११ ला मनपा कार्यालयात मालमत्ता कराविषयी सुनावणी झाली. ह्या प्रकरणात एन. आर. व्ही बदलून मालमत्ता कराची आकारणी करण्यात आली आहे. तेव्हा ह्या प्रकरणात काय निर्णय झाला याचा खुलासा करा. महापालिका अधिकाऱ्यांनी चूकीने आकारणी केली आहे.

श्री. सल्लागार : सन १९८८-८९ मध्ये मालमत्ता कराची फेर आकारणी करत असतांना सदर प्रस्ताव सर्वसाधारण सभेपुढे ठेवण्यात आला होता. तो मंजूर झाला. त्याप्रमाणे कार्यवाही करत असतांना स. सभासदांनी एन.आर.व्ही. मध्ये बदल करता येत नाही असे निदर्शनास आणून दिले. त्याप्रमाणे सर्वसाधारण सभेच्या आदेशानुसार एखाद्या मालमत्तेत स्थिती बदल झाला नाही. अशा मालमत्तांना कर आकारणी करण्यात आली. नियमाप्रमाणे ह्या बाबत सूचना

हरकती घेवून कर लावला आहे. त्या मालमत्ताचा एन.आर.व्ही. वाढल्यामुळे जेष्ठ नागरिकांशी मा. आयुक्त यांनी चर्चा केली आहे. त्याप्रमाणे निर्णय घेत आहे.

- श्री. नरेंद्र पाटील : एन.आर.व्ही जुनीच राहिल असा निर्णय सभागृहाने घेतला आहे. त्याच बरोबर इतर करही जुनेच राहिल असेही ठरले होते. परंतु प्रशासनाने ठराव मंजूर होईल ह्या अपेक्षेवर नोटीसा दिल्या होत्या.
- श्री. गंगाधर गाडे : सन १९८९ मधील मालमत्ता कराची नोटीस सन १९९० मध्ये देण्यात आली ह्या दोन नोटीस मध्ये १९८९ पासून कर वसुलीची नोटीस दिली. जर १९८८ मध्ये मालमत्ता कर वाढविण्याची मुभी दिली असेल तर अधिकारी नागरिकांना अप्रत्यक्षपणे कर भरू नये अशी संधी देत आहेत हा खरा मुद्दा आहे. याचा खुलासा व्हावा.
- मा. आयुक्त : मालमत्ता करावर सभागृहात चर्चा चालू आहे. शहरात ९३,७०० मालमत्ता आहेत. ह्या मालमत्तावर चालू मागणी ९ कोटी ९७ लाख आहे. मालमत्ता कराची थकबाकी ३० कोटी रुपयाची आहे. या ७ कोटी रुपये सिडको भागातील मालमत्ता २ कोटी रुपये न्यायप्रविष्ट प्रकरणात आणि २१ कोटी रुपयाची थकबाकी बाबत अनेक कारणे आहेत. याबाबत शहरातील जेष्ठ नागरिकांची शिष्टमंडळाने भेट घेतली आहे. ना. श्री. बाबुलालजी पराती, श्री. रतीलाल जरीवाला, श्री. अलफखॉ, श्री. नंदलाल जैस्वाल, यांचा समावेश आहे. स. सभासद श्री. प्रदिपकुमार जैस्वाल यांनी खुलासा केल्याप्रमाणे ह्या जेष्ठ नागरिकांच्या शिष्टमंडळाची ही हीच मागणी आहे. अशी एकूण १२०० प्रकरणे न्यायप्रविष्ट आहेत. ह्या १२०० प्रकरणात एन.आर.व्ही कमी करता येत नाही म्हणून निर्णय घेण्यात आला नाही. न्यायप्रविष्ट प्रकरणाबाबत लोक न्यायालय घेण्यात यावे. या बाबीसाठी मा. न्यायालयाचीही तयारी आहे. तथापि याबाबतचा धोरणात्मक निर्णय सभागृहात घेणे आवश्यक आहे. वापरात बदल, विक्री पडलेली घरे भाड्यातील फरक अशी अनेक प्रकरणे आहे. त्यासाठी महापालिका प्रशासनावर टॅक्स/ अॅसेसर/ टॅक्स कलेक्टर असे पद नाही. ह्या सर्व बाजूचा विचार करण्यासाठी सविस्तर असा प्रस्ताव घेवून प्रशासन येत आहे. ह्या व्यतिरिक्त प्रशासनाने काही निर्णय घेतले. उदा. सर्व्हेक्षण करणे, नबरींग करणे, विक्रीनुसार बदल करणे, १९९० च्या निर्णयानुसार एन.आर.व्ही पुस्तिका वाटप अधिकारी पद निर्माण करणे, लवकरच या बाबतचा प्रस्ताव घेवून प्रशासन सभागृहापुढे येत आहे.
- श्री. गंगाधर गाडे : मालमत्ता कराच्या थकबाकीची कारणे काय? त्यावर कार्यवाही केली का? न केल्यास का केली नाही ? नंदनवन कॉलनीतील एका प्रकरणांत गेल्या ४ वर्षांपर्यंत श्री. अंभोरे साहेब निर्णय देण्यास तयार नव्हते. या प्रकरणात स. सभासद श्री. प्रदिपकुमार जैस्वाल आणि मी. मा. आयुक्त यांची भेट घेतली त्यांनी या प्रकरणात लक्ष घातले आणि प्रकरणे निकाली काढण्यात आले. २१ कोटी रुपयाची थकबाकीस अधिकारी कारणीभूत आहेत. त्यामुळे प्रकरणे न्यायालयात जातात. त्यात दरवर्षी वाढ होत आहे. अशा अधिकाऱ्यांवर ठपका ठेवण्यात यावा.
- श्री. महादेव सुर्यवंशी : मालमत्ता कराबाबत सभागृहात चर्चा चालू आहे. सन १९९७-९८ ह्या वर्षात १० कोटी प्रलंबित कराच्या वसुलीचे उद्दिष्ट ठेवले आहे. त्यापैकी ६

- कोटी रुपये वसूल झाले कर आकारणी करण्याची पध्दत चुकीची आहे. ह्या बाबींचा विचार करता कर आकारणीची वेगळी पध्दत अवलंबी वयाचा प्रस्ताव सभागृहापुढे आणावयास पाहिजे. जसे घर तसा कर अशी फक्त घोषणाच केली गेली आहे. १०० रुपये प्रत्यक्षात कर असेल तर तो रु. ४०० कसा होतो. त्सासाठी ए.बी.सी.डी ह्या प्रमाणे कर आकारणी व्हावी.
- मा. महापौर : सभागृहाने ज्या सूचना मांडल्या आहेत. त्याची दखल घेतलेली आहे. उदा. जसेच घर तसा कर.
- श्री. जयवंत ओक : शहरात ६० अनाधिकृत वसाहती आहेत. ह्या वसाहतींना एप्रिलपासून मालमत्ता कराची आकारणी करण्यात आल्यास २ कोटी रुपयाची वसुली होईल.
- श्री. मुजीब आलमशाखान : महापालिकेच्या जकात कर व मालमत्ता वर विभागासाठी स्वतंत्र उपआयुक्त नेमण्यात यावा. अशा प्रकारे स्वतंत्र उपआयुक्त नेमल्याने महापालिकेचा खर्च वाढणार असला तरी जकात कर आणि मालमत्ता कराची प्रलंबित प्रकरणे निकाली होण्यास मदत होईल.
- श्री. गिरजाराम हाळनोर : मालमत्ता कराची अनेक प्रकरणे न्यायप्रविष्ट आहेत. ह्या प्रकरणात महापालिकेतर्फे पैरवी करण्यासाठी तज्ञ विधीज्ञांची नेमणूक करून अशी प्रकरणे निकाली काढण्यात यावीत. याशिवाय मालमत्ता कर आणि जकात कर विभागासाठी स्वतंत्र उपआयुक्त नेमण्याची जी सूचना स. विरोधी पक्षनेता यांनी केली आहे. त्याबाबत सहमत आहे.
- सौ. नुरजहाँ बेगम : दोन भावांपैकी एका भावाला रु. ८०० आणि दुसऱ्या भावाला रु. १२००/- मालमत्ता कराची आकारणी करण्यात आली आहे. याबाबत कर आकारणी विभागात वेळोवेळी चक्कर मारून ही दुरुस्ती करण्यात आली आहे.
- डॉ. विजयकुमार मेहेर : मालमत्ता कराचे फेर आकारणी (रिव्हॅल्युशन) होणे आवश्यक आहे. तशी मागणीही आहे. मालमत्ता कर व विभागासाठी स्वतंत्र उपआयुक्त नेमण्यात येवून तडजोडीने प्रकरणे निकाली काढावी व थकीत रक्कम वसूल करावी.
- डॉ. भागवत कराड : मालमत्ता कराच्या थकबाकीची दोन प्रमुख कारणे आहे. (१) मालमत्ता कराची आकारणी चुकीची झाली. (२) वसुली बरोबर नाही. मालमत्ता कराची आकारणी करतांना घरमालक, भाडेकर असले तरी त्यांचे नातेवाईक आहेत असे सांगतच किंवा भाडेकरू फक्त तीन महिनेच होते असे सांगतात. यावरून भाडेकरूचा जो प्रश्न आहे. तो गहन झाला आहे. ह्या सर्व बाबींचा विचार करता मालमत्ता कराची आकारणी करतांना भाडेकरूचा विचार न करता त्याऐवजी (जसे घर तसा कर) ही योजना लागू करावी. तसेच मालमत्ता धारकांना मालमत्ता करांबाबतचे पासबुक देण्यात यावे.
- सौ. लता दलाल : ज्या मालमत्तेमध्ये कोणताही बदल नसतांना पूर्वीच्या रु. २०० टॅक्स ऐवजी महापालिकेतर्फे रु. ४०००/- कर आकारणी करण्यात आली आहे. अशा प्रकरणात नागरिक न्यायालयात गेले आहेत. ही प्रकरणे तडजोडीने निकाली काढली. तर वसूल होण्यास मदत होईल.
- श्री. भगवान घडमोडे : मालमत्ता कराच्या थकबाकीस प्रशासन जबाबदार आहे. मालमत्ता कराचे मुल्यमापन योग्य होत नाही. यामुळे नागरिक न्यायालयात धाव घेतात. न्यायालयात जी प्रकरणे प्रलंबित आहेत. त्यास कर आकारणी

अधिकारी व विधी सल्लागार जबाबदार आहेत. म्हणून मालमत्ता कराची थकबाकी २१ कोटी रुपयांवर दिसून येते. यासाठी प्रशासनावर कार्यवाही झाली पाहिजे. एखाद्या प्रकरणात चिरीमिरी दिली तर प्रकरण निकाली काढले जाते. त्या उलट स. सभासदांनी एखादे प्रकरण संबंधीत विभागाकडे नेले तर त्यासाठी नियम दाखवला जातो अशांवरही कार्यवाही झाली पाहिजे.

श्री. मोहसीन अहेमद, श्री. मुश्ताक अहेमद : इतर महानगरपालिकेप्रमाणे मालमत्ता कर आकारणी विभागासाठी आवश्यक असलेले पद त्वरित भरण्यात यावे. तसेच महापालिकेकडे असलेल्या वकील पॅनलचे दोन भाग करण्यात यावे. त्यात सिनियर / ज्युनियर अशा प्रकारची असावी.

मा. महापौर : सभागृहात अशी चर्चा झाली आहे. त्यानुसार मालमत्ता कर प्रकरणात समिती कायम करणे आवश्यक आहे तसेच "जसे घर तसा कर" ही पध्दत अवलंबविणे करणे योग्य होईल. मालमत्ता कराची बरीच प्रकरणे प्रलंबित आहे. त्यासाठी वकीलाचे पॅनल बदलण्यात यावे आणि जास्तीत जास्त कर वसूल करण्यात यावा. जकात आणि मालमत्ता कर यासाठी नवीन उपआयुक्तांचे पद निर्माण करण्यात यावे. महापालिका पकरणात नवीन वकीलांना देण्यात येणारे वाढविण्यात यावे. वकीलांना योग्य मानधन देण्यात यावे. शहरातील मालमत्ता धारकांना मालमत्ता कर भरणाबाबत पासबुक देण्यात यावे. या सूचनांना मंजुरी देण्यात येते. याशिवाय अंदाजपत्रकाच्या इतर शिर्षकाबाबत सूचना करतांना स. सभासदांनी पान नंबरचा उल्लेख करून आपल्या सूचना सभागृहात कराव्यात.

श्री. नरेंद्र पाटील : १९९७-९८ च्या अर्थसंकल्पात पाणीपट्टी करात जी वाढ सूचविण्यात आली आहे. त्यास विरोध आहे. पाणी ही नागरिकांची मुलभूत गरज आहे. याचा विचार करता नागरिकांना कमीत कमी कर लावण्यात यावा. पाणी पुरवठ्यावर महापालिकेला जे ६०% नुकसान सहन करावे लागत आहे, त्याची भरपाई इतर खर्चात कपात करून करण्यात यावी. आणि जनतेला कमी दरात पाणी पुरवठा होत आहे. त्यामुळे अर्थसंकल्पात सुचविण्यात आलेली वाढ अन्यायकारक होईल ह्या सर्व बाबींचा विचार करता, पूर्वीची पाणीपट्टी आकारण्यात येत होती तीच कायम ठेवावी.

सामान्य नागरिकांवर बोजा वाढणार नाही याची काळजी घेण्यात यावी.

श्री. मोहसीन अहेमद : पाणी पट्टीत जी वाढ केली आहे त्या १/२", १", १^{१/२}" आकाराच्या नळ कनेक्शनसाठी कितीदर राहिल याचा खुलासा व्हावा. तसेच या सोबत पूर्वी काय दर होते. याचा तक्ता देणे आवश्यक होते. यात जी वाढ सुचविण्यात आली आहे ती ४% होते.

कार्यकारी अभियंता :- सभागृहाच्या सुचनेनुसार पाणीपट्टीचे वाढीव व पूर्वीचे दर खालीलप्रमाणे :-

| नळ कनेक्शन चा प्रकार | विद्यमान दर | १९-०२-९७ रोजी प्रस्तावित दर | १५-०३-९७ रोजी सर्वसाधारण सभेत प्रस्तावित दर. |
|----------------------|-------------|-----------------------------|--|
| | | | |

| अ] घरगुती वापरासाठी | | | | |
|--------------------------------------|------------------------|--------------------|-------------------|-------------------|
| | | २१.५०० प्र.वर्ष | | |
| १ | १५ मीमी मीटर रहित | रु.२.५० प्र. ह.लि. | रु.६०० प्र.वर्ष | रु.७०० प्र.वर्ष |
| २. | १५ मीमी मीटर सहित | रु. १००० प्र. वर्ष | रु.३.०० प्र.ह.लि. | रु.३०० प्र.ह.लि. |
| ३. | २० मीमी मीटर सहित | रु.२.५० प्र.ह.लि. | रु.१५०० प्र.वर्ष | रु.१५०० प्र.वर्ष |
| ४. | २० मीमी मीटर सहित | रु.२५०० प्र.वर्ष | रु.३.०० प्र.ह.लि. | रु.३.०० प्र.ह.लि. |
| ५. | २५ मीमी मीटर सहित | रु.२.५० प्र.ह.लि. | रु.३५०० प्र.वर्ष | रु.३५०० प्र.वर्ष |
| ६. | २५ मीमी मीटर सहित | - | रु.३.०० प्र.ह.लि. | रु.३.०० प्र.ह.लि. |
| ब] उद्योग धंद्यासाठी | | | | |
| १ | १५ मीमी मीटर सहित | रु.३००० प्र. वर्ष | रु.३७०० प्र.वर्ष | रु.३७०० प्र.वर्ष |
| २. | १५ मीमी मीटर सहित | रु. ८.०० प्र.ह.लि. | रु.१० प्र.ह.लि. | रु.१० प्र.ह.लि. |
| ३. | २० मीमी मीटर सहित | रु.४००० प्र.वर्ष | रु.५००० प्र.वर्ष | रु.५००० प्र.वर्ष |
| ४. | २० मीमी मीटर सहित | रु. ८.०० प्र.ह.लि. | रु.१० प्र.ह.लि. | रु.१० प्र.ह.लि. |
| ५. | २५ मीमी मीटर सहित | रु.१०००० प्र.वर्ष | रु.१५००० प्र.वर्ष | रु.१५००० प्र.वर्ष |
| ६. | २५ मीमी मीटर सहित | रु. ८.०० प्र.ह.लि. | रु.१० प्र.ह.लि. | रु.१० प्र.ह.लि. |
| क] बांधकामासाठी तात्पुरते नळ कनेक्शन | | | | |
| १ | १५ मीमी (१/२") | रु.३०० प्र.महा | रु.५०० प्र.महा | रु.५०० प्र.महा |
| २. | २० मीमी (३/४") | रु.६०० प्र.महा | रु.१००० प्र.महा | रु.१००० प्र.महा |
| ३. | २५ मीमी (१") | रु.१००० प्र.महा | रु.१५०० प्र.महा | रु.१५०० प्र.महा |
| ४. | बांधकामासाठी मीटर सहित | रु. ८.०० प्र.ह.लि. | रु.१० प्र.ह.लि. | रु.१० प्र.ह.लि. |

श्री. मोहसीन अहेमद : सभागृहात खुलासा केल्याप्रमाणे जर १/२" नळ कनेक्शनसाठी रु.८.०० पाणी पट्टी सुचविण्यात आली आहे तर १" नळ कनेक्शनसाठी रु. १६०० पाणीपट्टी घेणे योग्य राहिल. त्याऐवजी १" नळ कनेक्शनसाठी रु.३५००/- वाढ कशी सुचविण्यात आली आहे. त्याचप्रमाणे उलट उद्योगधंद्यासाठी जे कनेक्शन घेतले जाते त्यात १" नळ कनेक्शनला रु. १००००/- ऐवजी रु. १५०००/- म्हणजेच फक्त रु. ५०००/- ची वाढ सुचविण्यात आली आहे. हे कसे शक्य आहे. याशिवाय यापूर्वी जी वाढ सुचविण्यात आली त्यास शासनाची मंजूरी अद्याप मिळाली नाही. म्हणून पाणीपट्टीत जी वाढ सुचविण्यात आली आहे. ती योग्य नाही.

उप आयुक्त : स. सभासदांचा गैरसमज झाला आहे. महापालिका दोन प्रकारचे नळ कनेक्शन देते त्याचे प्रकार व त्यासाठी प्रचलीत दर, ह्यापूर्वी केलेली वाढ आणि प्रस्तावित वाढीव वार्षिक दर खालीलप्रमाणे.

| कनेक्शनचा प्रकार | घरगुती वापरासाठी | उद्योगधंद्याच्या वापरासाठी |
|------------------|--------------------------|----------------------------|
| १/२" नळ कनेक्शन | रु. ५०० रु.६०० रु.८०० | रु.३००० रु.३७०० रु.४२०० |
| ३/४" नळ कनेक्शन | - | रु.४००० रु.५००० रु.५५०० |
| १" नळ कनेक्शन | रु. २५०० रु.३००० रु.३५०० | रु.१०००० रु.१५००० रु.१५५०० |

श्री. मुश्ताक अहेमद : महापालिकेने कमीत कमी खर्चात नागरी सुविधा नागरिकांना उपलब्ध करून देणे हे महापालिकेचे ध्येय आहे. कृषी धोरणानुसार पाणीपुरवठा, वीजपुरवठा सवलतीच्या दरात शासनाकडून महापालिकेला मिळाला पाहिजे. अशी मागणी यापूर्वी केली होती. ह्या मागणीनुसार सवलतीच्या दरात शासनाकडून पुरवठा झाल्यास वरील योजना, वरील खर्च कमी होईल. पाणीपट्टीत सुचविण्यात आलेली वाढ बे वाजवी आहे तेंव्हा पूर्वीचीच म्हणजेच रु.५००/- प्रतिवर्ष पाणीपट्टी कायम ठेवावी.

डॉ. भागवत कराड : सभागृहात खुलासा केल्याप्रमाणे पाणी पुरवठ्यास महापालिकेला १२/१३ कोटी खर्च येतो. प्रशासनाने रु. १०००/- ची वाढ पाणी पट्टीत सुचविली आहे. स्थायी समितीने त्यात दुरुस्ती करून रु. ८०० वाढ सुचविली आहे ती सभागृहाने मान्य करावी आणि स्लम भागात यात काही सवलत देता येईल का ते पहावे.

श्री. सै. अली मिरा सलामी : पाणी पट्टीत कोणत्याही प्रकारची वाढ करण्यात येवू नये. ज्या प्रमाणे शासनाकडून झुणका भाकर केंद्राला सबसिडी मिळते त्याप्रमाणे महापालिकेला पाणी पुरवठ्यासाठी शासनाने सबसिडी द्यावी. पाणी पुरवठ्यावर महापालिकेला येणारा खर्च विचारात घेता महापालिकेचा तसा असावा असा प्रस्ताव दिलेला आहे. स्वतंत्र तलावामुळे महाराष्ट्र राज्य विद्युत मंडळ आणि परिसर अभियांत्रिकी यांचा खर्च वाचेल. तथापि त्याचा विचार झालेला नाही. पाणी पट्टीत वाढ केल्यामुळे जनतेवर जुलूम होईल.

श्री. काशिनाथ कोकाटे : जायकवाडी जलाशयातून शहरास किती पाणी मिळते. नळ कनेक्शन मध्ये चोरीस प्रकार जास्त आहे. सिडको भागात ३० हजार नळ कनेक्शन आहेत. २२एमएलडी पाणी सिडकोला मिळते. मग बाकी पाणी जाते कुठे. ह्या शहरात महाराष्ट्र राज्य विद्युत मंडळाची येणारी वीज यावर कर लावण्याचा विचार केला पाहिजे. सिडको भागात घराचे हप्ता रु. ४४ आहे. या उलट पाणीपट्टीचा हप्ता रु. ६०/- आहे हे संयुक्तिक नाही महाराष्ट्र राज्य विद्युत मंडळाकडून कमी दरात वीज पुरवठा करण्या बाबतचा ठराव सभागृहाने मंजूर करण्यात यावा.

श्री. जावेद रज्जाक : नगर भुवन (टाऊन हॉल) मध्ये सभा झाली त्यावेळी शहरात दोन वेळ पाणी देण्याचे आश्वासन दिले होते. पाऊस कमी झाला म्हणून दोन वेळेस पाणी पुरवठा करू शकत नाही तसे कर ही वाढवू शकत नाही. १" नळ कनेक्शनसाठी रु. ३५०० ऐवजी रु. ४००० कराचे गरीब जनतेकडे पाणी साठविण्याची साधणे नसतात म्हणून त्या वाढ करणे योग्य होणार नाही. तेंव्हा जी पाणीपट्टी आहे ती कायम ठेवावी. त्यासाठी इतर बाबीवरील खर्च कमी करावा.

- श्री. गौतम खरात : मागील वर्षी पाणीपट्टीत रु. १०० वाढीचा प्रस्ताव शासनाकडे पाठविला आहे. त्याच प्रमाणे जकात करात वाढ सुचविणारा ठरावही शासनाकडे पाठविला आहे. ह्या दोनही ठरावाना शासनाची मंजूरी नाही. तसेच परिसर अभियांत्रिकी विभागकडील पाईप लाईन महापालिकेच्या ताब्यात घेतल्यास महापालिकेचा रु.२.५० कोटीचा फायदा होणार होता. याबाबतची कार्यवाही का थांबविली आहे ह्या सर्व बाबींचा खुलासा करण्यात यावा.
- श्री. संयज जोशी : पाणी पट्टीत रु. २०० ची वाढ आवश्यक होती. काही नागरिकांनी अनाधिकृत नळ कनेक्शन घेतलेले आहेत. शहरात ९३ हजार मालमत्ता आहेत. या उलट ६६ हजार नळ कनेक्शन ही बाब संयुक्तीक वाटत नाही. याकडेही लक्ष देणे आवश्यक आहे.
- श्री. मनमोहनसिंग ओबेरॉय : पाणी पुरवठ्याबाबत महापालिकेला येणारा खर्च विचारात घेता अनौपचारिक बैठकीचे वेळी पाणीपट्टीत काही तरी वाढ करण्यास मान्यता देण्यात आली होती. त्यावेळी रु. ६०० ऐवजी रु.७०० पाणीपट्टीत करण्यात यावी असे ठरले होते. उद्योग धंद्यासाठी वाढ करताना प्रमोशन वाढ करणे आवश्यक आहे. म्हणून रु. ८०० ऐवजी रु. ७०० याप्रमाणे पाणीपट्टीत वाढ करावी.
- सौ. मोहसिना बिल्कीस : मागील वर्षी रु.५०० ऐवजी रु. ६०० पाणीपट्टीत वाढ करतांना दोन वेळा पाणीपुरवठा करण्यात येईल. असे आश्वासन दिले होते. ते आश्वासन पूर्ण झाले नाही. म्हणून पाणीपट्टीत वाढ करू नये. पूर्वीचीच पाणीपट्टी कायम ठेवण्यात यावी. ह्या उलट जे अनाधिकृत कनेक्शन आहेत ते नियमित करून घेण्यात यावे. पाणीपट्टी रु.६०० ठेवावी.
- श्री. सुदाम सोनवणे : पाणीपट्टीत वाढ करण्यात येवू नये. ह्या उलट पाणी पुरवठ्यावर येणाऱ्या खर्चाचा जो तोटा आहे, त्याची कारणे शोधून काढण्यात यावी शहराचा सर्व्हे करून मोठाले बंगले किंवा वाडे आणि १०x१० चे प्लॉट यांचे वर्गीकरण करण्यात यावे आणि त्याप्रमाणे कर आकारणी करण्यात यावी.
- श्री. वसंत देशमुख : महापालिकेने आवश्यक बाबी पुरविल्या पाहिजेत. पाणी पट्टीत वाढ करणे आवश्यक आहे. पाणीपट्टीची ही वाढ रु. ७००/- असाची. मात्र ही वाढ करतांना मागील केलेली वाढ आणि आताचे रु. १०० वाढही केव्हापासून लागू करण्यात येणार याबाबतचा निर्णय घेण्यात यावा.
- सौ. नुरजहाँ बेगम : पाणीपट्टी रु.५००/- कायम ठेवण्यात यावी.
- श्री. मोहसीना बिल्कीस : ह्यापूर्वी पाणीपट्टीत करण्यात आलेल्या रु.१०० वाढीस शासनाची मंजूर मिळाली नाही. त्यात आणखी वाढ करून हा प्रश्न मालमत्ता करासारखा बिकट करू नये.
- श्री. गंगाधर गाडे : महापालिका ही एक स्वयंसेवी संघटना आहे. प्रशासनाच्या सर्व सूचना मान्य करता येत नसल्या तरी रु. २००/- वाढ करणे अवघट नाही. उद्योग धंद्याबाबत प्रशासनाने योग्य ती कार्यवाही करावी.
- मा. महापौर : पाणीपट्टीत वाढ करण्याबाबतची सविस्तर माहिती सभागृहासमोर मांडण्यात आली आहे. याबाबतची विचार करता रु. ७०० पाणी पट्टीस मंजूरी देण्यात येते. त्याबाबत प्रशासनाने योग्य ती कार्यवाही करावी. उद्योग धंद्यात उपयोग येणाऱ्या नळ कनेक्शनसाठी प्रस्तुत केल्याप्रमाणे दर राहतील.
- श्री. काशिनाथ कोकाटे : सन १९९७-९८ च्या अर्थसंकल्पात (पान २०) शहराच्या विविध भागात थोर राष्ट्र पुरुषांचे पुतळे बसविण्यासाठी रु. २५ लाखाची तरतूद

- करण्यात आली आहे. ह्यामध्ये माजी पंतप्रधान कै. राजीव गांधी यांचा पुतळा बसविण्यासाठी तरतूद करण्यात यावी.
- श्री. प्रदिपकुमार जैस्वाल : पाणीपट्टी रु. ७००/- करण्यास मंजूरी दिल्याने अंदाजपत्रकात रु. ६५ लाख कमी होती तेंव्हा ही तुट कोणत्या लेखा शिर्षातून भरून काढण्यात येणार याचा विचार करणे आवश्यक आहे यासाठी नगरसेवक स्वेच्छानिधीतील ४१ लाख रुपये कमी करण्यात यावेत अशी सूचना आहे.
- श्री. मुश्ताक अहेमद : पाणीपट्टी रु. ७००/- प्रतिवर्ष केल्याने होणारी ६५ लाखाची तुट खालील प्रमाणे भरून काढण्यात यावी.
- पान क्र. (अ.क्र. २/४) ५ : शहरात नवीन जलवाहिनी टकाणे, जुन्या जलवाहीन्या काढून नवीन जलवाहीन्या टाकावे ह्या शिर्षकातून २.०० कोटी तरतूदीतून २५ लाख कमी करून १.७५ कोटीची तरतूद ठेवणे अंतर्गत पाणी पुरवठा देखभाल दुरुस्ती ह्या शिर्षकाच्या ७५ लाख तरतूदीमधून १५ लाख कमी करून ६० लाखाची तरतूद ठेवावी.
- अ.क्र. ३/२ नवीन जलनिःसारण वाहिन्या टाकणे ह्या शिर्षकातून १ कोटी तरतूदीतून २५ लाख कमी करून ८ कोटीची तरतूद ठेवावी.
- पान क्र. १० अ.क्र.७ : शहरातील रस्ते डांबरीकरणाच्या तरतूदतून १ कोटी रुपये कमी करून ४.५० कोटीची तरतूद करून वरील प्रमाणे तरतूद करून नगर सेवक स्वेच्छनिधीची रक्कम कमी करण्याची गरज भासणार नाही. वरील बाबींचा विचार व्हावा.
- श्री. मनमोहनसिंग ओबेरॉय : अंदाजपत्रक तयार करताना सर्व बाबींचा विचार करून अर्थसंकल्प तयार करणे प्रशासनाची जबाबदारी आहे. खेळासाठी करण्यात आलेल्या तरतूदीमधून ५ लाख रुपये कमी करण्यात यावेत. विनाकारण अशा संस्थाना मदत करणे योग्य नाही. हा जनतेचा पैसा आहे. पान क्र. १० वर दर्शविलेल्या बोल्ट पध्दतीने व्यापारी संकूलाचा विकास करण्यासच्या पध्दतीस माझा विरोध आहे. ह्या महापालिका मालकीच्या जागा प्रशासनाने स्वतः विकसीत करव्यात. यासाठी थोडा कालावधी लागला तरी चालेल. लाईट दुरुस्तीच्या कामासाठी लहान लहान गल्ल्यात जावू शकेल अशी गाडी खरेदी करण्यात यावी. प्रशासनाने शहरात जे लाईटचे पोल लावणे आहेत त्या पोलवर अद्याप लाईटची व्यवस्था झाली नाही. याचा जाब नागरिक नगरसेवकांना विचारत आहेत. तेंव्हा अशा पोलवर त्वरित लाईट लावण्याची व्यवस्था करावी. याशिवाय विद्युत साहित्य खरेदीमध्ये सोडीयम व्हेपरचे दिवे खरेदीबाबत ज्यादा आर्थिक तरतूद करण्यात यावी. आदर्श स्मशानभूमीचा योजनेत उस्मानपुरा येथील शिख समाजाच्या स्मशानभूमीचा समावेश करण्यात यावा. पान क्र. २० वर शहराच्या विविध भागात पुतळे उभारण्याच्या कामासाठी तरतूद करण्यात आली आहे. त्यात मा. इंदिरा गांधी, मा. राजीव गांधी, मा. लालबहादूर शास्त्री या थोर पुरुषाचे पुतळे उभारण्यासाठी आर्थिक तरतूद करण्यात यावी. वरीलप्रमाणे अर्थसंकल्पात सुधारणा करण्याचे प्रस्ताव देत आहे.
- श्री. मोहसीन अहेमद : रोशनगेट येथील कापसाच्या गिरणीची जागा खरेदी करण्या बाबतचा प्रस्ताव मागील वर्षी सभागृहात ठेवण्यात आला होता. त्यास मंजूरी मिळाली आहे. त्यासाठी चालू अर्थसंकल्पात तरतूद करण्यात यावी. ह्या अर्थसंकल्पात वाचनालयासाठी १० लाखाची तरतूद करण्यात आली आहे. शहरातील

वाचनालयाची संख्या विचारात घेता वाचनालयासाठी करण्यात आलेली तरतूद कमी पडणार आहे. तेंव्हा वाचनालयासाठी अर्थसंकल्पात करण्यात आलेली २५ लाखाची तरतूद अपुरी पडणार असल्याने त्यात वाढ करण्यात यावी. महापालिकेतर्फे विविध खेळ स्पर्धा आयोजित करण्यात येतात. या सपर्धांमध्ये फुटबॉल, हॉलीबॉल, हॉकीचा वेळाचा समावेश करण्यात येवून स्पर्धा घेण्यात याव्यात. शालेय साहित्य खरेदी करण्याबाबत अर्थसंकल्पात लाखाची तरतूद करण्यात आली आहे. महापालिका शाळांची व विद्यार्थ्यांची संख्या लक्षात घेता ही तरतूद अपुरी पडणार आहे. चौथी बोर्डाच्या परिक्षेतील विद्यार्थ्यांसाठी महापालिकेने बक्षीस योजना आखली आहे. ह्या विद्यार्थ्यांचे मनोधैर्यात वाढ करण्यासाठी देण्यात येणाऱ्या शिष्यवृत्ती रकमेत वाढ करण्यात यावी अशी सूचना सभागृहात करण्यात आली होती. त्याचा विचार करण्यात यावा. याशिवाय गणवेश वाटपासाठी गतवर्षीप्रमाणे ५० लाखाची तरतूद दाखविण्यात आली आहे. ही गरीब विद्यार्थ्यांच्या दृष्टीने अत्यंत चांगली अशी योजना राहिली आहे. लोटा कारंजा येथील वाचनालयासाठी आतापर्यंत एक रुपयाचेही पुस्तक खरेदी करण्यात आलेली नाही. याबाबत स. नगरसेवकांकडून वारंवार पत्र देण्यात आले आहे. ह्या अर्थसंकल्पात लोटा कारंजा वाचनालयासाठी पुस्तक खरेदीची तरतूद करण्यात यावी.

- श्री. प्रदिपकुमार जैस्वाल : लोटाकारंजा येथील वाचनालय कोण चालवितो. हे वाचनालय कोणाच्या ताब्यात देण्यात आले आहे याची माहिती देण्यात यावी.
- श्री. मोहसीन अहेमद : लोटाकारंजा येथील वाचनालयावर महापालिकेचे कर्मचारी (२/३) काम करतात. ह्या वाचनालयात कायदे विषयक सल्ल्याची किंमती पुस्तके ठेवण्यात आली आहेत. याची माहिती शिक्षण विभाग आणि उपआयुक्त-२ यांचेकडे आहे.
- श्री. जावेद रज्जाक : महापालिकेच्या शाळेतील विद्यार्थ्यांना जी रु. ४० शिष्यवृत्ती देण्यात येते ती शिष्यवृत्ती नगरसेकांच्या स्वेच्छा निधीतून देण्यात यावी. अशी सूचना आहे.
- नुरजहाँ बेगम : पान नं. १ शहरी गरीबांसाठी संडास बांधणे ह्या योजने अंतर्गत ४५०० संडास शासकीय योजनेतून बांधून देण्यात येणार असून त्यासाठी जास्तीचा खर्चाची तरतूद करण्यात आली आहे. या ऐवजी स्लम भागातील गरीब विद्यार्थ्यांसाठी शाळा / व्यायामशाळा / वाचनालय अशा योजना राबविण्यात याव्यात.
- मा. महापौर : शहरी गरीबांसाठी संडास बांधून देणे ही योजना आहे.
- श्री. मोहसिना बिल्कीस : नगरसेवक स्वेच्छानिधीसाठी करण्यात आलेली १.५० च्या तरतूदीस वाढ करून २.०० लाख करण्यात यावी. महापालिका अंतर्गत शाळांची संख्या विचारात घेता. शिक्षणाधिकारी यांचे मदतीसाठी उपशिक्षणाधिकारी आणि सुपर वायझर अशी पदे नेमण्यात यावी. अर्थसंकल्पात बालवाडी विद्यार्थ्यांसाठी गणवेशाची तरतूद करावी. उर्दू माध्यमासाठी शैक्षणिक प्रकल्प तयार करण्यात यावा. ह्या सूचनांचा अर्थसंकल्पात विचार करण्यात यावा.
- श्री. मुजीब आलमशा खान / विरोधी पक्षनेता : रस्ते बांधणे ह्या शिर्षकाखाली ५.५० कोटीची तरतूद करण्यात आली आहे. शासकीय अनुदानाचे १.०० कोटी असे एकूण

- ६.५० कोटी तरतूद होणार आहे. ह्या बाबींचा विचार करून भुसंपादनासाठी १.०० कोटीची तरतूद वाढविण्यात यावी.
- मा. महापौर : अर्थसंकल्पावर आपले विचार मांडताना स. सभासदांनी प्रत्येक पेजप्रमाणे चर्चा करावी. जमा बाजूवर चर्चा करण्यात येईल. रहदारी फी रु. २० मंजूर करण्यात येते.
- प्रदिपकुमार जैस्वाल : स्कॅप मटेरियल १% जकात कराची आकारणी करण्यात यावी अशी मागणी संबंधित दुकानदारांनी निवेदनाद्वारे केली होती. ह्या निवेदनास इतर महापालिकेत ज्याप्रमाणे वजनावर जकात आकारणी होते, उदा. प्रति टन रु. २०/- याप्रमाणे ह्या शहरात जकात आकारणी करण्यात यावी. त्या दृष्टीने इतर महापालिकेत प्रतिटन रु. ४०/- किंवा ५०/- ह्याप्रमाणे जकात आकारावी.
- डॉ. विजयकुमार मेहेर : स्कॅप मटेरियलसाठी प्रतिटन रु. ५०/- हा दर जास्त होतो याचा विचार करून प्रतिटन रु. ४० ह्याप्रमाणे आकारणी करावी.
- सौ. लता दलाल : होर्डिंग रु. ५ ऐवजी रु. ६ प्रती चौ. फूट ह्याप्रमाणे आकारण्यात यावा.
- मा. महापौर : होर्डिंग कर रु. ५ ऐवजी रु. ६ प्रती चौ. फूट ह्याप्रमाणे आकारण्यात मंजूर देण्यात येते.
- डॉ. विजयकुमार मेहेर / उपमहापौर : बांधकामाबाबतच्या तक्रारीसाठी अनामत रक्कम ठेवण्याची पध्दत हैद्राबादमध्ये आहे. ह्या विषयी स. नगरसेवकांनी माहिती घ्यावी. त्यानंतरच ह्या प्रस्तावास मंजूरी देण्यात यावी.
- मा. महापौर : अर्थसंकल्पाचे पान क्र.४ (जमा बाजू) अ.क्र.८ अन्वये बांधकामास परवानगी दिल्यानंतर नागरिकांनी तक्रार केल्यास अनामत रक्कम जमा झाल्यानंतर अशा कामाची रितसर पाहणी करण्यात येणार आहे. आजच्या परिस्थितीत कोणीही नागरिक एखाद्या बांधकाम परवानगी बाबत तक्रार अर्ज केलावर प्रशासकीय काम थांबवून पाहणी करावी लागते. ह्यास प्रशासनाचा बराच वेळ जातो. म्हणून अशा तक्रारी आल्यानंतर तक्रार करणारांनी तक्रारी संबंधीत अनामत रक्कम जमा केल्यानंतर पाहणी करण्यात येईल.
- डॉ. विजयकुमार मेहेर / उपमहापौर, श्री. प्रदिपकुमार जैस्वाल : एखादी व्यक्ती अनाधिकृत बांधकाम करित असेल आणि त्याविषयी दुसऱ्या एखाद्या व्यक्तीस तक्रार करावयाची असेल तर ती व्यक्ती अनामत रक्कमेचा भरणा कशासाठी करेल ह्या पूर्वी अशा प्रकारचा प्रस्ताव सभागृहापुढे आला होता.
- मा. महापौर : जमा बाजूकडील अ.क्र. ८ बाबत सभागृहास खुलासा करण्यात येतो की, अ.क्र.८ अन्वये ची अनामत रक्कम जमा करण्यात येणार आहे. ती त्या प्रकारात बांधकामाबाबत परवानगी होण्यात आली असेल अशा प्रकरणात तक्रारी अर्ज असेल तरच अनामत रक्कम भरावी लागेल. ज्या बांधकाम परवानगी देण्यात काही चूक असेल अशा प्रकरणात ही रक्कम घेतली जाईल.
- सहाय्यक संचालक / नगररचना : बांधकाम परवानगीसाठी जी प्रकरणे दाखल होतात. त्याबाबत शेजाऱ्याची तक्रार असते त्यानुसार प्रत्यक्ष कागदपत्रासह स्थळ पाहणी केली असता बाजूवाल्याची तक्रार ही खाजगी स्वरूपाची असल्याचे अनेक वेळा दिसून येते. ह्यासाठी अनामत रक्कम जमा करण्याचा प्रस्ताव ठेवला आहे. ह्यात करण्यात आलेली तक्रार खरी असेल तर जमा केलेली

- अनामत रक्कम परत करण्यात येईल. आणि तक्रार खोटी असेल तर जमा केलेली रक्कम जप्त करण्यात येईल.
- श्री. प्रदिपकुमार जैस्वाल : प्रस्ताव चांगला असला तरी एखाद्या बांधकाम होत असलेल्या जागेचा शेजारी गरीब असले आणि त्यास शेजारी होणाऱ्या बांधकामाविषयी तक्रार करावयाची असेल तर हा गरीब नागरिक पाच हजार कुटून भरू शकणार याचाही यात विचार केला गेला पाहिजे. ह्या उलट एखाद्या गरीब नागरिक स्वतःचे घर बांधकाम करीत असेल आणि असे बांधकाम होवू नये अशी शेजारच्या किंवा एखाद्या बांधकाम कंपनीची इच्छा असेल तर अनामत रक्कम भरून विनाकारण गरीब व्यक्तीच्या बांधकामात अडथळा निर्माण केला जावू शकतो. ह्याचाही विचार ह्या ठिकाणी केला पाहिजे.
- डॉ. जियकुमार मेहेर / उपमहापौर : अर्थसंकल्पातील जमा बाजूच्या अ.क्र.८ प्रमाणे सुचविण्यात आलेल्या अनामत रकमे ऐवजी रु. २००,५००,९००० ह्याप्रमाणे अनामत रक्कम ठेवावी.
- श्री. गंगाधर गाडे : अनामत रक्कम भरून बांधकामाविषयी तक्रार केल्यानंतर ह्या तक्रारीची तांत्रिक पाहणी कार्यालयातर्फे केली जाणार आहे. तक्रार करणाऱ्या व्यक्तीस तांत्रिक बाबीची माहिती नसते. बांधकाम परवानगी प्रमाणे बांधकाम झाले आहे किंवा नाही ही बाब तांत्रिक दृष्ट्या कार्यालयातर्फे तपासली जाणार आहे. या बाबीचा विचार करून तक्रार करणारी व्यक्ती रु. ५०००/- ची अनामत रक्कम न भरलेली बरी असा विचार करील आणि अशा प्रकारामुळे नागरिक तक्रारच करणार नाही. याचाही विचार ह्या ठिकाणी व्हावा. अशा प्रकारात अधिकारी आपली चूक कबूल करणार नाहीत. तेंव्हा पूर्णपणे रद्द करण्यात यावा.
- डॉ. भागवत कराड : बांधकाम विभागाचा अनुभव काही वेगळीच आहे अशी माहिती सभागृहात देण्यात आली आहे. तेंव्हा प्रस्तावित अनामत रक्कमे ऐवजी रु. १००,५००,९००० ह्या प्रमाणे अनामत रक्कम ठेवण्यास हरकत नाही.
- श्री. जावेद रज्जाक : बांधकाम विभागातर्फे ३/३ महिने बांधकाम परवानगी मिळत नाही. ह्यावर टी. पी. विभागाने कधीच विचार केलेला नाही. डिसेंबर ९६ ला एका नागरिकांनी परवानगी दाखल केली आहे. त्यास उद्यापपर्यंत परवानगी मिळाली नाही. मग बांधकाम विभागास कोणती शिक्षा करणार. एका ठिकाणी होत असलेल्या अतिक्रमणाबाबत दै. सामना मध्ये फोटो येवूनही अतिक्रमण विभागाने सदर बांधकाम तोडलेले नाही. ह्या प्रस्तावास विरोध आहे.
- मोहसिना बिल्कीस : शहरात चालू असलेल्या अनाधिकृत बांधकामाची माहिती प्रथम अतिक्रमण विभागास होत, पण अतिक्रमण विभाग त्याबाबत कार्यवाही करत नाही. नगरसेवकांकडून अनाधिकृत बांधकामाबाबतची माहिती मिळाल्यानंतरही अनाधिकृत बांधकाम करून दिले जाते. मग एक सामान्य नागरिक कशाप्रकारे तक्रार करू शकेल. तेंव्हा हा प्रस्ताव रद्द करण्यात यावा. माझा विरोध आहे.
- श्री. प्रदिपकुमार जैस्वाल : नगरसेवक स्वेच्छनिधीतून संस्थाना मदत करण्याची पध्दत बंद करण्यात यावी अशी माझी सभागृहास विनंती आहे. महानगरपालिका ही सुध्दा एक संस्था आहे. ह्या संस्थेच्या कामासाठी महापालिका नागरिकांकडून लाखो रुपयाचा कर वसूल करते आणि त्या कराच्या रकमेतूनच शहरातील

संस्थाना नगरसेवक स्वेच्छानिधीतून मदत केली जाते. हे योग्य नाही. सन १९९७-९८ च्या अर्थसंकल्पात बेरोजगार तरुणांना वाहन चालकाचे प्रशिक्षणासाठी मदत देताना अशा बेरोजगार तरुणांना फक्त रु. ५०००/- पर्यंतची मदत करता येईल. अशी मर्यादा असावी. ह्या शिवाय नगरसेवक स्वेच्छानिधीतून प्रत्येक रुग्णासाठी प्रत्येक नगरसेवकाचे स्वेच्छानिधीतून रुपये १०००/- ह्या प्रमाणे एका रुग्णास जास्तीत जास्त रु. २५०००/- पर्यंत आर्थिक मदत रुग्ण ज्या रुग्णालयात सेवा होत असेल त्या रुग्णालयाचे नांव धनादेश देण्यात यावा ह्या पंतप्रधान ह्यांच्या निधीतून ही रु. २५०००/- पेक्षा आर्थिक मदत दिली जात नाही. ह्याच बरोबर ज्या क्रीडापटूची देशपातळीवर निवड होईल अशा खेळाडूनाही जास्तीत जास्त पाच किंवा दहा हजारांपेक्षा जास्त आर्थिक मदत करता येणार नाही अशी मर्यादा घालून देण्यात यावी.

- श्री. मनमोहनसिंग ओबेरॉय : नगरसेवक स्वेच्छा निधी बाबतचे उपविधी सर्वसाधारण सभेत मंजूर झालेले आहेत. नगरसेवक स्वेच्छानिधीबाबत त्याचा उपयोग कसा करावयाचा हे अधिकार नगरसेवकांना आहेत. अर्थसंकल्पाच्या विशेष सभेत या विषयावर चर्चा करता येत नाही. ह्यासाठी सर्वसाधारण सभेत चर्चा करता येईल. मा. खासदार, मा. आमदार, मा. मुख्यमंत्री यांनाही अशा प्रकारचा स्वेच्छानिधी वापरता येतो मग नगरसेवकांना का नको नगरसेवकांचा स्वेच्छानिधी एकदम बंद करण्याऐवजी त्यावर काही निर्बंध घालावे.
- श्री. प्रदिपकुमार जैस्वाल : नगरसेवक स्वेच्छानिधीसाठी करण्यात आलेल्या रु. १.७५ लाख रकमेपैकी रु. १.५० लाखाचा निधी वॉर्डातील विकास कामासाठी आणि रु. २५ हजाराचा निधी नगरसेवक आपल्या मर्जीप्रमाणे आर्थिक मदत म्हणून देवू शकतो.
- श्री. प्रदिपकुमार जैस्वाल : मागील अर्थसंकल्पाच्या मिटींगमचे वेळी सभापती स्थायी समिती ह्या नात्याने उपविधी तयार झाल्याशिवाय स्वेच्छानिधीची रक्कम देता येणार नाही असे रुलींग दिलेले असता नाही त्याप्रमाणे ठराव पास झाला नाही. म्हणून पूर्वी नगरसेवक स्वेच्छानिधीतून संस्थाना जी आर्थिक मदत देण्यात आली आहे त्याची जबाबदारी लेखाधिकारी यांच्यावर येते. म्हणून सभागृहाच्या नगरसेवकाचा मान राखला जावा म्हणून नगरसेवकांच्या वॉर्डातील नागरिकांना स्वेच्छानिधीचा योग्य उपयोग व्हावा ही प्रमाणित इच्छा आहे. याचा सभागृहाने विचार करावा.
- डॉ. विजयकुमार मेहेर/ उपमहापौर : नगरसेवक स्वेच्छानिधीतून खाजगी संस्थाना आर्थिक मदत देण्यात येवू नये अशी सूचना मा. श्री. प्रदिपकुमार जैस्वाल यांनी केली असली तरी ह्या नियमातून अंध, अपंग, मूक बधीर अशा संस्थाना वगळण्यात यावे. अशा संस्थाना आर्थिक मदत करण्याचे आश्वासन ह्यापूर्वी देण्यात आले आहे. ह्यापूर्वी महापालिकेतर्फे एका संस्थेस पाच लाखाची आर्थिक मदत देण्यात आली आहे. याचा विचार करता नगरसेवकाचे अधिकारी कमी करू नयेत.
- मा. महापौर : महापालिकेतर्फे सिकंदर अली वज्द ह्या संस्थेस पाच लाख रुपये देण्यात आले आहेत.

- श्री. प्रदिपकुमार जैस्वाल : सिकंदर अली वज्द मेमोरियल ह्या संस्थेबरोबर महापालिकेचा करार ९३ ला झालेला आहे. त्या करारानुसार निधी दिला आहे. नगरसेवका स्वेच्छा निधीचे वापरासाठी जोपर्यंत महाराष्ट्र शासनाची मंजूरी मिळत नाही तोपर्यंत खर्च करता येणार नाही.
- मा. महापौर : नगरसेवक स्वेच्छा निधीबाबत महापालिकेने उपविधी तयार केले आहेत, त्यात मा. खासदार श्री. प्रदिपकुमार जैस्वाल यांनी काही सूचना केल्या आहेत याचा सभागृहाने विचार करावा. नगरसेवक स्वेच्छानिधीच्या सुधारणा दि. २८/१०/९१, १९/०६/९०, २०/०८/९६ ला प्रस्ताव तयार केले आहेत. त्या उपविधीप्रमाणे स्वेच्छानिधीचा वापर करावा संस्थाना मदत करण्याबाबत आपणास काही सुधारणा करावयाची आहे. उदा. शालेय संस्थाना स्वेच्छानिधीतून मदत करण्यात काय अर्थ आहे.
- मनमोहनसिंग ओबेरॉय : संस्थाना स्वेच्छानिधीमधून आर्थिक मदत करावयाची नाही असे निर्णय घेणे योग्य नाही. ह्यापूर्वी ५० हजारापर्यंत मदत करता येत होती. त्यात काही कमी करून त्याप्रमाणे निर्बंध घालावे स्वेच्छानिधीची रक्कम वाया जावू नये हे माझे ही प्रामाणिक मत आहे. ह्यावर उपाय संस्थाना १५ हजारपेक्षा जास्त आर्थिक मदत करावयाची नाही असा नियम करावा.
- मा. महापौर : आजची सभा ००.१० मिनिटासाठी तहकूब करण्यात येते. वेळ अंदाजे सायं ६.०० तहकूब करण्यात आलेल्या सभेस पुन्हा ७.०० सायं सुरुवात झाली.
- मा. महापौर : अर्थसंकल्पावर सन्माननीय सभासदांनी आपआपले महत्वपूर्ण विचार मांडले आहे. काही महत्वपूर्ण असे निर्णय ह्या ठिकाणी घ्यावयाचे आहेत. यात पाणी पुरवठ्यासाठी जी ६५ लाख रुपयाची तूट येणार आहे त्याबाबतीत मांडणी करण्यात येत आहे. त्या दृष्टीने सभागृहाने विशेष लक्ष द्यावे अशी विनंती आहे.
१. रस्ते पुर्नडांबरीकरण ह्या शिर्षकासाठी १.५० कोटीची तरतूदीतून ५० लाखाची तरतूद कमी करून १ कोटी करण्यात येते.
 २. क्रीडा स्पर्धासाठी करण्यात आलेल्या २५ लाखाच्या तरतूदीऐवजी २० लाखाची तरतूद करण्यात येते.
 ३. पाणीपुरवठा भांडवली कामे ह्या शिर्षकासाठी २ कोटी ऐवजी १ कोटी ८५ लाखाची तरतूद करण्यात येते.
 ४. त्याप्रमाणे शिलकी रकमेत १५ लक्ष ५५ हजारोपैकी पाच लक्ष ५५ हजार राहिल.
 ५. सरकारी परतफेड यात २ कोटी ५९ लाखाऐवजी २ कोटी १५ लाख तरतूद करण्यात येते.
- वरील प्रमाणे एकूण ५० लाख रुपयाची तूट भरून काढण्यात आली आहे. त्याचप्रमाणे ५० लाख रुपये भुसंपादनासाठी ३ कोटीच्या तरतूदीऐवजी ३.५० कोटी वाढीव तरतूद करण्यात येते. ५० लाखाच्या वाढीव तरतूदी ही जिनिंगमिल बायजीपुरा येथे स्टेडीयम चे बांधकामासाठी राहिल. अशा प्रकारे १.१५ कोटीची फेररचना करण्यात आली आहे. इमारती बांधकाम ह्या शिर्षकाचे नावात एका शाळेच्या बांधकामाचा समावेश करण्यात आलेला आहे. त्याचप्रमाणे पैठण गेट येथील व्यापारी संकुलाच्या पहिल्या मजल्याचे बांधकामाचा समावेश करण्यात आला आहे. नगरसेवक स्वेच्छानिधीसाठी १

- लाख ७५ हजाराची तरतूद करण्यात आली आहे. त्याबाबत खुलासा खालीलप्रमाणे.
- श्री. मनमोहनसिंग ओबेरॉय : नगरसेवक स्वेच्छानिधी १ लाख ७५ हजारा ऐवजी २ लाख करण्यात यावा अशी मागणी सभागृहाची आहे.
- मा. महापौर : स. सभासदाच्या सुचनेबाबत मा.सभागृह नेता व मा. विरोधी पक्षनेता यांनी निवेदन करावे.
- श्री. मुजीब आलमशा खान : नगरसेवक निधी २५ हजाराची वाढ करावयाची मागणी असली तरी त्यासाठी कोणता शिर्षकातून रक्कम काढता येईल याचा विचार आधीकरणे आवश्यक आहे.
- मा. महापौर : नगरसेवक स्वेच्छानिधीसाठी १ लाख ७५ हजाराची तरतूद योग्य आहे त्यास सर्वांनी मंजूरी द्यावी वर्ष अखेरची शिल्लक फक्त ५ लक्ष ५५ हजार आहे.
- लेखाधिकारी : रस्ते देखभाल दुरुस्तीसाठी ५० लाख ऐवजी ४५ लाख झोपडपट्टी देखभाल दुरुस्ती, रस्ता खांडकी, गटार दुरुस्तीसाठी ३० लाख ऐवजी २५ लाख आणि इमारत देखभाल दुरुस्तीसाठी ५० लाखाऐवजी ४० लाख अशी तरतूद करून २० लाखाची तूट भरून काढावी लागेल.
- मा. महापौर : लेखाधिकारी यांनी केलेल्या खुलाशाप्रमाणे स्वेच्छानिधीची २ लाखाचा निधी खर्च करण्याबाबत खुलासा खालीलप्रमाणे.
१. रु. २५ हजार गरीब युवक यांचे प्रशिक्षणासाठी
- श्री. गंगाधर गाडे : लेखाधिकारी यांनी झोपडपट्टी देखभाल दुरुस्ती, रस्ता, खांडकी, गटार दुरुस्तीच्या ३० लाख तरतूदीतून ५ लाख रुपये कमी करण्याची सूचना केली आहे. तथापि सरकारी नियमाप्रमाणे अर्थ संकल्पात झोपडपट्टी विकासासाठी ५% रक्कम झोपडपट्टी सुधारणावर खर्च करण्यात यावी. असा आदेश आहेत. मुळातच झोपडपट्टी सुधारणासाठी कशी तरतूद करण्यात आलेली आहे. तेंव्हा अशी रक्कम काढता येणार नाही.
- मा. महापौर : सभागृहाच्या मागणीनुसार ५ लाख रुपये पॅवर्कच्या कामातून, ड्रेनेज देखभाल दुरुस्ती ह्या शिर्षकातून १० लाख रुपये, नाला ट्रेडिंग ह्या शिर्षकातून ५ लाख रुपये प्रमाणे २० लाख रुपये नगरसेवक निधीसाठी तरतूद करण्यात येत आहे. ह्या तरतूदीनुसार २ लाखाचा नगरसेवकनिधी खर्च करण्याबाबत खुलासा खालील प्रमाणे.
- रु. २५ हजार गरीब युवक यांचे प्रशिक्षणासाठी ह्या २५ हजारापैकी एकूण १५ हजारापर्यंतची रक्कम संस्थाना मदत करता येईल. आणि बाहेरगावी क्रीडा स्पर्धासाठी जाणाऱ्या खेळाडूंना आर्थिक मदत म्हणून एकूण रुपये १० हजारापर्यंतची मदत करता येईल.
- श्री. जावेद रज्जाक : नगरसेवक स्वेच्छानिधीतून आर्थिक मदत करण्याबाबत सभागृहात खुलासा करण्यात आला आहे. तेंव्हा शिवजयंतीसाठी आर्थिक निधीची मागणी वॉर्डातील लोक करतात. अशावेळी नगरसेवकांनी निधी कुठमन द्यावा याचा खुलासा व्हावा.
- मा. महापौर : देणगी बाबत स. सभासदांनी चर्चा करू नये ही विनंती अर्थसंकल्पानुसार ७७,६७,८७,००० जमा होणार असून ७७,६७,८९,००० खर्च होणार असून ५,५५,००० शिल्लक राहणार आहे. ह्याप्रमाणे औरंगाबाद महानगरपालिकेच्या सन १९९७-९८ च्या अर्थसंकल्पास ह्या ठिकाणी मंजूरी देण्यात येत आहे.

ठराव क्र. २५१/१ : प्रस्तावात दर्शविल्याप्रमाणे सन १९९६-९७ सुधारित व सन १९९७-९८ च्या मूळ अंदाजपत्रकावर सभागृहात चर्चा होवून खालील दर्शविलेल्या फरेबदलासह १९९७-९८ च्या अंदाजपत्रकास सर्वानुमते मंजूरी देण्यात येते.

| जमा बाजू | | | | |
|-----------|----------|---|--------------------------------|---|
| अ.क्र. | पान क्र. | लेखा शिर्ष | स्थायी समितीने सूचविलेली तरतूद | सर्वसाधारण सभेने फेरबदल करून मंजूर केलेली तरतूद |
| १ | २ | ३ | ४ | ५ |
| १ | १६ | पाणीपट्टी | रु.८००/- प्र.वर्ष | रु.७००/- प्र.वर्ष |
| खर्च बाजू | | | | |
| १ | २ | ३ | ४ | ५ |
| १. | ३३ | पंचवर्क | ५० लाख | ४५ लाख |
| २. | ३३ | पुर्नडांबरीकरण | १५० लाख | १०० लाख |
| ३. | ३३ | इमारत देखभाल दुरुस्ती | ५० लाख | ४० लाख |
| ४. | ३५ | विविध क्रीडा स्पर्धा | २५ लाख | २० लाख |
| ५. | ४८ | स.स. स्वेच्छानिधी | १४३.५ लाख | १६४ लाख |
| ६. | ४९ | भूसंपादन १. जिन्सी जिनिंगमील बायजीपुरा येथे स्टेडीयम बांधणे | | |
| ७. | ५३ | सरकारी कर्ज परतफेड | २५० लाख | २३९.५ लाख |
| ८. | ५४ | पाणीपुरवठा भांडवली कामे | २०० लाख | १७५ लाख |
| ९. | ५४ | जलनिःसारण भांडवली कामे | १०० लाख | ७५ लाख |

याशिवाय सन १९९७-९८ च्या अंदाजपत्रकात खालीलप्रमाणे दुरुस्त्या करण्यास सर्वानुमते मंजूरी देण्यात येते.

१. प्लॉट पध्दत रद्द करण्यात यावी.
२. पैठणगेट प्रभागात एका शालेय इमारत बांधण्यात यावी.
३. सादिया टाकी जवळ व्यापारी संकूल इमारतीच्या पहिल्या मजल्याचे बांधकाम करण्यात यावे.
४. नेहरूभवन ऐवजी इतरत्र कामगार भवनाची इमारत बांधण्यात यावी.
५. स्कॅप मटेरियलवरील जकात रु. २% ऐवजी रु. ६०/- प्रतिटन ह्याप्रमाणे वसूल करण्यात यावी.
६. स.स. नगरसेवकाच्या स्वेच्छानिधीत वाढ करण्यात आल्यामुळे रु. २ लाखचा स्वेच्छानिधीचा विनियोग सन १९९७-९८ वर्षात खालील प्रमाणे करण्यात यावा.
- अ. रु. १.५ लाख हे प्रभागातील विकास कामाकरिता उपयोगात आणण्यात यावे.

- ब. रु. २५ हजाराच्या निधीतून गरीब युवकांना तांत्रिक प्रशिक्षणासाठी आर्थिक मदत करता येईल.
- क. २५ हजाराच्या निधीतून रु. १५ हजारापर्यंतची रक्कम विविध पंजीकृत संस्थाना आर्थिक मदत आणि रु. १० हजारापर्यंतची रक्कम शहरातील उत्कृष्ट खेळाडूंना प्रदेश दौरा, प्रशिक्षण व आजारी रुग्णांना आर्थिक मदत करता येईल. अशी मदत करत असतानाप्रत्येक नगरसेवक जास्तीत जास्त एक हजारापर्यंतची मदत देवू शकेल. मात्र एकत्रीत मदत रु. १५ हजार पर्यंत मर्यादित राहिल. उर्वरित नियम ह्या पूर्वीचेचे नियमावलीनुसार राहतील.

वरील प्रमाणे फेरबदल दुरुस्तीसह सन १९९७-९८ ची जमा रुपये ७७,६७,८७,०००/- आणि खर्च रुपये ७७,६७,८९,०००/- नुसार रुपये ५,५५,०००/- च्या शिलकी अंदाजपत्रकास सर्वानुमते मंजूरी देण्यात येते.

वैधानिक कार्यवाही व्हावी.

"जन-गण-मन" ह्या राष्ट्रगीतानंतर सभेचे कामकाज संपल्याचे मा. महापौर यांनी घोषित केले.

स्वाक्षरीत/-
नगर सचिव
महानगरपालिका, औरंगाबाद.

स्वाक्षरीत/-
महापौर
महानगरपालिका, औरंगाबाद.

औरंगाबाद महानगरपालिका, औरंगाबाद

दि. २६/०३/१९९७ रोजी विशेष सर्वसाधारण सभा मा. महापौर श्री. गजानन बारवाल यांच्या अध्यक्षतेखालील संपन्न झालेल्या सभेचे इतिवृत्त सभेची सुरुवात "वंदे मातरम्" ह्या गीताने झाली सभेस रजिस्टरप्रमाणे स. स. तथा अधिकारी वर्ग उपस्थित होते.

| | | |
|-----|-----------------------------------|----------|
| १) | श्री. डॉ. विजयकुमार मेहेर | स. सदस्य |
| २) | श्री. गिरजाराम नानाराव हाळनोर | --/-- |
| ३) | श्री. जयवंत केशवराव ओक | --/-- |
| ४) | श्री. मुजीब आलमशाह खान मीर आलमशाह | --/-- |
| ५) | सौ. लोखंडे रुखमनबाई खंडेराव | --/-- |
| ६) | श्री. अफसरखान यासिन खान | --/-- |
| ७) | श्री. प्रभाकर सिताराम विधाते | --/-- |
| ८) | सौ. साजेदा बेगम | --/-- |
| ९) | श्री. म. सलीम म. हनीफ कुरेशी | --/-- |
| १०) | श्री. गौतम भागाजी खरात | --/-- |
| ११) | श्री. गणेश किशनराव वानखेडे | --/-- |
| १२) | सौ. रजनी रमेश जोशी | --/-- |
| १३) | सौ. उषाबाई दिलिप गायकवाड | --/-- |
| १४) | सौ. विमलबाई नंदकुमार मुंडलिक | --/-- |
| १५) | सौ. शिलाबाई सिताराम गुंजाळ | --/-- |
| १६) | श्री. लांडगे गौतम लिंबाजी | --/-- |
| १७) | श्री. महादेव पुंडलिक सुर्यवंशी | --/-- |
| १८) | श्री. अभिमन्यू भालेराव | --/-- |
| १९) | श्री. नरेंद्र यादवराव पाटील | --/-- |
| २०) | श्री. काशिनाथ कोकाटे | --/-- |
| २१) | श्री. सुदाम रामदास सोनवणे | --/-- |
| २२) | श्री. रविंद्र बाबुराव इंगळे | --/-- |
| २३) | श्री. कंवरसिंग किसनसिंग बैनाडे | --/-- |
| २४) | सौ. पद्मा बाबुराव शिंदे | --/-- |
| २५) | श्री. सुभाष भिकाजी टाकळकर | --/-- |
| २६) | श्री. प्रफुल्ल लालचंद मालानी | --/-- |
| २७) | श्रीमती चंपाबाई विश्वनाथ पांचाळ | --/-- |
| २८) | सौ. धनश्री अशोक विसपुते | --/-- |
| २९) | सौ. फरहत बानो अ. मो. नवाजखान | --/-- |
| ३०) | श्री. फजल उल्लाखान अपमत उल्लाखान | --/-- |
| ३१) | श्री. आजीजखाँ गणीखाँ | --/-- |
| ३२) | श्रीमती आबेदा बेगम मो. मुस्तफा | --/-- |
| ३३) | श्री. मोहम्मद मुश्ताफ अहेमद | --/-- |
| ३४) | श्री. नुरजहाँ बेगम अ. रहेमान खान | --/-- |
| ३५) | श्री. वसंत विनायक देशमुख | --/-- |

| | | |
|-----|---------------------------------------|-------|
| ३६) | श्री. हाजी मोहसिन अहेमद हाजी बशीर | --/-- |
| ३७) | सौ. मोहसिना बिल्कीस | --/-- |
| ३८) | श्री. अ. जावेद रज्जाक | --/-- |
| ३९) | श्रीमती वाहेदा बेगम | --/-- |
| ४०) | श्री. त्र्यंबक गणपत तुपे | --/-- |
| ४१) | सौ. यशोदा धनंजय वाडेकर | --/-- |
| ४२) | श्री. किशोर बाबुलाल तुळशीबागवाले | --/-- |
| ४३) | श्रीमती पुष्पाताई सुरेशचंद्र गंगवाल | --/-- |
| ४४) | श्री. हमीदोद्दिन ताबा | --/-- |
| ४५) | श्री. म. अ. रऊफ म. अ. माबुद | --/-- |
| ४६) | श्री. स.अ. एकबालोद्दिन | --/-- |
| ४७) | श्री. धिरज शांतीलाल खाखोरडिया | --/-- |
| ४८) | श्री. प्रदिप शिवनारायण जैस्वाल | --/-- |
| ४९) | श्री. सैय्यद अली मिरा सलामी | --/-- |
| ५०) | श्री. रमेश दिपचंद लाहोट | --/-- |
| ५१) | श्री. संजय किसन केनेकर | --/-- |
| ५२) | श्री. फैय्याज अहेमद मो. हाजी कुरैशी | --/-- |
| ५३) | सौ. मुक्ताबाई वाघमारे | --/-- |
| ५४) | सौ. लता श्रीनिवास दलाल | --/-- |
| ५५) | सौ. अलका रमेश पाटील | --/-- |
| ५६) | सौ. शकुंतला धांडे | --/-- |
| ५७) | श्री. अब्दुल रशीदखान (मामू) | --/-- |
| ५८) | श्री. सुभाष लक्ष्मीनारायण कच्छवाह | --/-- |
| ५९) | कु. माया लिंगाजी लाडवाणी | --/-- |
| ६०) | डॉ. भागवत कराड | --/-- |
| ६१) | सौ. सविता आव्हाड | --/-- |
| ६२) | सौ. निर्मला विठ्ठल कांबळे | --/-- |
| ६३) | श्री. अब्दुल रशीद अब्दुल सत्तार | --/-- |
| ६४) | श्री. धिल्लन तरवेंद्रसिंग महेंद्रसिंग | --/-- |
| ६५) | श्री. विखारोद्दिन पि. खुदबोद्दिन | --/-- |
| ६६) | श्री. विकास जैन | --/-- |
| ६७) | श्री. गंगाधर सुखदेव गाडे | --/-- |
| ६८) | श्री. मनमोहनसिंग करमसिंग ओबेरॉय | --/-- |
| ६९) | श्री. निकाळजे प्रकाश भाऊराव | --/-- |
| ७०) | श्री. संजय जोशी | --/-- |
| ७१) | श्री. अविनाश लक्ष्मण कुमावत | --/-- |
| ७२) | सौ. जोत्सना हिवराळे | --/-- |
| ७३) | श्री. राजकुमार बचाटे | --/-- |
| ७४) | सौ. राधाबाई तळेकर | --/-- |
| ७५) | श्री. नरसिंग ढगे | --/-- |
| ७६) | श्री. विठ्ठल किसन जाधव | --/-- |
| ७७) | सौ. मंदा काळुसे | --/-- |

| | | |
|-----|-----------------------------|-------|
| ७८) | सौ. सुनंदा उत्तम कोल्हे | --/-- |
| ७९) | श्री. गांगवे बन्शी तुळशीराम | --/-- |
| ८०) | श्री. भगवान घडमोडे | --/-- |
| ८१) | श्री. कचरू नवपुते | --/-- |

विषय क्र. २५२/१ : स्थायी समितीच्या आठ सदस्यांची निवड करणे.

संवाद :

मा. सचिव : स्थायी समितीच्या स. स. निवडणूकीसाठी ज्या उमेदवारांनी फॉर्म गारलेले आहेत त्यांची नावे वाचून दाखविली.

मा. महापौर : फॉर्म परत घेणेसाठी एक तासाचा वेळ देण्यात येतो (अंदाजे वेळ १२.१५ वा. सभेला सुरुवात)

मा. महापौर : ज्या उमेदवारांनी फॉर्म परत केलेले आहेत त्यांची नावे पुकारण्यात येतील.

श्री. प्रदिप जैस्वाल : उमेदवारी फॉर्म परत घेण्यासाठी आणखी १/२ तास वाढवून द्यावा व ज्या स. स. बाबत वर्तमान पत्रात बातमी आलेली आहेत. या बाबत खुलासा व्हावा.

मा. महापौर : मा. आयुक्त खुलासा करतील.

मा. आयुक्त : श्री. अजयकुमार सोनकांबळे यांनी रिट पिटीशन ६२०/१७. दाखल केलेली होती. त्यात मा. उच्च न्यायालयात सुनावणी होवून सर्वश्री.

(१) श्री अफसर खान (२) साजेदा बेगम (३) म.सलीम म. कुरेशी व (४) हमीद उद्दिन ताबा यांनी त्यांच्या वॉर्डातून जातीचे खोटे प्रमाणपत्र दाखल करून निवडणूकीत उभे राहून निवडणूक जिंकल्याने त्यांचे सदस्यत्व रद्द करण्यात येते. असे रिट पिटीशन दाखल केलेले होते. त्यामुळे आज अंतरिम स. स्थगिती करण्यात आलेली. मा. उच्च न्यायालयाच्या आदेशान्वये मनपातर्फे सूचना देण्यात आल्या होत्या. मा. उच्च न्यायालयाच्या खंडपीठाद्वारे आज चौकशी कशी झाली, काम दिलेला आदेशावर स्थगिती दिलेली आहे. आणि पुढील सुनावणी एक तारखेला होईल आणि चारही स.स. आपल्या निवडणूक प्रक्रिया कामाकरिता सहभागी होता होईल असे आदेश दिलेले आहेत.

मा. महापौर : स.स. चारही व्यक्तींना निवडणूक प्रक्रियेत सहभागी होता येईल असे आदेश दिलेले आहेत. आता निवडणूक प्रक्रियेसाठी अर्धातास सभा तहकूब करण्यात येते (वेळ अंदाजे १२.४५ वा) (सभेला सुरुवात अंदाजे वेळ १.२५ वा.)

मा. महापौर : किती स.स. नी फॉर्म परत घेतले याची माहिती सचिव देतील.

मा. सचिव : सचिवांनी ज्या स.स. नी फॉर्म परत घेतले त्यांची नावे वाचून दाखविली.

(१) श्री. जयवंत ओक (२) बन्सी गांगवे (३) संजय जोशी (४) कंवरसिंग बैनाडे (५) अ. रऊफ (६) गौतम लांडगे (७) सौ. यशोदा वाडेकर (८) प्रभावर विधाते (९) मिरा सलामी.

असे एकूण नऊ स.स. निवडणूक रिंगणात आहेत.

मा. महापौर: बॅलेट पेपर तयार करण्याकरिता एका तासाचा अवधी लागेल तापर्यंत सभा तहकूब करण्यात येते. (अंदाजे वेळ १.३० वाजता) सभेला सुरुवात अंदाजे २.३५ वाजता.

- मा. महापौर : सभेला सुरुवात होत आहे. जे उमेदवार रिंगणात आहेत त्यांची नावं सचिवानी वाचून दाखवावी. आणि निवडणूक प्रक्रियेविषयी माहिती घ्यावी.
- मा. सचिव : (१) छाननी अधिकारी श्री. जावरे व चौथाई
(२) मतदान श्री. बेग व बावस्कर
(३) मतदान पेटीजवळ श्री. गणेश जाधव
(४) नावे पुकारण्यासाठी श्री. रमेशचंद्र जैस्वाल

प्रत्यक्ष निवडणूकीची सुरुवात करतांना वॉर्डनिहाय स.स. ची नावे पुकारण्यात येतील. प्रत्येकांनी स.स.ना गुप्त मतदान पध्दतीने मतदान करावे.

काही आक्षेप व अडचणी असल्यास पिठासन अधिकारी यांच्याकडे तक्रार नोंदवावी.

- श्री. हमीद ताबा : मतपत्रिका उर्दूतून ठेवावयास पाहिजे होती.
- मा. महापौर : मतदान आहे. त्यामुळे निवडणूक प्रक्रियाही मराठीतून होईल.
- श्री. मुजीब आलमशा खान : मतदान दोन ठिकाणी होणार की एकाच ठिकाणी याची माहिती सचिवांनी दिलेली नाही.
- मा. महापौर : मतदान दोन ठिकाणी करण्याची व्यवस्था करण्यात आली आहे.
- श्री मुजीब आलमशा खान : मतदान कक्ष ओपन ठिकाणी असावे.
- मा. महापौर : सर्वांना मतदान पेटी ओपन करून दाखविण्यात आली. व नंतर सील करण्यात आली.
- श्री. मनमोहनसिंग ओबेरॉय : स.स. श्री. खखोरडिया यांना पोलिस सोबत घेऊन आलेले आहेत. तेंव्हा मी विनंती करतो की, त्यांना सुरुवातील मतदान करून जाऊ द्यावे.
- मा. महापौर : स.स. च्या सुचनेनुसार स.स. श्री. खखोरडीया यांना सुरुवातीस मतदान करण्यासाठी पाचारण करण्यात येते व मतदान करण्यासाठी दीडतासाचा अवधी देण्यात येतो.
- जनसंपर्क अधिकारी : (नांवे पुकारणे सुर करतात) वॉर्ड क्र. ४४ स.स.श्री धिरज खखोरडीया. (ह्यावेळी सभागृहात काही स.स. टाळ्या वाजवून स्वागत करतात)
- प्रकाश निकाळजे : स.स. श्री. खखोरडीया हे गुंड असून त्यांच्या बाबतीत सभागृहात मतदान करण्याचा अधिकार आहे. (यावेळी सभागृहात सत्ताधारी व विपक्ष यांच्यात थोडावेळ जोरजोरात आवाज होतात.)
- जनसंपर्क अधिकारी : वॉर्ड क्र. ४४ चे स. स. यांनी मतदानास यावे.
- मा. महापौर : स.स. यांनी मतदान करण्यास यावे.
- श्री. गंगाधर गाडे : वॉर्ड क्र. ४४ चे स.स. चे नांव अगोदर का पुकारले ते योग्य आहे काय? ह्या बाबत आम्ही आक्षेप घेतो. नियमाप्रमाणे वॉर्ड क्र. १ पासून सुरुवात करावे.
- मा. महापौर : स.स. श्री. मनमोहनसिंग ओबेरॉय यांनी सूचना केल्याप्रमाणे स.स. श्री. खखोरडीया वॉर्ड क्र. ४४ यांचे नाव प्रथम पुकारण्यात आले.
- श्री. गंगाधर गाडे : वॉर्ड क्र. १ निहाय मतदानासाठी नावे प्रकरणे मध्येच वॉर्ड क्र. ४४ चे नांव पुकारणे योग्य नाही.

मा. महापौर : स.स. श्री. ओबेरॉय यांनी विनंती केल्यानुसार स. स. श्री. खखोरडीया यांना पाचारण करण्यात आले त्याप्रमाणे स.स.ना विधी सल्लागार यांनी मतदानाच्या वेळेस मदत करावी. (ह्यावेळी स.स. श्री. खखोरडीया मतदान करण्यास सभागृहात येतात व मतदानाचा हक्क बजावतात.)

जनसंपर्क अधिकारी : वॉर्ड क्र. १ ते ५ ची स.स.ची मतदानासाठी नावं पुकारतात. त्यावेळी वॉर्ड क्र. १ ते ४ चे स.स. मतदान करतात परंतु वॉर्ड क्र.५ चे स.स. यांनी मतदान करतेवेळी चुकीचे झाल्याचे पिठासन अधिकाऱ्यांकडे तक्रार स्वतः नोंदविली (त्यावेळी थोडा वेळ दोन्हीही सत्तारूढ व विपक्ष यांच्यात चर्चा झाली.)

श्री. मुजीब आलमशाह : स.स. यांना विधी सल्लागार यांनी मदत करावी.

मा. महापौर : विधी सल्लागार यांनी खुलासा करावा.

विधी सल्लागार : नियमाप्रमाणे मा. महापौर यांनी सदरील बाब निर्देशनास आणून दिली आहे. त्यानुसार त्यांना पुन्हा मतदान करता येवू शकते.

मा. महापौर : नियम ४५ प्रमाणे स.स. मतदान करतेवेळी मतपत्रिका अगोदर माझ्यासमारे आणून दाखविली त्यामुळे अगोदरच्या मतपत्रिका नाश करून दुसरी मतपत्रिका स.स. ना. मतदान करण्यासाठी वा मतदान करते वेळेस काही मदत आवश्यक असल्यास स.स. वी. सूचना घ्याव्यात. (यावेळी मा. महापौरांनी चुकीची मतपत्रिकी का सर्वासमोर नाश केली.) व दुसरी मतपत्रिका मतदान करण्यासाठी घेऊन जाणे बाबत सूचना केली.

श्री. कंवरसिंग बैनाडे : ह्या निर्णयाचा आम्ही निषेध व्यक्त करतो.

जनसंपर्क अधिकारी : वॉर्ड क्र. ६ ते २८ (यांचे मतदान सुरळीत झाले) वॉर्ड क्र. २३ स.स. सौ. पांचाळ.

मा. महापौर : सौ. पांचाळ यांना विधिसल्लागार यांनी मदत करावी.

जनसंपर्क अधिकारी : वॉर्ड क्र. २४ ते २७ (यांचे मतदान सुरळीत झाले)

मा. महापौर : तर वॉर्ड क्र. २८ स.स. यांना विधी सल्लागार यांनी मदत करावी.

जन. अधिकारी : वॉर्ड क्र. २९ ते ४६ (यांचे मतदान सुरळीत झाले)

मा. महापौर : वॉर्ड क्र. ४७ स.स. यांना विधी सल्लागार यांनी मदत करावी.

जन. अधिकारी : वॉर्ड क्र. ५१ ते ८२ पर्यंतचे स.स.चे मतदान सुरळीत झाले.

मा. महापौर : विपक्ष व सभागृह नेता यांना मी विनंती करतो की, त्यांनी दोन स.स. ची नांवे प्रतिनिधी म्हणून अर्ज करावे. (यावेळी स.स. जैस्वाल, हाळनोर, केनेकर, डॉ. कराड, मुश्ताक अहेमद हे सर्व आप आपले उमेदवाराचे प्रतिनिधी म्हणून उपस्थित रहात) त्यावेळी मतदान पेटी सर्वासमोर उघडून सर्व मतपत्रिकेवर मा. महापौर यांच्या स्वाक्षऱ्या घेवून छाननी अधिकाऱ्यांकडे सुपूर्त करतात. छाननी अधिकारी हे प्रत्यक्षात मत मोजणीला सुरु करतात.

मा. महापौर : मतमोजणी झालेली आहे व निवडून आलेल्या स.स. ची नांवे व त्यांना पडलेल्या मतांची आकडेवारी खालीलप्रमाणे आहे.

| १] | सर्वश्री | पडलेली मते | |
|----|------------|------------|-------|
| १. | म. रऊफ | ८४ | विजयी |
| २. | मीरा सलामी | ८० | -//- |
| ३. | संजय जोशी | ७७ | -//- |

| | | | |
|----|------------------|----|------|
| ४. | गौतम लांडगे | ७६ | -//- |
| ५. | बन्सी गांगवे | ७२ | -//- |
| ६. | सौ. यशोदा वाडेकर | ७२ | -//- |
| ७. | प्रभाकर विधाते | ६९ | -//- |
| ८. | जयवंत ओक | ६६ | -//- |
| ९. | कंवरसिंग बैनाडे | ५२ | -//- |

ह्या सर्वांचे नवनिर्वाचित विजयी उमेदवारांचे मा. महापौरांनी स्वागत केले. व "जन गण मन" राष्ट्रगीताने सभा संपल्याचे जाहिर केले.

स्वाक्षरीत/-
नगर सचिव
महानगरपालिका, औरंगाबाद.

स्वाक्षरीत/-
महापौर
महानगरपालिका, औरंगाबाद.